ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY

पूर्व विधायक अखंड श्रीनिवासमूर्ति भाजपा में हुए शामिल @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 18 अप्रैल, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 |✻| मूल्य-6 रु.| वर्ष-6 | अंक-108

पांच सौ साल बाद अयोध्या में भव्य जन्मोत्सव के साक्षी बने श्रीराम

रामलला के भाल पर चमका सूर्य-तिलक

पांच मिनट तक सूर्य-अभिषेक को कौतुक से देखती रही दुनिया

अयोध्या में लाखों भक्तों-श्रद्धालुओं ने देखा वह ऐतिहासिक पल

अयोध्या, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। सम्पूर्ण भारतवर्ष और सनातन हिंदू धर्म को मानने वाले दुनियाभर के लोगों ने आज की रामनवमी विशेष रूप और अर्थ के साथ मनाई। राम जन्मभूमि अयोध्या में पांच सौ साल बाद राम का जन्मोत्सव मना। अयोध्या में रामलला की मौजूदगी में आज की ऐतिहासिक रामनवमी मनाई गई। राम मंदिर में स्थापित रामलला के भाल पर पांच मिनट पर सूर्य तिलक देदिप्यमान रहा। आज रामलला के सूर्य अभिषेक का भी इतिहास बना, जिसे पूरी दुनिया ने देखा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुदूर पूर्वोत्तर में थे, लेकिन जिस समय अयोध्या में रामलला का सूर्याभिषेक हो रहा था, उस समय प्रधानमंत्री की जनसभा में मौजूद विशाल जनसमूह ने मोबाइल का टॉर्च जला कर रामलला के सूर्याभिषेक से खुद को जोड़ा।

मुहूर्त के अनुसार अयोध्या राम मंदिर में आज दोपहर 12 बजे से राम जन्मोत्सव शुरू हुआ। देश दुनिया के पांच लाख से अधिक श्रद्धालु आज अयोध्या पहुंचे। विधि-विधान और मंत्रोच्चार के बीच जन्मोत्सव मनाया गया। इसके पहले रामलला को श्रृंगार किया गया। उन्हें आभूषण पहनाए गए। भगवान राम की नगरी में आज रामनवमी की धूम रही। देश के कोने-कोने से लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। ब्रह्मलोक के समय से ही सरयू नदी में स्नान का सिलसिला शुरू हुआ जो पूरे दिन और आज भी देर शाम तक चलता रहा।

मंदिर में रामलला का दर्शन करने के लिए देर रात से ही लोग कतार में खड़े हो गए थे। पूरी राम नगरी आज श्रद्धालुओं से पट गई थी। श्रद्धालुओं के आगमन पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। रामलला के दरबार में सुबह 3:30 बजे से ही भक्तों की कतार लग गई थी। 100 से अधिक स्थानों पर एलईडी के जरिए अयोध्या में चल रहे राम जन्मोत्सव का लाइव प्रसारण किया जा रहा था। दोपहर ठीक 12:00 बजे राम मंदिर सहित रामनगरी के हजारों मंदिरों में राम का जन्म उत्सव मनाया गया।

रामनवमी का त्यौहार प्रत्येक वर्ष चैत्र शुक्ल की नवमी तिथि को मनाया जाता है। हिंदु धर्म शास्त्रों के अनुसार आज के दिन ही भगवान श्री राम का जन्म हुआ था।

अद्भुत था भगवान रामलला का सूर्य अभिषेक

अयोध्या, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। रामलला का सूर्य अभिषेक दोपहर 12 बजकर 01 मिनट पर हुआ। सूर्य की किरणें रामलला के चेहरे पर पड़ीं। करीब 75 मिमी का सूर्य का टीका राम के ललाट पर बना रहा। दुनिया भक्ति और विज्ञान के अद्भुत संगम को भक्तिभाव से निहारती रही। यह धर्म और विज्ञान का भी चमत्कारिक मेल रहा। आज दोपहर जैसे ही घड़ी में 12 बजकर 01 मिनट हुए, सूर्य की किरणें सीधा भगवान राम के ललाट पर पहुंच गईं। 12 बजकर एक मिनट से 12 बजकर 6 मिनट तक सूर्य अभिषेक होता रहा। पूरे पांच मिनट तक सूर्य रामलला की ललाट पर शोभायमान रहा। वैज्ञानिकों ने 20 वर्षों तक अयोध्या के आकाश में सूर्य की गति का अध्ययन किया है। राम मंदिर का निर्माण होने के बाद सटीक दिशा आदि का निर्धारण करके मंदिर के ऊपरी तल पर रिफ्लेक्टर और लेंस स्थापित किया गया। सूर्य रश्मियों को घुमा फिराकर रामलला के ललाट तक पहुंचाया गया।

हर साल रामनवमी पर रामलला के भाल पर विराजेंगे सूर्य

रुड़की, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीबीआरआई) रुड़की के वैज्ञानिकों की एक टीम ने सूर्य तिलक मैकेनिज्म को तैयार किया। डिजाइन तैयार करने में टीम को पूरे दो साल लगे। 2021 में राम मंदिर के डिजाइन पर काम शुरू हुआ था। इस तकनीक से अब हर साल राम नवमी के अवसर पर रामलला का सूर्याभिषेक होगा और रामलला के भाल पर सूर्य विराजेंगे।सीबीआरआई के वैज्ञानिकों की एक टीम ने सूर्य तिलक मैकेनिज्म को इस तरह से डिजाइन किया है कि हर साल रामनवमी के दिन दोपहर 12 बजे करीब चार मिनट तक सूर्य की किरणें भगवान राम की प्रतिमा के भाल पर पड़ें। इस निर्माण कार्य में सीबीआरआई के साथ सूर्य के पथ को लेकर तकनीकी मदद बेंगलुरु के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स (आईआईए) की भी ली गई है।

सूर्य तिलक के वक्त थम गई पीएम मोदी की रैली

भीड़ ने मोबाइल की फ्लैश लाइट जलाकर खुद को सूर्याभिषेक से जोड़ा

नलबाड़ी (असम), 17 अप्रैल (एजेंसियां)। जिस समय अयोध्या में रामलला का सूर्याभिषेक हो रहा था, उस वक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी असम के नलबाड़ी में रैली को संबोधित कर रहे थे। पीएम मोदी ने वहां मौजूद लोगों को रामनवमी की बधाई दी और रामलला के सूर्याभिषेक के बारे में बताया। पूरी भीड़ ने अपने-अपने मोबाइल फोन की फ्लैश लाइट जला कर रामलला के सूर्य तिलक से खुद को जोड़ा। प्रधानमंत्री ने कहा, सूर्य देवता स्वयं प्रभु राम का जन्मदिन मनाने के लिए किरण के रूप में उतर रहे हैं। पूरे देश में एक नया माहौल है। प्रभु श्रीराम का जन्मदिन 500 साल बाद आया है, जब उन्हें अपने घर में जन्मदिन मनाने का सौभाग्य मिला है। 500 वर्षों के इंतजार के बाद भगवान राम अपने भव्य मंदिर में विराजमान हुए हैं।

संविधान बदलने की बात कर गुमराह कर रहा विपक्ष

कांग्रेस ने तो खुद 80 बार किया संविधान में बदलाव

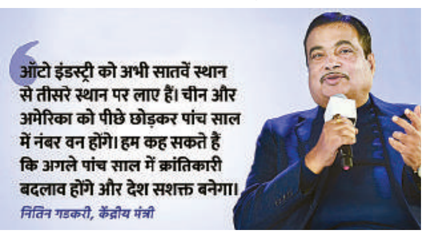

नागपुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भाजपा पर संविधान बदलने के आरोपों पर कहा कि विपक्ष लोगों को गुमराह कर रहा है। कांग्रेस ने तो खुद 80 बार बदलाव कर संविधान तोड़ने का पाप किया है। विपक्ष अल्पसंख्यकों और दलितों को गुमराह करने के लिए झूठा प्रचार कर रहा है। पर, वे इसमें सफल नहीं होंगे। केशवानंद भारती केस में सुप्रीम कोर्ट के 7 न्यायाधीशों ने फैसला दिया है कि संविधान के मूल ढांचे को बदल नहीं सकते। संविधान बदलने की बात वह कांग्रेस कर रही है, जिसने 80 बार बदलाव कर संविधान को तोड़ने का पाप किया है। मोदे की चार सौ पार वाले नारे के औचित्य पर गडकरी ने कहा, यह बिल्कुल संभव है। हवा देखकर लग रहा है कि भाजपा 370 सीट जीतेगी और एनडीए के घटक दल 30 से अधिक सीटों पर जीत हासिल करेंगे। कर्नाटक में तो हम जीतेंगे ही। साथ ही, दक्षिण भारत में भी एनडीए को सफलता मिलेगी। हमें बहुत अच्छा जनादेश मिलेगा। नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। गडकरी ने कहा, बुनियादी ढांचे में बदलाव से विकास को गति मिलेगी। हम इस दिशा में काम कर रहे हैं और आगे का लक्ष्य निर्धारित कर रहे हैं। हम रोपवे, केबल कार बना रहे हैं।

19 अप्रैल को होगा पहले चरण का मतदान

कई दिग्गजों के भाग्य का बटन दबेगा

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। आठ केंद्रीय मंत्री, दो पूर्व मुख्यमंत्री और एक पूर्व राज्यपाल उन नेताओं में शामिल हैं जो 19 अप्रैल को होने वाले पहले चरण के चुनाव में अपनी चुनावी किस्मत आजमाएंगे। 19 अप्रैल को 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 102 सीटों के लिए वोट डाले जाएंगे।

पहले चरण में ही महाराष्ट्र के नागपुर सीट पर भी मतदान होना है। केंद्रीय सड़क व परिवहन मंत्री नितिन गडकरी नागपुर सीट से जीत की हैट्रिक लगाने की तैयारी में हैं। 2014 में, उन्होंने सात बार के सांसद विलास मुत्तेमवार को 2.84 लाख मतों के अंतर से हराया था। 2019 में उन्होंने वर्तमान महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले को 2.16 लाख मतों से हराकर सीट बरकरार रखी थी।केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू अरुणाचल पश्चिम सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। 52 वर्षीय रिजिजू ने 2004 से तीन बार इस निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया है। रिजिजू के मुख्य प्रतिद्वंद्वी पूर्व मुख्यमंत्री और अरुणाचल प्रदेश कांग्रेस के वर्तमान अध्यक्ष नबाम तुकी हैं।

पहले चरण में आठ केंद्रीय मंत्री, दो पूर्व सीएम और एक पूर्व राज्यपाल मैदान में

डिब्रूगढ़ से असम के पूर्व सीएम और केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ताल ठोक रहे हैं। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल असम के डिब्रूगढ़ से लोकसभा में वापसी की उम्मीद कर रहे हैं। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री रामेश्वर तेली का टिकट काटकर सोनोवाल को डिब्रूगढ़ से चुनाव मैदान में उतारा गया है। वे फिलहाल राज्यसभा सदस्य हैं।

मुजफ्फरनगर में त्रिकोणीय चुनावी जंग चल रही है जहां केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान का मुकाबला समाजवादी पार्टी के हरिंद्र मलिक और बसपा उम्मीदवार दारा सिंह प्रजापति से है।

मॉब-लिंचिगः मुस्लिम याची से सुप्रीम कोर्ट ने पूछा

कन्हैयालाल दर्जी की हत्या का जिक्र याचिका में है?

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। मॉब-लिंचिंग के खिलाफ याचिका दाखिल करने वाले मुस्लिम याची से सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि राजस्थान के दर्जी कन्हैयालाल का गला रेता जाना मॉब-लिंचिंग जैसी जघन्य घटना थी या नहीं? क्या उन घटनाओं का भी याचिका में जिक्र है? सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि सेलेक्टिव नहीं होना चाहिए, समग्रता से मानवीयता अभिव्यक्त होनी चाहिए।देश की सर्वोच्च अदालत मंगलवार 16 अप्रैल को एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इस याचिका में अल्पसंख्यकों के खिलाफ मॉब लिंचिंग के अपराध बढ़ने का दावा करते हुए गोरक्षकों पर निशाना साधा गया था और तथाकथित पीड़ितों के लिए त्वरित वित्तीय मदद की व्यवस्था की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट में अधिवक्ता निजाम पाशा ने याचिका दाखिल की थी। सुनवाई करते हुए जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कन्हैया लाल दर्जी हत्याकांड का जिक्र करते हुए याचिकाकर्ताओं को सलाह दी कि वे सेलेक्टिव न बनें। संवेदनशीलता और मानवीयता सेलेक्टिव नहीं हो सकती। अदालत ने याचिकाकर्ता से पूछा, राजस्थान के उस दर्जी कन्हैया लाल के बारे में क्या किया, जिसकी पीट-पीट कर हत्या कर दी गई थी? याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील निज़ाम पाशा ने स्वीकार किया कि याचिका में इसका उल्लेख नहीं किया गया है। गुजरात सरकार की तरफ से पेश हुईं वकील अर्चना पाठक दवे ने कहा कि याचिका में सिर्फ मुस्लिमों की मॉब लिंचिंग की बात है, जबकि राज्य सरकार की जिम्मेदारी है सबको सुरक्षा देना।

संवेदनशीलता 'सेलेक्टिव' नहीं होतीः सुप्रीम कोर्ट

रक्षा मंत्री राजनाथ ने कहा, माकपा यह स्पष्ट करे

परमाणु हथियार नष्ट करने की बात क्यों कही?

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश में परमाणु हथियारों को नष्ट करने के माकपा के चुनावी घोषणापत्र के वादे के पीछे की मंशा पर सवाल उठाते हुए इस मुद्दे पर माकपा से अपना रुख स्पष्ट करने की मांग की है। राजनाथ सिंह ने आरोप लगाया कि भारत के परमाणु हथियारों को नष्ट करने की बात करना राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने जैसा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि देश को कमजोर करने के लिए गहरी साजिश रची जा रही है। राज्य के कासरगोड जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए सिंह ने मांग की कि कांग्रेस को भी परमाणु हथियारों को नष्ट करने के माकपा के घोषणापत्र में किए गए वादे पर अपना रुख जाहिर करना चाहिए क्योंकि इंदिरा गांधी सरकार ने ही देश का परमाणु कार्यक्रम शुरू किया था। राजनाथ ने कहा कि भारत ने दुनिया के 11 परमाणु सम्पन्न देशों में शामिल होने के लिए कड़ी मेहनत की और अपने परमाणु हथियारों को नष्ट करने से वह देश कमजोर देश बन जाएगा जिसके पड़ोसी पाकिस्तान और चीन परमाणु शक्तियों से लैस होंगे।

कार्टून कॉर्नर

बिना लड़े ही मैदान से हट गए गुलाम नबी आजाद

जम्मू, 17 अप्रैल (ब्यूरो)। पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ेंगे। अभी तक उनकी उम्मीदवारी को लेकर उनकी पार्टी के कार्यकर्ता बेहद खुश थे। अब उनकी खुशी काफूर हो गई है। आजाद के करीबी नेताओं का कहना है कि गुलाम नबी आजाद विधानसभा चुनाव लड़ने के इच्छुक हैं और पार्टी उन्हें मुख्यमंत्री के उम्मीदवार के तौर पर पेश करना चाहेगी।गुलाम नबी आजाद ने यह ऐलान कर दिया है कि वे लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। अनंतनाग-राजौरी सीट से उनकी पार्टी डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) ने उन्हें उम्मीदवार घोषित किया था। उनकी पार्टी से एडवोकेट मोहम्मद सलीम परे अब इस सीट से चुनाव लड़ेंगे। गुलाम नबी आजाद को 2014 में कठुआ-उधमपुर लोकसभा क्षेत्र में भाजपा के डा जितेंद्र सिंह ने हराया था। इसी सीट से पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती भी चुनावी मैदान में हैं। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अमीन भट्टा ने बताया कि आज गुलाम नबी आजाद की पार्टी नेताओं से एक दो घंटे बैठक चली। इस बैठक में फैसला लिया गया कि सलीम परे अनंतनाग-राजौरी सीट से पार्टी के उम्मीदवार होंगे। गुलाम नबी आजाद ने ये फैसला क्यों लिया, इस पर पार्टी नेता ने कहा कि इसके पीछे कुछ वजह हैं। सभी ने सहमति से सलीम परे को उम्मीदवार बनाने का फैसला किया।

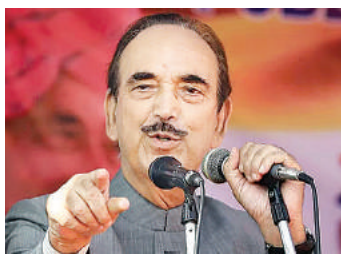

उनकी जगह लड़ेंगे मोहम्मद सलीम परे

जम्मू कश्मीर की पांच लोकसभा सीटों में अनंतनाग-राजौरी संसदीय क्षेत्र से गुलाम नबी आजाद के चुनाव लड़ने की तैयारी थी। यह घोषणा डीपीएपी के कोषाध्यक्ष ताज मोहिउद्दीन ने श्रीनगर में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान की थी। लेकिन बुधवार को अचानक उनके चुनाव मैदान में उतरने की खबर से सब हैरान रह गए। उनके द्वारा मैदान में न उतरने की घोषणा पर उमर अब्दुल्ला ने कहा कि गुलाम नबी आजाद हार के डर से चुनाव नहीं लड़ रहे, इस सवाल के जवाब में अमीन भट्ट ने कहा कि ये उमर साहब की बौखलाहट है। आजाद साहब ने महाराष्ट्र में दो बार इलेक्शन जीता है। वो थोड़े ही डरेंगे। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री रह चुके आजाद ने मतदाताओं की प्रतिक्रियाएं जानने के लिए पहले कई सार्वजनिक बैठकें की थीं। उन्होंने कहा था कि बहुत से लोग मुझसे चुनाव लड़ने के लिए कहते रहे हैं। मेरी संसद में रहने की मांग है। लेकिन ऐसी आवाजें भी हैं जो चाहती हैं कि मैं विधानसभा चुनाव लड़ूं।

शेयर मार्केट

बीएसई : 72,943.68
-456.10 -0.62% ↓
एनएसई :22,147.90
-124.60 (-0.56%) ↓

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)
सोना : 75,970/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 86,270/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 36^0
न्यूनतम : 24^0

जीतो बिजनेस नेटवर्क जेबीएन महिलाओं के समूह की भागीदारी से वी कनेक्ट-रेफरल मीट का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

महिला उद्यमिता को किसी भी देश की आर्थिक प्रगति का एक महत्वपूर्ण साधन माना गया है। महिला उद्यमी न केवल खुद को आत्मनिर्भर बनाती हैं, बल्कि दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर बढ़ाती है। भारतीय समाज में महिला उद्यमिता को प्रोत्साहन देने के लिए सामाजिक, पारिवारिक और आर्थिक मोर्चों पर बदलाव लाने की जरूरत है।

यह बात साइट हेड ऑफ नेमे मार्कस ग्रुप की वीपी मोनिका पिरगल ने जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ के अंतर्गत जीतो महिला विंग के तत्वावधान में जीतो बिजनेस नेटवर्क जेबीएन महिलाओं के समूह की भागीदारी से वी कनेक्ट-रेफरल मीट, वांतप्रेनुर टू एंटरप्रेन्योर कार्यक्रम में कही। उन्होंने अपने संघर्ष के शुरुआती दौर की कहानी को साझा करते हुए कहा कि आर्थिक सुदृढ़ हर कोई होना चाहता है। लेकिन घरेलू महिलाओं के ऊपर घर की जिम्मेदारी होती है, वह सामंजस्य बिठाते हुए कैसे आगे बढ़ती है उसके कुछ सूत्र है जो लागू करने से सफल होंगे। जब भी अपने कार्य की प्रस्तुति देनी हो तो

तैयारी एकदम दमदार होनी चाहिए। अपने कार्य की विशेषताओं को उजागर कर उसकी खूबियों और उपलब्धियों के साथ प्रस्तुत करना सीखें। नई तकनीक के साथ अपने हुनर को आगे बढ़ाते हुए आर्थिक सुदृढ़ता की ओर कदम बढ़ायें।

बिजनेस के मंत्र यही हैं की विचार एवं क्षमताओं के साथ पूर्ण आत्मविश्वास हो, व्यवसाय में आये जोखिम लेने की क्षमता हो और सकारात्मक दृष्टिकोण सफलता दिलाता हो। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा ने स्वागत करते हुए कहा कि देश और दुनिया में इतिहास रचने वाली केवल महिलाओं की भागीदारी वाले इस प्रथम रेफरल समूह की स्थापना छः माह पूर्व हुई और इसकी लीडरशिप टीम में अपने सभी जेबीएन सदस्यों को आर्थिक रूप से सशक्त किया है। ब्रेड बटर क्लब डिजिटल मार्केटिंग की सह-संस्थापिका रिया जैन ने अपने वक्तव्य में कहा कि यहां व्यवसाय के साथ एक ऐसे आयड़िया पर काम किया जाता है जिसे बाद में एक बड़े बिजनेस में बदल दिया जाता है। उन्होंने महिला उद्यमियों को प्रशिक्षण देते हुए कहा कि व्यवसाय करते समय आयी समस्या का समाधान करना आना चाहिए। हमेशा हटकर सोचे, अपना गोल सेट करें, रिस्क लेना आना चाहिए। जिस फिल्ड में काम करना चाहते हैं उसकी पूरी जानकारी ले और आगे बढ़े। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ जेबीएन के सह-संयोजक मदन जैन ने कहा कि जितना मिलोगे उतना मिलेगा इस मंत्र को गाँठ बांध ले। वहाँ उप-स्थित जेबीएन के सभी सदस्यों ने अपने व्यवसाय का संक्षिप्त परिचय दिया। अपने सवालों के समाधान किए। एपेक्स उपाध्यक्ष राजेंद्र छाजेड, केकेजी जोन चेयरमैन अशोक सालेचा, जेबीएन बेंगलूरु नॉर्थ संयोजक प्रमोद बाफना ने शुभकामना संप्रेषित की। बेंगलूरु नॉर्थ महिला विंग द्वारा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम के अंतर्गत उद्यमी महिलाओं को सकारात्मक सोच के साथ उद्यम की ओर कदम बढ़ाने में पहल करने के ध्येय लेकर जीतो के इतिहास में पहला जेबीएन महिला रेफरल मीट समाज के लिये प्रेरणा का स्तोत्र बना। यह बात जीतो कार्यालय राजाजीनगर में अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी ने कही।

इनकी रही विशेष उपस्थिति

महामंत्री सुमन वेदमुथा ने जीतो के प्राथमिक उद्देश्य अपने समुदाय को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से आर्थिक सशक्तिकरण के बारे में बताया। वी कनेक्ट अध्यक्ष सुष्मिता सेठिया ने ऑडियो-वीडियो के माध्यम से छह माह के सफर में आयोजित कार्यक्रम की झलकियों को साझा किया। उपाध्यक्ष भाविका कोठारी ने रेफरल मीट के आँकड़े और व्यापार आँकड़ो द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत की। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ मेंटर निशा सामर, साउथ महिला विंग अध्यक्ष सुनीता गांधी, नॉर्थ जेबीएन पायोनिर्स के महामंत्री क्षितिज धारिवाल, टायकूंस के पूर्व मंत्री विकेश जैन ने विचार व्यक्त किए। आगामी कार्यकाल की घोषणा करते हुए बिन्दु रायसोनी ने सुमन रांका को वी कनेक्ट अध्यक्ष, पिंकी मेहता को उपाध्यक्ष एवं सीमा शाह को महामंत्री के रूप नियुक्त किया। सभी वक्ताओं एवं गिफ्ट प्रायोजक संगीता मुथा का सम्मान किया गया। कोषाध्यक्ष मधु कटारिया, कार्यसमिति सदस्य सूर्यकला सियाल, सुमन सिंघवी एवं रत्नीबाई मेहता की विशेष उपस्थिति रही।

धूमधाम से मनाई रामनवमी

पत्रिका का विमोचन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अयोध्या धाम में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली राम नवमी मनाने का सौभाग्य स्वास्तिक सेवा ट्रस्ट को भी प्राप्त हुआ। क्लासिपाल्यम स्थित ट्रस्ट के कार्यालय पर सर्व प्रथम श्री रामजी की पूजा, अर्चना और आरती की गई। तत्पश्चात हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी तिथि त्योहार पत्रिका का विमोचन सभी सदस्यों की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर जय श्री राम के जयघोष से सभी राममय हो गए। करीब 2500 लोगों में महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस सेवा कार्य में महेश मित्तल, फाउंडर चेयरमैन सतीश मित्तल, उप चेयरमैन श्यामलाल बंसल, अध्यक्ष विमल सरावगी, सचिव विनोद अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अशोक गर्ग, सह सचिव गौरव जिंदल व अजय खेमका, अनिल चौहान, अनिल गोयल, अनिल नाहर, सोमसुंदरम, गजेंद्र अग्रवाल, नरेश अग्रवाल, नरेश जैन, पवन बंसल, रघुबीर गुप्ता, संजीव अग्रवाल, सुभाष बंसल ने उपस्थित होकर सेवा का लाभ लिया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजस्थान परिषद् ने रामनवमी के उपलक्ष्य में मासिक सेवा आयाम के अन्तर्गत के जी रोड स्थित पूज सिंधी पंचायत में कमलेश भरत डूंगरवाल के सौजन्य से लोगों में अन्नदान का वितरण किया। पूज सिंधी पंचायत के पूर्व अध्यक्ष राम कपाई ने भगवान राधा कृष्ण की प्रार्थना की। लगभग 150 लोगों ने भोजन किया। इस मौके पर मंत्री विनय बैद, कोषाध्यक्ष पंकज बैद एवं मासिक सेवा संयोजक दीपक गोठी उपस्थित रहे।

आईटी टूल्स की उपयोगिता पर व्याख्यान सत्र का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), बेंगलूरु के तत्वावधान में भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड-ईडीएन, बेंगलूरु के शरावती सम्मेलन कक्ष में मंगलवार को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एवं आईटी टूल्स की उपयोगिता पर व्याख्यान सत्र का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया।

इस कार्यक्रम का प्रारंभ जॉय अलैक्जेंडर, महा प्रबंधक एवं प्रमुख (मासं., फैसे, टीएम तथा संचार एवं जन संपर्क) के स्वागत भाषण के साथ हुआ। बी. श्याम बाबु, कार्यपालक निदेशक, बीएचईएल-ईडीएन ने इस व्याख्यान सत्र का उद्घाटन किया। व्याख्यान सत्र के संचालन हेतु संकाय सदस्य के रूप में डॉ. राकेश कुमार शर्मा, उप निदेशक (राजभाषा), राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान, गोवा को आमंत्रित किया गया था। डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने अपने व्याख्यान के दौरान एआई एवं आईटी टूल्स पर चर्चा करते हुए हिन्दी वर्तनी संबंधी सॉफ्टवेयर, एआई के माध्यम से गूगल-जीपीटी, गूगल-जेमिनी, को-पायलट के साथ-साथ राजभाषा कार्यान्वयन को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए एआई एवं आईटी टूल्स का उपयोग अपने दैनिक कार्यों में अधिक-से-अधिक करने पर बल दिया। इस सत्र में बेंगलूरु स्थित उपक्रम कार्यालयों से 50 से भी अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। राजभाषा विभाग की ओर से अनिर्बान कुमार विश्वास, उप निदेशक (कार्यान्वयन), दक्षिण क्षेत्र भी विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित थे। साथ ही, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) के सदस्य-सचिव के रूप में श्री संजय कुमार पाण्डेय, मुख्य प्रबंधक (राजभाषा), एचएएल मुख्यालय, बेंगलूरु भी उपस्थित थे। व्याख्यान सत्र में एन. रंगनाथाचार, सेवानिवृत सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा), केआईओसीएल की भी उपस्थिति रही।

वरघोड़ा के साथ जन्म कल्याणक महोत्सव की होगी शुरुआत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जैन युवा संगठन द्वारा समस्त जैन समाज के सहयोग से आयोजित श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2623वें जन्मकल्याणक महोत्सव के भव्य आयोजन के लिए बेंगलूरु के प्रेस क्लब में प्रेस वार्ता आयोजित किया गया। प्रेस वार्ता की शुरुआत प्रचार प्रसार समिति के चेयरमैन अमित दक द्वारा मंगलाचरण से हुई। अध्यक्ष महेंद्र बागरेचा ने सभी का स्वागत किया। मंत्री मदन मूणोत ने

आगामी श्रमण भगवान के जन्म कल्याणक महोत्सव की सम्पूर्ण जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 7: 30 बजे टाउन हॉल से जैनत्व सिद्धांत एवं प्रभु महावीर के अहिंसा के सिद्धांतों के साथ समस्त जैन समाज एवं आमजनमानस को संदेश देती हुई बेंगलूरु की प्रतिष्ठित संस्थाओं द्वारा सहयोगी झांखियों के साथ विशेष अतिथि के वरघोड़ा के शुभारंभ से होगी। वरघोड़ा समस्त जैन समाज के मंडल के साथ टाउन हॉल से एसपी रोड, ना-गरथपेट, एवेन्यू रोड, आदिनाथ जैन मंदिर चिकपेट, बीवी केआयंगर रोड, हॉस्पिटल रोड, मैसूरु बैंक सर्किल, शेषाद्रि रोड होते हुए कुंडलपुर नगरी (फ्रीडम पार्क) पहुंचेगी। कुंडलपुर नगरी में गुरुभगवंतों के सानिध्य में प्रभु महावीर के अभिषेक के साथ गुरुभगवंतों की जिनवाणी का लाभ समस्त जैन समाज के लिए आयोजित रहेगा। इस वर्ष वर्धमान प्रसादी के लाभार्थी के साथ, विशेष सहयोगी एवं आमंत्रित अतिथियों का सम्मान किया जायेगा। इस अवसर पर संगठन के उपाध्यक्ष महावीर मूणोत, कोषाध्यक्ष मुकेश सुराणा एव पूर्व अध्यक्ष जैन दिनेश खीवेसरा उप-स्थित थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हैदराबाद के सनतनगर स्थित हनुमान मंदिर में रामनवमी के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में रामभक्त महा दर्शन करने के लिए पहुंचे। इस अवसर पर छाछ एवं पानका वितरण किया गया। बेंगलूरु के विजयनगर स्थित मारुति मेडिकल्स के प्रमुख गौसेवक महेंद्र मुणोत ने राम भक्तों को संबोधित करते हुए कहा मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम हमारे ह्रदय में बसते हैं। हमारे संस्कारों में बसते हैं।

कन्नड़ अभिनेताओं ने द्वारकीश को दी अंतिम श्रद्धांजलि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बड़ी संख्या में लोगों ने अनुभवी कन्नड़ अभिनेता, निर्माता और निर्देशक द्वारकीश को अश्रुपूर्ण विदाई दी। कन्नड़ फिल्म उद्योग की कई हस्तियां उन लोगों में शामिल थीं, जिन्होंने 81 वर्षीय व्यक्ति को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनके पार्थिव शरीर को चामराजपेट श्मशान घाट ले जाने से पहले यहां रवींद्र कलाक्षेत्र में रखा गया था, जहां उनके पार्थिव शरीर को अग्नि के हवाले कर दिया गया। कन्नड़ फिल्म उद्योग के दिग्गज द्वारकीश, जिनका मंगलवार को निधन हो गया, ने 90 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया था और लगभग 50 फिल्मों का निर्माण किया था और पांच दशकों से अधिक के करियर में एक हास्य अभिनेता के रूप में अपनी भूमिकाओं के लिए जाने जाते थे। बहुमुखी अभिनेता कॉमेडी का पर्याय थे और जैसे ही वह बड़े पर्दे पर आते थे, दर्शक हंसने लगते थे। 19 अगस्त, 1942 को मैसूरु जिले के हुनसूर में जन्मे अभिनेता अपने करियर के शुरुआती दिनों में राज्य में एक घरेलू नाम थे।

पुलिस ने महिला की रहस्यमयी मौत की गुत्थी सुलझाई, साथी को किया गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक पुलिस ने हाल ही में बेंगलूरु निवासी प्रदीप को अपनी साथी रुकसाना की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया। उन्हें भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या के लिए सजा) और 201 (अपराध के सबूतों को गायब करना) के तहत गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले 31 मार्च को पुलिस को 21 साल की रुकसाना का जला हुआ शव मिला था।

पुलिस के मुताबिक, प्रदीप ने रुकसाना से शादी करने का झांसा देकर उसके साथ संबंध बनाए। दोनों की मुलाकात तब हुई थी जब रुकसाना मैसूरु में काम कर रही थी और उसके एक बच्चा था। हालाँकि, आरोपी ने उससे शादी करने से इनकार कर दिया क्योंकि वह पहले से ही किसी अन्य महिला से शादी कर चुका था। लेकिन रुकसाना अक्सर बेंगलूरु स्थित उसके घर जाती थी और उस पर उससे शादी करने का आग्रह करती थी। प्रदीप ने पुलिस को बताया कि वह रुकसाना की प्रताड़ना से तंग आ चुका था इसलिए उसने उसे मारने का फैसला किया।

पुलिस ने खुलासा किया कि वह रुकसाना और उनके बच्चे को कदुर में अपने पैतृक गांव ले गया। बेंगलूरु वापस जाते समय प्रदीप ने रुकसाना की हत्या कर दी और उसके शव को तुमकुरु के पास जला दिया। वह बच्चे को बेंगलूरु ले आया और उसे एक पुशकार्ट पर छोड़ दिया। बच्चा पुशकार्ट मालिक को मिला जिसने उसे उत्तर बेंगलूरु के बगलागुंटे पुलिस स्टेशन को सौंप दिया।

आगामी सभी चुनावों के लिए भाजपा जेडीएस गठबंधन जारी रहेगा: येदियुरप्पा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता बी.एस. येदियुरप्पा ने कहा कि राज्य में आगामी सभी चुनावों के लिए भाजपा और जद-एस के बीच गठबंधन जारी रहेगा। दावणगेरे में भाजपा की लोकसभा उम्मीदवार गायत्री सिद्धेश्वरा के लिए प्रचार करते समय पत्रकारों से बात करते हुए येदियुरप्पा ने कहा कि गठबंधन केवल लोकसभा चुनाव तक ही सीमित नहीं है। इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जद-एस के दिग्गज नेता एच.डी.देवेगौड़ा के बीच चर्चा हुई है। येदियुरप्पा ने यह भी कहा कि कांग्रेस के घोषणापत्र में उल्लिखित गारंटी देश में चल रही नरेंद्र मोदी लहर के सामने पार्टी की मदद नहीं करेगी।

लोकसभा चुनाव 2024

शिवकुमार ने यह कहकर सिद्धरामैया पर निशाना साधा कि मैसूरु में वोक्कालिगा सुरक्षित नहीं: कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के इस बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कि मैसूरु में वोक्कालिगा सुरक्षित नहीं हैं, पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने बुधवार को कहा कि ऐसा लगता है कि शिवकुमार मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को निशाना बना रहे हैं। जद (एस) अध्यक्ष मांड्या लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के उम्मीदवार हैं। मैसूरु में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा यह कहकर कि वोक्कालिगाओं को मैसूरु में सुरक्षा नहीं है, शिवकुमार ने मान लिया है कि सिद्धरामैया द्वारा वोक्कालिगाओं को कोई सुरक्षा

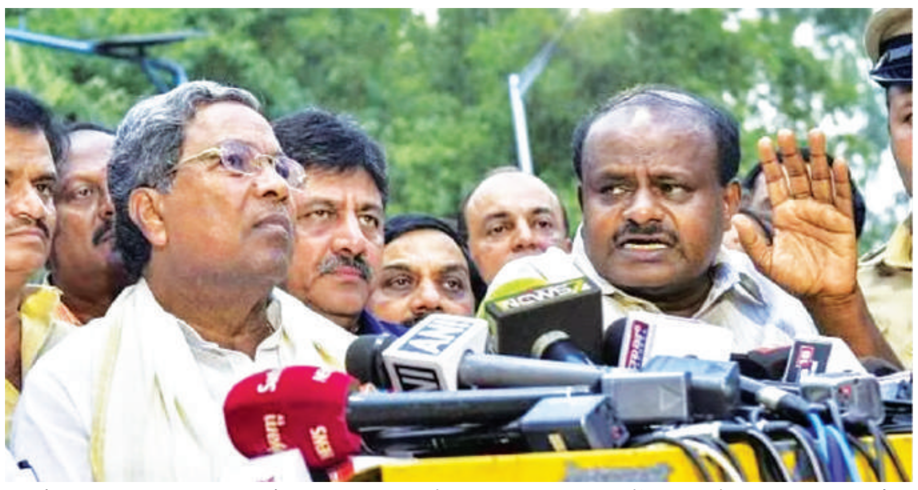

नहीं है। क्या इसका मतलब यह है कि सिद्धरामैया ने वोक्कालिगाओं के साथ अन्याय किया है? लोग इसे समझते हैं, इसलिए लगभग 90 प्रतिशत वोक्कालिगा भाजपा-जद (एस) गठबंधन का समर्थन कर रहे हैं। कुमारस्वामी ने कहा सिद्धरामैया को किसी भी समुदाय में किसी नेता का उदय बर्दाश्त नहीं है। तत्कालीन केपीसीसी अध्यक्ष जी परमेश्वर को किसने हराया, जो उनके मुख्यमंत्री बनने की राह में बाधा बन सकते थे? जब वर्तमान एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पास 2016 में सीएम बनने का मौका था, तो किसने कांग्रेस आलाकमान को धमकी दी थी कि अगर खड़गे को केंद्र में नहीं बुलाया गया तो वह भाजपा में शामिल हो जाएंगे?

कुमारस्वामी ने बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के मांड्या क्षेत्र के दौरे पर टिप्पणी करते हुए कहा कि उनके 45 मिनट के भाषण से बहुत कुछ नहीं बदलेगा। क्या मेरी हार या जीत शिवकुमार के हाथों में है? अब कांग्रेस के लिए कुमारस्वामी मुख्य निशाने पर हैं। वे धनबल के कारण दुस्साहस के साथ बोल रहे हैं। मांड्या के लोगों को पैसे से नहीं खरीदा जा सकता।

फोन टैपिंग पर एक सवाल के जवाब में, कुमारस्वामी ने पूछा, मैं आदिचुंचनगिरी के प्रमुख निर्मलानंदनाथ स्वामी का फोन क्यों टैप करूंगा? यदि मुझे स्वामी पर संदेह होता तो मैं उनके साथ अमेरिका क्यों जाता? मुझे किसी ने नहीं बताया कि मेरी जद(एस)-कांग्रेस सरकार गिर जाएगी। उन्होंने मुझे खुशी-खुशी विदा किया। जद (एस)-कांग्रेस गठबंधन सरकार बनने के 15 दिनों के भीतर, शिवकुमार और रमेश जारकीहोली के बीच विवाद शुरू हो गया, यह किसके लिए था? उन्हें इसे स्पष्ट करने दीजिए।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में रामनवमी उत्सव मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राम नवमी के अवसर पर बुधवार सुबह मल्लेश्वरम में भाजपा के प्रदेश कार्यालय, जगन्नाथ भवन में पूजा कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस मौके पर बेंगलूरु उत्तर लोकसभा क्षेत्र की उम्मीदवार शोभा करंदलाजे, भाजपा चुनाव प्रबंधन समिति के राज्य संयोजक और राज्य महासचिव वी. सुनील कुमार, प्रदेश महासचिव नंदीश रेड्डी, विधान परिषद सदस्य गोप-ीनाथ रेड्डी, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश, बेंगलूरु मध्य जिला अध्यक्ष सप्तगिरी गौड़ा, बेंगलूरु दक्षिण जिला अध्यक्ष सीके राममूर्ति उपस्थित थे।

बेंगलूरु में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में 2 लाख लोग होंगे शामिल: शोभा करंदलाजे

20 अप्रैल को पैलेस मैदान में निर्धारित है कार्यक्रम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु उत्तर लोकसभा क्षेत्र से उम्मीदवार शोभा करंदलाजे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 अप्रैल की शाम को पैलेस मैदान में पहुंचेंगे और सभी को संबोधित करेंगे।

उन्होंने बुधवार को पैलेस मैदान के गायत्री विहार गेट नंबर 1 पर आयोजित प्रधानमंत्री के बेंगलूरु सम्मेलन के गुद्दली पूजा कार्यक्रम में भाग लेने के बाद मीडिया से बात की।

उन्होंने बेंगलूरु दक्षिण, बेंगलूरु सेंट्रल, बेंगलूरु उत्तर निर्वाचन क्षेत्र, बेंगलूरु ग्रामीण के लोगों और कार्यकर्ताओं से इस बैठक में भाग लेने की अपील की। मोदी को देखने के लिए लोग और

कार्यकर्ता उत्साहित हैं। इतना ही नहीं प्रधानमंत्री की भी बार-बार बेंगलूरु आने की इच्छा है। उन्होंने भरोसा जताया कि 4 विधानसभा क्षेत्रों से करीब 2 लाख लोग प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में शामिल होंगे। हमने जो भाजपा की बूथ कमेटी बनाई है, उसमें 10-15 कार्यकर्ता हैं। उन्होंने सभी को इस कार्यक्रम में आने का निमंत्रण दिया। इसमें वार्ड, मंडल, जिला पदाधिकारी भाग लें। उन्होंने 32 विधानसभा क्षेत्रों से बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं से आने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि 20 को मोदी का भव्य स्वागत किया जाएगा। इस मौके पर भाजपा चुनाव प्रबंधन समिति के प्रदेश संयोजक एवं प्रदेश महासचिव वी. सुनील कुमार, प्रदेश महासचिव नंदीश रेड्डी, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश, बेंगलूरु मध्य जिला अध्यक्ष सप्तगिरी गौड़ा, बेंगलूरु दक्षिण जिला अध्यक्ष सीके राममूर्ति उपस्थित थे।

दिंगलेश्वर स्वामी ने मुस्लिम नेताओं से की मुलाकात

समर्थन देने की मांग की

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

आगामी लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन से पहले एक महत्वपूर्ण कदम में, लिंगायत संत फकीर दिंगलेश्वर स्वामी ने बुधवार को मुस्लिम सूफी नेता पीर सैयद अहमद रजा सिरकाजी और अन्य मुस्लिम धार्मिक नेताओं से मुलाकात की।

इस बैठक में स्वामी ने पूरे मुस्लिम समुदाय से समर्थन मांगा। बैठक के बाद बात करते हुए, उन्होंने धारवाड़ में विभिन्न समुदायों में व्यापक अन्याय और स्वतंत्रता की कमी का हवाला देते हुए धर्मयुद्ध (धार्मिक लड़ाई) में शामिल होने के अपने इरादे की घोषणा की। स्वामी ने कहा मैंने इस्लामी आस्था के सभी सूफी संतों से मुलाकात की। हमने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की और मैं खुश हूं। मुझे लगता है कि जीत हमारी मुट्ठी में है। स्वामी ने कहा कि वह चुनाव लड़ने के अपने फैसले पर कायम हैं और उन्होंने 18

अप्रैल को अपने नामांकन की तारीख की पुष्टि की। उन्होंने धार्मिक नेताओं को एकजुट होने की आवश्यकता पर जोर दिया। स्वामी ने उम्मीदवारों के शक्ति प्रदर्शन के महत्व पर भी जोर दिया और कहा कि वर्तमान चुनाव गर्व और स्वाभिमान का चुनाव है। उन्होंने राजनीतिक दलों के भीतर व्यक्तिगत हमलों पर ध्यान केंद्रित करने की आल-ोचना की और धार्मिक सिद्धांतों की ताकत दिखाने की दिशा में बदलाव का आग्रह किया। मुस्लिम धर्मगुरु पीर सैयद अहमद रजा सिरकाजी ने कहा कि स्वामीजी से मिलकर उन्हें बहुत अच्छा लगा। बेहतर होगा, अगर कांग्रेस पार्टी धारवाड़ सीट से उम्मीदवार के रूप में स्वामी जी का नाम घोषित कर दे। साथ ही किसी भी उम्मीदवार को समर्थन देना एक बड़ा फैसला है और अगले 4-5 दिनों में सभी के साथ बैठकर इस पर फैसला लिया जाएगा।

समाज के लोगों का कहना है कि शिरहट्टी और बालेहोसुर भावैक्यथा संस्थान मठ के मठाधीश दिंगलेश्वर स्वामी का इस क्षेत्र में अच्छा खासा प्रभाव है। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा सांसद, केंद्रीय मंत्री और भाजपा उम्मीदवार प्रल्हाद जोशी ने लिंगायत नेताओं को दबाया है।

समुदाय ने मतदाताओं के कुछ वर्गों के साथ प्रतिध्वनि की है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यह प्रल्हाद जोशी थे जिन्होंने बीएस येदियुरप्पा को मुख्यमंत्री पद से हटा दिया था। हालांकि, मुरुघा मठ ने खुद को टिप्पणियों से दूर कर लिया और स्पष्ट किया कि वह राजनीतिक मामलों में शामिल नहीं हैं।

पूर्व विधायक अखंड श्रीनिवासमूर्ति भाजपा में हुए शामिल

बीएस येदियुरप्पा ने दिलाई सदस्यता

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य बीएस येदियुरप्पा ने कहा कि शोभा करंदलाजे की 2.5 लाख से 3 लाख वोटों के अंतर से जीत तय है। वह डॉलर्स कॉलोनी स्थित अपने आवास पर पूर्व विधायक अखंड श्रीनिवासमूर्ति के भाजपा में प्रवेश कार्यक्रम में बोल रहे थे। अखंड श्रीनिवासमूर्ति का झंडे के साथ पार्टी में स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान अखंड श्रीनिवासमूर्ति के शामिल होने से पार्टी को बड़ी ताकत मिली है। डीजे हल्ली-केजी हल्ली हिंदू मुस्लिम दंगे में अखंड श्रीनिवासमूर्ति का घर जला दिया गया। तब कांग्रेस ने समर्थन नहीं किया था। लेकिन हम तब श्रीनिवासमूर्ति के साथ मजबूती से खड़े थे।

अखंड श्रीनिवासमूर्ति के समर्थकों के साथ पार्टी में शामिल होने से पार्टी मजबूत होता नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि आप का सभी की ओर से स्वागत है। अखंड श्रीनिवासमूर्ति ने कहा कि धर्म-मजहब के बीच युद्ध चल रहा है। वह धर्म की खातिर भाजपा में शामिल हुए हैं। इस मौके पर उत्तर लोकसभा क्षेत्र की उम्मीदवार शोभा करंदलाजे, प्रदेश महासचिव सुनील कुमार, राज्यसभा सदस्य लहर सिंह, पूर्व मंत्री शंकर पाटिल मुनेनकोप्पा, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष मंजुला, राज्य ओबीसी मोर्चा के उपाध्यक्ष गोविंदराज, पुलकेशी नगर मंडल अध्यक्ष रवि, नेता मुरली, सूर्यकांत राव, जेडीएस नेता मौजूद थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 को राज्य के दौरे पर

अमित शाह 23 व 24 को करेंगे दौरा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा चुनाव प्रबंधन समिति के राज्य समन्वयक और राज्य महासचिव वी. सुनील कुमार ने कहा कि चिक्कबल्लापुर और कोलार लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों की चुनाव प्रचार बैठक, जिसमें प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी भाग लेंगे, 20 अप्रैल को दोपहर में होगी। शहर में मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि करीब 1 लाख लोगों के आने की उम्मीद है। शाम को बेंगलूरु के पैलेस ग्राउंड में एक विशाल जनसभा का आयोजन किया जाएगा। जहां बेंगलूरु दक्षिण, बेंगलूरु सेंट्रल, बेंगलूरु उत्तर निर्वाचन क्षेत्र, बेंगलूरु ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्रों की बैठक होगी।

उन्होंने बताया कि विजय संकल्प सम्मेलन दो पक्षों में होगा और तैयारी का काम चल रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का भी दौरा तय है। वह 23 और 24 तारीख को कर्नाटक में विभिन्न चुनाव प्रचार बैठकों में भाग लेंगे। 23 की सुबह यशवंतपुर में एक रोड शो होगा, उसके बाद यलहंका में एक सार्वजनिक बैठक होगी। शाम को बोम्मनहल्ली विधानसभा क्षेत्र में रोड शो करेंगे। उन्होंने बताया कि बाद में महाद-ेवपुर विधानसभा क्षेत्र में रोड शो होगा। 24 को वह सुबह चिक्कमगलूरु में एक सार्वजनिक बैठक और दोपहर में तुमकुरु में पिछड़ा वर्ग सम्मेलन में भाग लेंगे। शाम को वे हुब्बल्ली में रोड शो में हिस्सा लेंगे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 24 को कर्नाटक में प्रचार सभाओं में हिस्सा लेंगे। उन्होंने बताया कि सुबह आरआर नगर विधानसभा क्षेत्र में एक रोड शो, दोपहर में मदिकेरी में एक सार्वजनिक बैठक और शाम को उडुपी के मालपे में एक सार्वजनिक बैठक होगी।

सिनेमा के लिए द्वारकीश की सेवा अपार: सीएम सिद्धरामैया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि अभिनेता, निर्माता और निर्देशक द्वारकीश के निधन से पूरे कन्नड़वासियों को बहुत दुख हुआ है और इससे मुझे भी दुख हुआ है। उनका निधन कन्नडिगाओं के लिए एक अपूरणीय क्षति है। रवीन्द्र कलाक्षेत्र में उनके अंतिम दर्शन के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि द्वारकीश ने कन्नड़ सिनेमा में बहुत योगदान दिया है। द्वारकीश ने एक अभिनेता, निर्देशक और निर्माता के रूप में फिल्म उद्योग की सेवा की है। इसे भुलाया नहीं जा सकता। सिर्फ एक कॉमेडियन के तौर पर ही नहीं, उन्होंने मुख्य अभिनेता के

तौर पर भी कई फिल्मों में काम किया।

डॉ.राजकुमार और द्वारकीश की जोड़ी अच्छी थी। विष्णुवर्धन के साथ काम कर चुके द्वारकीश ने फिल्म इंडस्ट्री में कई उतार-चढ़ाव देखे। उन्होंने कहा कि चाहे उन्हें कितनी भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा हो, उन्होंने फिल्म उद्योग के विकास में बहुत यो-गदान दिया, वह हमारे गृहनगर मैसूरु से हैं, हुनसूर में पैदा हुए और मैसूरु में पढ़ाई की। उन्हें मैसूरु से अधिक प्रेम था। मैं एक बार बेंगलूरु से हेलीकॉप्टर से मैसूरु पहुंचा था।

हम रेस कोर्स पर उतरे। रास्ते में हमने सिनेमा, राजनीति और सामाजिक मुद्दों समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। उन्हें कन्नड़ की सेवा करने वाले एक दुर्लभ अभिनेता के रूप में सम्मानित किया गया। मृत्यु के बाद नेत्रदान करना सराहनीय है।

शिवकुमार एक भ्रष्ट नेता, उनके प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं: राजीव चंद्रशेखर

बिंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डी के शिवकुमार द्वारा केरल के विकास में राजीव चंद्रशेखर के योगदान पर सवाल उठाने के एक दिन बाद, भाजपा नेता ने बुधवार को पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें जमानत पर बाहर आए भ्रष्ट राज-नेता के प्रमाणपत्र की आवश्यकता नहीं है।

तिरुवनंतपुरम लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस के शशि थरूर के खिलाफ मुकाबला कर रहे चंद्रशेखर ने कहा कि जब से उन्होंने अपना चुनाव अभियान शुरू किया है, उन्होंने कहा है कि अगर वह जीतेंगे तो क्या करेंगे और उस पर अमल करेंगे। अपने खिलाफ

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री शिवकुमार की टिप्पणियों के बारे में, चंद्रशेखर ने कहा कि हर कोई जानता है कि कांग्रेस नेता जमानत पर बाहर और एक भ्रष्ट राजनेता हैं। भाजपा नेता ने कहा मुझे उनके प्रमाणपत्र की आवश्यकता नहीं है। शशि थरूर के पास उनका प्रमाणपत्र हो सकता है। हर कोई जानता है कि शिवकुमार किस तरह के व्यक्ति हैं, उनकी राजनीति और उनकी पृष्ठभूमि क्या है। इसलिए मुझे उनसे कुछ नहीं कहना है। उन्होंने कहा कि वह अगले दो दिनों में दक्षिणी राज्य के लिए विकास और पूंजी निवेश के लिए एक विजन डॉक्यूमेंट जारी करेंगे। एक बार जब मैं यहां से सांसद और मंत्री बन जाऊंगा, तो मैं अगले पांच वर्षों के लिए उस विजन डॉक्यूमेंट को लागू करने के लिए काम करूंगा। इससे पहले शिवकुमार, जो कर्नाटक कांग्रेस के प्रमुख भी हैं, ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में केरल के विकास में चंद्रशेखर के योगदान पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, चुनाव लड़ने से पहले चंद्रशेखर नैतिक रूप से मंत्री पद से इस्तीफा देने के लिए बाध्य हैं। यह कहते हुए कि देश में कोई भाजपा या मोदी लहर नहीं है, शिवकुमार ने कहा कि भारत केंद्र में गठबंधन सरकार बनाएगा।

कोप्पल लोकसभा क्षेत्र के सांसद सांगन्ना कांग्रेस में शामिल

देशभर में केंद्र सरकार के खिलाफ सरकार विरोधी लहर चल रही: सिद्धरामैया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कोप्पल लोकसभा क्षेत्र के सांसद कराडी सांगन्ना बुधवार को बीजेपी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गए। केपीसीसी कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उपमुख्यमंत्री और केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने सांगन्ना का पार्टी में स्वागत किया।

इस बीच, बेलगावी देहात में तीन बार पूर्व विधायक रहे एस.सी. मलागी, पूर्व आईएएस अधिकारी अरकालगुडु पुट्टास्वामी, अंबरीश कराडी, पीएन कृष्ण मूर्ति जिन्होंने राजाजीनगर निर्वाचन क्षेत्र और दशरहल्ली विधानसभा चुनाव लड़ा था, और पत्रकार स्वाति चंद्रशेखर कांग्रेस में शामिल हो गए। इस मौके पर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा मुझे अभी तक समझ नहीं आया कि बीजेपी ने सांगन्ना को टिकट क्यों नहीं दिया। उन्होंने अच्छा काम करके नाम कमाया था और सज्जन व्यक्ति हैं। येदियुरप्पा को अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना है। भाजपा ने विजयेंद्र को स्वीकार नहीं करने वालों को टिकट नहीं दिया हैं। उन्होंने कहा कि दो शक्तिशाली समूह हैं, एक येदियुरप्पा का समूह और दूसरा संतोष का समूह।

पिछली बार 25 सीटें जीतने वाली भाजपा को इस बार हार का डर सता रहा है। इसके लिए कई लोकसभा क्षेत्रों में उम्मीदवार बदले गए हैं। इसके अलावा देशभर में केंद्र सरकार के खिलाफ सरकार विरोधी लहर चल रही है। कांग्रेस पार्टी राज्य में 20 से ज्यादा सीटें जीतेगी।

उन्होंने कहा, राज्य में हमारी पांच गारंटी की लहर मजबूत है। लोगों का कांग्रेस पर भरोसा बढ़ा है। ऐसी भावना है कि वे अपने वचन के अनुसार कार्य करेंगे। देश में झूठ और सच का टकराव चल रहा है। मोदी ने 2014 के लोकसभा चुनाव में किया कोई भी वादा पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा था कि सबके खाते में 15 लाख देंगे, लेकिन पूरा नहीं हुआ। 2 करोड़ नौकरियां पैदा नहीं हुईं, किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई। अच्छा दिन नहीं आया। बेरोजगारी आसमान छू रही है, महँगाई में भारी वृद्धि हुई है। अब तक धार्मिक और भावनात्मक मुद्दों पर बात करके लोगों को गुमराह किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि इस बार उन्हें इसमें सफलता नहीं मिलेगी। हार का एहसास होने पर बीजेपी जानबूझकर 400 सीटें जीतने का दावा कर रही है। वे 200 सीटें भी नहीं जीत पाएंगे, यहां तक कि उनके द्वारा कराए गए आंतरिक सर्वे में भी झटका साफ दिख रहा है। इस बार बीजेपी नहीं जीतेगी, नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री नहीं बनेंगे।

उन्होंने कहा कि पूरे देश में इस तरह का अंडरकरंट है। डीके शिवकुमार ने कहा कि राज्य में बड़ी राजनीतिक लहर शुरू हो गई है। पांच गारंटी लागू होने के बाद लोगों का विश्वास बढ़ा है कि कांग्रेस पार्टी वादे के मुताबिक काम करेगी। उन्होंने कहा कि उन्होंने मंगलवार को केरल की यात्रा की थी, जहां संभावना है कि कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ गठबंधन 20 की 20 सीटें जीतेगा।

बीजेपी में 16 बीजेपी सांसदों के टिकट काटे गए हैं, देश में 100 से ज्यादा सांसदों को दोबारा चुनाव लड़ने के लिए टिकट नहीं दिया गया है। दोबारा नहीं जीत पाने के कारण टिकट काट दिया गया है। बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए को हार का डर है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले भारतीय संघ की एकता से लोगों का विश्वास बढ़ा है। चुनाव के दौरान महंगाई, जाति-धर्म पर प्रहार को लेकर बहस चल रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साफ कर दिया है कि संविधान नहीं बदला जाएगा। लेकिन मौजूदा सांसद ने कहा है कि अगर बीजेपी 400 सीटें जीतेगी तो संविधान बदल देंगे।

▪ अब तक कोई कार्रवाई नहीं

ऐसे सांसदों पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। हमने कर्नाटक और तेलंगाना के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस द्वारा किए गए वादों को पूरी तरह से लागू किया है। जो लोग हमारी गारंटी की आलोचना कर रहे थे, वे अब मोदी की गारंटी का विज्ञापन करने लगे हैं। इस पर चर्चा की जानी चाहिए कि भाजपा ने पूर्व में किये गये वादों को कितना पूरा किया। उन्होंने कहा कि लोगों को बताना होगा कि मोदी की गारंटी कहां तक पहुंची। शिवकुमार ने कहा बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र ने कहा है कि चुनाव के बाद गारंटी जारी नहीं रहेगी। यह स्पष्ट है कि अगर एनडीए सत्ता में आता है, तो वे गारंटी जारी नहीं रखेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि भाजपा नेता कांग्रेस की गारंटी को छू नहीं सकते, राज्य की जनता और कांग्रेस पार्टी इसकी इजाजत नहीं देगी। हमारी पार्टी लोकसभा चुनाव में 20 से ज्यादा सीटें जीतेगी। प्रदेश में हर जगह कांग्रेस की जीत होगी। शिवमोग्गा में पार्टी मतभेद भुलाकर सभी कांग्रेस उम्मीदवार गीता शिवराज कुमार का समर्थन कर रहे हैं। इस बार येदियुरप्पा के बेटे वहां नहीं जीतेंगे।

राहुल गांधी एक योद्धा हैं

भाजपा-जेडीएस नेता कांग्रेस सरकार की गारंटी और उनके प्रभाव से निराश और ईर्ष्यालु हैं। इससे उन्हें गारंटियों के खिलाफ सभी प्रकार के दावे और आधारहीन आलोचनाएं करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दावा किया है कि बीजेपी 140 से ज्यादा सीटें नहीं जीतेगी। राहुल गांधी के पास अधिक जानकारी है क्योंकि वह पूरे देश का दौरा कर रहे हैं और लोगों और नेताओं से मिल रहे हैं। मैं जानता हूं कि इस चुनाव में भाजपा की हार होगी। शिवकुमार ने कहा कि लोग महंगाई, बेरोजगारी और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण बढ़ने से नरेंद्र मोदी सरकार के 10 साल के शासन से नाराज हैं। मोदी और गृह मंत्री अमित शाह सहित भाजपा नेता और अन्य, जो कांग्रेस की गारंटी का उपहास कर रहे थे, कर्नाटक और तेलंगाना में गारंटी की सफलता के बाद पूरी तरह से घबराए हुए और असुरक्षित हो गए हैं। उन्होंने कहा भाजपा नेता 10 साल में कुछ किए बिना अब मोदी की गारंटी के बारे में बात कर रहे हैं। केपीसीसी प्रमुख ने संकेत दिया कि वह राहुल गांधी के साथ जुड़ेंगे और गुरुवार को केरल के वायनाड में उनके लिए प्रचार करेंगे। राहुल गांधी एक योद्धा हैं और किसी से डरते नहीं हैं। वह लोगों के लिए काम करते हैं और लोगों के बीच रहते हैं।

कड़ी सुरक्षा के बीच सीईटी परीक्षा आज से

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए छात्रों के चयन के लिए कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीईटी) 2024 की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। कर्नाटक परीक्षा प्राधिकरण ने गुरुवार से तीन दिवसीय सीईटी परीक्षा के लिए सभी तैयारियां कर ली हैं। परीक्षा कड़ी सुरक्षा के बीच आयोजित की जाएगी। परीक्षा में गड़बड़ी न हो इसके लिए सख्त कार्रवाई की जाएगी। परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों को एडमिट कार्ड के साथ कुछ शर्तें और निर्देश दिए गए हैं। दूसरे पीयूसी परीक्षा परिणाम की घोषणा के एक सप्ताह बाद सीईटी परीक्षा शुरू हो रही है, जो छात्र जीवन का सबसे महत्वपूर्ण चरण माना जाता है। पिछले साल से अब तक एक लाख से अधिक छात्रों ने सीईटी परीक्षा के लिए पंजीकरण कराया है और इस बार रिकॉर्ड संख्या में छात्र परीक्षा देंगे। कर्नाटक परीक्षा प्राधिकरण की जानकारी के अनुसार, 3,81,887 छात्रों ने सीईटी परीक्षा देने के लिए पंजीकरण कराया है। इसमें इंजीनियरिंग और मेडिकल सहित व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश चाहने वाले शामिल हैं। राज्य में 738 परीक्षा केंद्र खोले गए हैं, जिनमें बेंगलूरु में 170 केंद्र शामिल हैं। पंजीकृत छात्रों में से 3,49,637 छात्रों ने परीक्षा शुल्क का भुगतान किया है। 3,18,865 छात्रों ने सीईटी एडमिट कार्ड डाउनलोड किया है। कुल 3.27 लाख छात्र सीईटी देने के लिए पात्र हैं। जीवविज्ञान की परीक्षा गुरुवार सुबह 10.30 से 11.50 बजे तक, गणित की दोपहर 2.30 से 3.50 बजे तक होगी। शुक्रवार को फिजिक्स की परीक्षा सुबह 10.30 से 11.50 बजे तक और केमिस्ट्री की परीक्षा दोपहर 2.30 से 3.50 बजे तक होगी। 20 तारीख को सीमावर्ती छात्रों के लिए बेंगलूरु, मेंगलूरु और बेलगावी में कन्नड भाषा परीक्षा आयोजित की जाएगी। जो उम्मीदवार सीईटी परीक्षा देने जा रहे हैं, उन्हें एडमिट कार्ड के साथ ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट, आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर आईडी कार्ड, सेकेंडरी पीयूसी एडमिट कार्ड ले जाना चाहिए।

परीक्षा हॉल में किसी भी प्रकार की कोई घड़ी नहीं ले जाई जा सकती। परीक्षा केंद्र में किसी भी प्रकार के आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मोबाइल फोन, ब्लूटूथ, स्लाइड रूल्स, कैलकुलेटर, व्हाइटफ्लूइड, वायरलेस सेट, पेपर स्लिप, किताबें आदि ले जाना प्रतिबंधित है। परीक्षा शुरू होने की पहली घंटी बजने से कम से कम दो घंटे पहले उम्मीदवारों को परीक्षा केंद्र परिसर में उपस्थित होना चाहिए। तीसरी घंटी के बाद उम्मीदवारों को परीक्षा हॉल में प्रवेश करने की अनुमति नहीं है। इसमें कहा गया कि नीली या काली स्याही वाले बॉल प्वाइंट पेन का ही प्रयोग किया जाए।

जिला, तालुक अदालतों के वकीलों को

आज से 31 मई तक काला कोट पहनने से छूट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मंगलवार को राज्य भर में असामान्य रूप से भीषण गर्मी को देखते हुए राज्य में जिला और तालुक अदालतों में प्रैक्टिस करने वाले अधिवक्ताओं को 18 अप्रैल से 31 मई तक इन अदालतों में कार्यवाही के दौरान काले कोट पहनने से छूट दे दी। मंगलवार को हुई हाईकोर्ट की फुल कोर्ट मीटिंग में इस संबंध में प्रस्ताव पारित किया गया है। पूर्ण अदालत ने 5 अप्रैल को एडवोकेट्स एसोसिएशन, बेंगलूरु के अध्यक्ष द्वारा प्रस्तुत एक प्रतिनिधित्व पर कार्रवाई करते हुए निर्णय लिया, जिसमें राज्य भर में बढ़ते गर्मी के तापमान के कारण काला कोट पहनने से छूट की मांग की गई थी। जारी अधिसूचना में कहा गया है कि वकील इस अवधि के दौरान नियमित निर्धारित पोशाक के बजाय सादे सफेद-शर्ट / किसी भी सोबर रंग की सफेद-सलवार-कमीज / सादे सफेद गर्दन बैंड के साथ किसी भी सोबर रंग की साड़ी पहन सकते हैं। जबकि बेंगलूरु में उच्च न्यायालय की प्रधान पीठ के सभी कोर्ट हॉल और धारवाड़ और कलबुर्गी में दो बेंचों में एयर कंडीशन की सुविधा है, जिला और टॉक कोर्ट में कोर्ट हॉल में गर्मी से बचने के लिए ऐसी कोई सुविधा नहीं है।

यह दुनिया का सबसे बड़ा घोटाला

चुनावी बांड को सही ठहराते समय पीएम मोदी के हाथ कांप रहे थे: राहुल गांधी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को कर्नाटक में अपने लोकसभा चुनाव 2024 के प्रचार अभियान की शुरुआत चुनावी बांड योजना को लेकर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला जारी रखते हुए इसे 'दुनिया का सबसे बड़ा जबरन वसूली रैकेट और दुनिया का सबसे बड़ा घोटाला करार दिया।

26 अप्रैल को क्षेत्र में मतदान से पहले मांड्या में एक रैली को संबोधित करते हुए, गांधी ने मोदी के हालिया साक्षात्कार का हवाला देते हुए दावा किया कि चुनावी बांड योजना को उचित ठहराते समय प्रधान मंत्री डर गए थे, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक बताते हुए खारिज कर दिया था। चुनावी बांड ने व्यक्तियों और निगमों को गुमनाम रूप से राजनीतिक दलों को धन देने की अनुमति दी। डेढ़ घंटे के साक्षात्कार में, उन्होंने चुनावी बांड के बारे में स्पष्टीकरण जारी करने का प्रयास किया। जब उन्होंने चुनावी बांड के बारे में बात की तो उनके हाथ कांप रहे थे। गांधी ने कहा ऐसा इसलिए है क्योंकि चुनावी बांड योजना दुनिया का सबसे बड़ा घोटाला है। वे मांड्या कांग्रेस उम्मीदवार वेंकटरमणे गौड़ा उर्फ स्टार चंद्रू के लिए प्रचार कर रहे थे। जब योजना शुरू की गई थी, तो पीएम ने दावा किया था कि यह राजनीतिक व्यवस्था को साफ कर देगी। लेकिन, भाजपा सरकार ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा इसे रद्द करने से पहले चुनावी बांड के माध्यम से दानकर्ताओं और प्राप्त दान की संख्या का विवरण छुपाया।

जब डेटा (चुनावी बांड का) सार्वजनिक किया गया, तो इससे पता चला कि एक कंपनी ने सरकारी अनुबंध हासिल करने के बाद, अगले ही दिन चुनावी बांड के माध्यम से (भाजपा को) करोड़ों रुपये दिए। जब केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) या प्रवर्तन विभाग (ईडी) की जांच (एक फर्म के खिलाफ) शुरू की गई थी, तो उन्होंने चुनावी बांड के माध्यम से दान दिया और जांच रोक दी गई। उन्होंने कहा इस तरह की रणनीति के लिए सड़कों पर जबरन वसूली शब्द का इस्तेमाल किया जाता है। सरकार ने कंपनियों को धमकाया है और पैसा हासिल किया है।

वायनाड में भी, गांधी ने चुनावी बांड योजना का बचाव करते हुए पीएम मोदी के साक्षात्कार पर निशाना साधते हुए कहा था कि वह अमीरों का साधन हैं, जो लोगों को चुनावी बांड जैसे वास्तविक मुद्दों से भटका रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सहयोगी जनता दल (सेक्युलर) पर निशाना साधते हुए गांधी ने याद दिलाया कि उन्होंने जद (एस) को भाजपा की बी-टीम कहा था। अब, यह स्पष्ट है कि वे बी-टीम नहीं हैं बल्कि भागीदार हैं जो एक-दूसरे की मदद करते हैं। मांड्या में गौड़ा का मुकाबला जद(एस) के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी से है।

भाजपा ने डीके शिवकुमार पर सत्ता के बेशर्म दुरुपयोग का लगाया आरोप

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र में एक हाउसिंग सोसायटी के निवासियों से वोट मांगने का एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर व्यापक रूप से साझा किए जाने के बाद भाजपा नेता अमित मालवीय ने बुधवार को कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पर सत्ता का बेशर्म दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। वीडियो क्लिप में, शिवकुमार को कथित तौर पर यह कहते हुए सुना गया था कि वह एक व्यावसायिक सौदे के लिए आए थे और यदि हाउसिंग सोसाइटी में 2,510 घर 6,424 वोट उनके उम्मीदवार डीके सुरेश को जाते हैं तो कावेरी नदी के पानी की आपूर्ति और नागरिक सुविधा स्थल की आवश्यकता से संबंधित उनके प्रमुख मुद्दों को उनके द्वारा तीन महीने के भीतर हल किया जाएगा। वीडियो क्लिप साझा करते हुए, भाजपा आईटी विभाग के प्रमुख मालवीय ने राज्य कांग्रेस प्रमुख शिवकुमार पर हमला किया और कहा कि लोग चाहे जिसे भी वोट देना चाहें, एक मंत्री के रूप में लोगों को सुविधाएं प्रदान करना उनकी जिम्मेदारी है। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने सत्ता का खुलेआम दुरुपयोग करते हुए अपने भाई डीके सुरेश के निर्वाचन क्षेत्र में एक बड़ी हाउसिंग सोसायटी के मतदाताओं को बंधक बना लिया है। हर तरह से खतरनाक लगते हुए, वह भद्दे हास्य के साथ धमकी देते हैं कि यदि निवासियों ने उसके भाई को वोट नहीं दिया, तो उन्हें पता चल जाएगा।

ड्यूटी से गायब रहना कनीय अभियंता को पड़ा महंगा

डीएम ने तत्काल प्रभाव से किया निलंबित

पूर्णिया/शुभ लाभ ब्यूरो। किशनगंज में कार्यरत एक कनीय अभियंता को ड्यूटी से गायब रहना महंगा पड़ गया है। दरअसल लोकसभा आम चुनाव अन्तर्गत किशनगंज जिले में दिनांक 26 अप्रैल को मतदान होना है। चुनाव को स्वच्छ, निष्पक्ष और भयमुक्त संपन्न करवाने हेतु जिला प्रशासन द्वारा प्रर्वतन संबंधी कई कार्य किये जा रहे है। इसी क्रम में जिले में विभिन्न स्टैटिक निगरानी दल का गठन किया गया है।

वरीय अधिकारी की जांच के क्रम में पाया गया कि दिघलबैंक मुख्य सड़क पर निर्मित चेक पोस्ट पर द्वितीय पाली में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी वशी रेजा जो नगर पंचायत बहादुरगंज के कनीय अभियंता है वो अनुपस्थित पाये गये है। उनके इस कर्तव्यहीनता एवं निर्वाचन कार्य में घोर ला-परवाही के कारण उन्हें लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 134 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

इसपर डीएम तुषार सिंगला ने बताया कि इसके साथ ही निलंबित अवधि में वशी रेजा का मुख्यालय स्थापना शाखा समहारणालय परिसर निर्धारित किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि निर्वाचन कार्य में किसी भी स्तर पर की गई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लापरवाही बरतने वाले व्यक्ति के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा सांप्रदायिक नहीं

हम हिंदू-मुस्लिम राजनीति नहीं खेलते: येदियुरप्पा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा सांसद कराडी सांगन्ना के भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल होने जैसी घटनाएं आम और स्वाभाविक हैं। उनसे घबराने की जरूरत नहीं है। यह बात पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता बी.एस. येदियुरप्पा ने बुधवार को बेलगावी में कही। उन्होंने कहा मैं बुधवार को कोप्पल में सांगन्ना से मिलने की योजना बना रहा था। लेकिन इससे हमारी संभावनाओं पर किसी भी तरह का असर नहीं पड़ेगा। भाजपा कोई सांप्रदायिक पार्टी नहीं है। हम हिंदू-मुस्लिम बंटवारे की राजनीति नहीं करते। हमारे लिए सब एक हैं। हम सभी लोगों को साथ लेकर चलते हैं। हम सबका वोट मांगेंगे और लेंगे और नई सरकार बनाएंगे। हम कर्नाटक में सभी 28 सीटें जीतेंगे।

उन्होंने कहा कि वह पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में राज्य भर में प्रचार करेंगे।

उत्तर भारत से मिलेगा 400 पार का असली उत्तर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17वीं लोकसभा के अंतिम सत्र में आत्मविश्वास के साथ कहा था, अबकी बार 400 पार। अकेले भाजपा को 370 सीटें मिलेंगी और राजग गठबंधन चार सौ का आंकड़ा पार करेगा। ज्यादातर पर्यवेक्षकों और चुनाव-पूर्व सर्वेक्षणों की राय है कि इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी एकबार फिर से जीतकर आने वाली है। भारतीय राजनीति के गणित को समझना बहुत सरल नहीं है। फिर भी करन थापर और रामचंद्र गुहा जैसे अपेक्षाकृत भाजपा से दूरी रखने वाले टिप्पणीकारों को भी लगता है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार तीसरी बार बन सकती है।

कुछ पर्यवेक्षक इंडी गठबंधन की ओर देख रहे हैं। उन्हें लगता है कि भाजपा जीत भी जाए, पर इंडी गठबंधन के कारण यह जीत उतनी बड़ी नहीं होगी, जैसा कि दावा किया जा रहा है। पर समय के साथ यह गठबंधन हवा होता जा रहा है। पंजाब, पश्चिम बंगाल, असम, केरल और जम्मू-कश्मीर में गठबंधन के सिपाही एक-दूसरे पर तलवारें चला रहे हैं। मोटी राय यह है कि भारतीय जनता पार्टी की विजय में उत्तर के राज्यों की भूमिका सबसे बड़ी होगी। इन 10 राज्यों और दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और चंडीगढ़ के केंद्र-शासित क्षेत्रों में कुल मिलाकर 245 लोकसभा सीटें हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को इनमें से 163 सीटों पर सफलता मिली थी और 29 सीटों पर उसके सहयोगी दल जीतकर आए थे। उत्तर की इस सफलता के बाद गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, असम, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल ऐसे राज्य हैं, जहां से पार्टी को बेहतर परिणाम मिलते हैं।

राजग और इंडी की संरचना में फर्क है। राजग के केंद्र में भाजपा है। यहां शेष दलों की अहमियत अपेक्षाकृत कम है। इंडी के केंद्र में कांग्रेस है, पर उसमें परिधि के दलों का हस्तक्षेप राजग के सहयोगी दलों की तुलना में ज्यादा है। जेडीयू और तृणमूल अब अलग हैं और केरल में वामपंथी अलग। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी का और बिहार में राजद का दबाव कांग्रेस पर रहेगा। हालांकि कांग्रेस ने दोनों राज्यों में क्रमशः 17 और 9 सीटें हासिल कर ली हैं, पर उसकी स्ट्राइक रेट चिंता का विषय है।

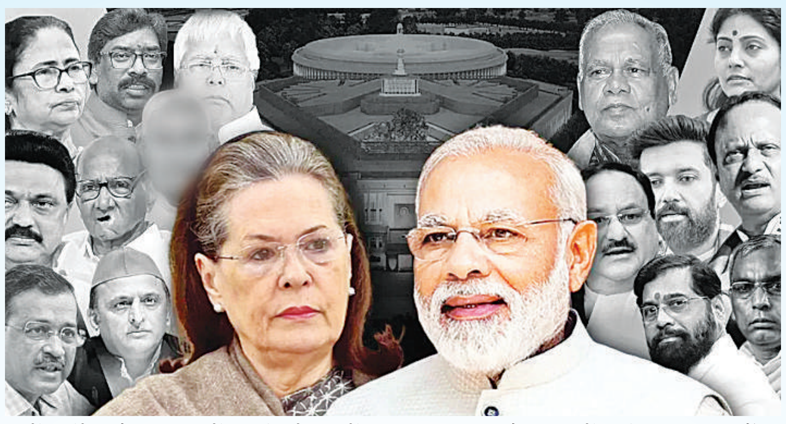

इंडी गठबंधन ने उस गणित को गढ़ने का प्रयास किया है, जिसके सहारे भाजपा के प्रत्याशियों के सामने विरोधी दलों का एक ही प्रत्याशी खड़ा हो। पर अभी तक यह सब हुआ नहीं है। मोटे तौर पर यह वन-टू-वन का गणित है। यानी भाजपा के प्रत्याशियों के सामने विपक्ष का एक प्रत्याशी। हालांकि ऐसा हुआ नहीं है, फिर भी कल्पना करें कि भाजपा को देशभर में 40 फीसदी तक वोट मिलें, तो क्या शेष 60 प्रतिशत वोट भाजपा-विरोधी होंगे?

2019 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में सपा और बसपा गठबंधन इसी गणित के आधार पर हुआ था, जो फेल हो गया। सपा-बसपा गठजोड़ के पहले 2017 के विधानसभा चुनाव में सपा-कांग्रेस गठजोड़ भी विफल रहा था। 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा, रालोद, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा), महान दल और जनवादी पार्टी (समाजवादी) का गठबंधन आंशिक रूप से सफल भी हुआ, पर वह गठजोड़ अब नहीं है। ऐसा कोई सीधा गणित नहीं है कि दलों की दोस्ती हुई, तो वोटरों की भी हो जाएगी।

इंडी गठबंधन ने उत्तर भारत में ओबीसी और दक्षिण में क्षेत्रीय-स्वायत्तता को मुद्दा बनाने का निश्चय किया है। उनका मुख्य नारा है मोदी हटाओ। उनकी बात पर मतदाता यकीन क्यों करें और इस गठबंधन के एक बने रहने की गारंटी क्या है? उधर भाजपा की लाभार्थी अपील काफी भारी है। राम-मंदिर निर्माण, अनुच्छेद 370, समान नागरिक संहिता, ट्रिपल तलाक और महिला आरक्षण जैसे मसलों के साथ गरीबों को मुफ्त अनाज, उज्ज्वला, जनधन, नल से जल वगैरह जनता को लुभाते हैं। पार्टी इनके साथ स्वच्छ भारत और वैश्विक स्तर पर भारत का कद बढ़ने से लेकर चंद्रयान और गगनयान के मुद्दों पर भी चुनाव लड़ रही है। डिजिटल अर्थव्यवस्था, वंदे भारत, बुलेट ट्रेन, राष्ट्रीय सुरक्षा और भारत को दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प वोटर को लुभाएगा या नहीं, यह देखने वाली बात होगी। अब एक नजर अलग-अलग राज्यों पर डालते हैं।

राज्यवार स्थिति

उत्तर प्रदेश: 1977 में जनता पार्टी की जीत में और 2014 में भारतीय जनता पार्टी की विजय में सबसे बड़ी भूमिका उत्तर प्रदेश ने अदा की थी। यहां की 80 सीटों में से 2014 में भाजपा ने 71 सीटें जीती थीं और उसके सहयोगी अपना दल (एस) को दो सीटें मिली थीं। 2019 में भाजपा की सीटों की संख्या 62 रह गई थी, दो सीटें उसके सहयोगी अपना दल (एस) ने जीतीं। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि इस बार हम सभी 80 सीटों पर विजय प्राप्त करेंगे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राज्य की सभी सीटों पर विजय प्राप्त करने का दावा कर रहे हैं। राज्य में उनकी पकड़ बताती है कि उनके दावे में दम है।

2019 के लोकसभा चुनाव में सपा, बसपा व राष्ट्रीय लोक दल का गठबंधन था, पर रालोद इस बार भाजपा के साथ है। बसपा इस चुनाव में अकेले उतर रही है। असदुद्दीन ओवेसी का एआईएमआईएम भी कुछ दूसरे क्षेत्रीय संगठनों के साथ गठबंधन करके मैदान में है। भाजपानीत राजग में राष्ट्रीय लोक दल, अनुप्रिया पटेल की अगुआई वाला अपना दल (सोनेलाल), ओम प्रकाश राजभर की अगुआई वाली सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) और संजय निषाद की पार्टी निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल (निषाद) ऐसी पार्टियां हैं, जिनसे भाजपा का सामाजिक आधार व्यापक हो जाता है। उधर इंडी ब्लॉक में सपा और कांग्रेस के अलावा केशव देव मौर्य का महान दल शामिल है। सपा ने यूपी में कांग्रेस को 17 सीटें दी हैं, बदले में कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में खजुराहो की एक सीट सपा को दी है। उत्तराखंड की पांच सीटों पर समाजवादी पार्टी कांग्रेस को समर्थन दे रही है।

उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजनीति के दो प्रतीक हैं। भाजपा के राजनीतिक वर्चस्व का प्रतीक है वाराणसी, जहां से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार दो बार चुनाव जीत चुके हैं। वहीं कांग्रेस का अभेद्य किला रहा है रायबरेली। 2014 और 2019 के चुनाव में भी कांग्रेस के इस किले को भाजपा भेद नहीं पाई थी। इस बार यह किला भी टूट सकता है। कांग्रेस ने इन पंक्तियों के लिखे जाने तक अमेठी और रायबरेली में अपने प्रत्याशियों की घोषणा नहीं की है। 2019 के चुनाव में रायबरेली से सोनिया गांधी जीती थीं, पर इस बार उन्होंने अपना हाथ खींच लिया और वे राज्यसभा के रास्ते संसद पहुंची हैं। स्मृति ईरानी के हाथों राहुल गांधी की पराजय के बाद से अमेठी को लेकर भी कांग्रेस का अनिश्चय बना हुआ है। उन्होंने केरल के वायनाड से इस बार फिर नामांकन कर दिया है। पिछले चुनाव में अमेठी से राहुल गांधी के मुकाबले सपा और बसपा दोनों ने अपने प्रत्याशी नहीं उतारे थे।

बिहार: उत्तर प्रदेश के बाद उत्तर भारत का दूसरा महत्वपूर्ण राज्य है बिहार, जहां लोकसभा की 40 सीटें हैं। दोनों राज्यों में जातीय और पांथिक-संरचनाएं काम करती हैं। उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव ने अपना

सामाजिक सूत्र पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) बनाया है तो बिहार में तेजस्वी यादव ने बाप (बहुजन अगड़ा, आधी आबादी और पुअर)। पर मूलत: दोनों ही राज्यों का एक ही फॉर्मूला है एम-वाई यानी मुस्लिम और यादव। बिहार में राजद की नजर 13 ऐसे लोकसभा क्षेत्रों पर है जहां मुस्लिम आबादी 12 से 65 प्रतिशत तक है। इसके अलावा यादव बहुल क्षेत्रों पर भी पार्टी की नजर है।

2015 के बिहार विधानसभा चुनाव के बाद यहां से ही महागठबंधन की परिकल्पना बाहर निकली थी, जो आज इंडी ब्लॉक के रूप में सामने है। इस गठबंधन के प्रेरक नीतीश कुमार के राजग में वापस आ जाने के बाद इंडी गठबंधन के तेवरों में कमी है। राजग ने रामविलास पासवान के बेटे चिराग पासवान को फिर से अपने साथ जोड़कर गठबंधन को मजबूत कर लिया है। 2019 के चुनाव में राजग ने 40 में से 39 सीटों पर जीत हासिल की थी और इस बार उस सफलता को दोहराने का दावा किया जा रहा है। महागठबंधन के सीट बंटवारे में राजद ने अपने पास 26 सीटें रखी हैं, जिनमें से उसने तीन सीटें विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) को दी हैं। 23 सीटों पर राजद खुद मैदान में है। शेष बची 14 सीटें महागठबंधन के अन्य सहयोगियों को दी गई हैं। कांग्रेस 9, सीपीआईएमएल 3, सीपीआईएम 1। सामाजिक समीकरणों की दृष्टि से देखें, तो राजद ने अपने पास जो सीटें रखी हैं, उनमें मुसलमान और यादव बहुल आबादी है। इनमें किशनगंज के अलावा कटिहार, अररिया, पूर्णिया, मधुबनी, दरभंगा, सीतामढ़ी, पश्चिमी चंपारण, सिवान, शिवहर, खगड़िया, सुपौल, भागलपुर, मधेपुरा, औरंगाबाद और गया शामिल हैं। किशनगंज क्षेत्र में सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी है, करीब 67 प्रतिशत, पर बंटवारे में यह सीट कांग्रेस को मिली है। राजग में भाजपा 17 सीटों पर, जेडीयू 16 सीटों, चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी 5 सीटों पर, जीतन राम मांझी की हम और उपेंद्र कुशवाहा का राष्ट्रीय लोकमोर्चा एक-एक सीट पर चुनाव लड़ रहे हैं।

मध्य प्रदेश: उत्तर भारत का तीसरा सबसे महत्वपूर्ण

राज्य है मध्य प्रदेश, जहां लोकसभा की 29 सीटें हैं। यहां आमतौर पर भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधे मुकाबले की परंपरा रही है। गठबंधन के तहत इस बार कांग्रेस ने खजुराहो सीट सपा को दी थी, लेकिन उसकी प्रत्याशी मीरा दीप नारायण यादव का नामांकन रद्द हो गया है। भाजपा सभी 29 सीटों पर और कांग्रेस 28 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को विदिशा से टिकट दिया है और कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को राजगढ़ से। गुना से ज्योतिरादित्य सिंधिया चुनाव मैदान में हैं। इस सीट पर खासतौर से निगाहें रहेंगी, क्योंकि कांग्रेस पार्टी इसे प्रतिष्ठा की लड़ाई मानकर चल रही है।

राजस्थान: राजस्थान में भी प्राय: सीधे मुकाबले होते हैं। इस राज्य में पिछले दस साल से कांग्रेस का खाता भी नहीं खुल पाया है। इस बार के चुनाव में कांग्रेस ने अपने गठबंधन सहयोगियों के लिए दो सीटें छोड़ी हैं। भाजपा ने सभी 25 सीटों पर प्रत्याशी उतारे हैं। बाड़मेर सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला है। भाजपा लगातार तीसरी बार चुनाव में पिछला प्रदर्शन दोहराना चाहती है, जबकि कांग्रेस कम से कम 2009 वाला प्रदर्शन दोहराना चाहेगी।

छत्तीसगढ़: विधानसभा चुनाव के बाद छत्तीसगढ़ की 11 लोकसभा सीटों पर भाजपा और कांग्रेस में सीधी टक्कर है। ढाई दशक पहले गठित इस राज्य के

लोकसभा-चुनावों में आमतौर पर भाजपा का पलड़ा भारी रहता है। राज्य के गठन के बाद 2004 में हुए आम चुनाव से लेकर 2014 तीन चुनावों में राज्य की 11 में से 10 सीटों पर भाजपा जीती। 2019 में कांग्रेस ने अपना प्रदर्शन सुधारा और दो सीटें जीत लीं। कुछ महीने पहले प्रदेश की सत्ता में भाजपा की वापसी हुई है। पार्टी का प्रयास है कि सभी 11 सीटें जीतकर इतिहास बनाया जाए। कांग्रेस ने राजनांदगांव से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को टिकट देकर मुकाबले को रोचक बना दिया है। यहां उनका सीधा मुकाबला भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडेय से है।

झारखंड: छत्तीसगढ़ की तरह झारखंड भी भारतीय जनता पार्टी के लिए अपनी संख्या बढ़ाने का मौका लेकर आ रहा है। पार्टी का दावा है कि हम झारखंड की

सभी 14 लोकसभा सीटें जीतेंगे। साल के अंत में राज्य विधानसभा के चुनाव भी हैं, इस लिहाज से लोकसभा चुनाव उसकी पृष्ठभूमि भी तैयार करेंगे। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक भाजपा से सामने खड़े इंडी गठबंधन के घटक दलों के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर असहमतियां चल रही हैं। वामपंथी दलों ने चार सीटों से अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है।

पंजाब: पंजाब में गठबंधन राजनीति ध्वस्त है। ज्यादातर महत्वपूर्ण दल अलग होकर चुनाव में उतरे हैं। राज्य में आम आदमी पार्टी की सरकार है। वह इंडी गठबंधन का हिस्सा है, लेकिन पंजाब

में बात नहीं बनी। भाजपा और शिरोमणि अकाली दल के बीच भी गठबंधन नहीं हो पाया। कुछ चुनाव-पूर्व सर्वेक्षण भाजपा को चार से छह सीटें दे रहे हैं। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस की आपसी लड़ाई में भी सीटें बिखरेंगी। पंजाब की राजनीति तीन प्रमुख क्षेत्रों माझा, दोआबा और मालवा में बंटी है। माझा क्षेत्र, रावी और ब्यास नदियों के बीच में पड़ता है। दोआबा, ब्यास नदी से शुरू होकर सतलुज तक जाता है। सतलुज से परे का क्षेत्र मालवा कहलाता है। माझा क्षेत्र की तीन सीटों- गुरदासपुर, अमृतसर और खडूर साहिब में भाजपा की संभावनाएं बेहतर हैं। गुरदासपुर में इस बार सनी देओल के स्थान पर भाजपा ने दिनेश सिंह बब्बू को टिकट दिया है। अमृतसर में भी भाजपा की संभावनाएं हैं। दोआबा क्षेत्र की तीन सीटें हैं जालंधर, होशियारपुर और आनंदपुर साहिब। होशियारपुर सीट भाजपा को मिल सकती है। मालवा की सात सीटें हैं लुधियाना, फतेहगढ़ साहिब, फरीदकोट, फिरोजपुर, बठिंडा, संगरूर और पटियाला। इस इलाके में आम आदमी पार्टी का प्रभाव है। कांग्रेस के रवनीत सिंह बिट्टू लुधियाना से दो बार सांसद रहे हैं। वे इस बार भाजपा में हैं।

हरियाणा: हाल में हुए एक सर्वे के अनुसार हरियाणा में भाजपा को एक बार फिर से भारी विजय मिलने की संभावना है। राज्य की 10 सीटों में से भाजपा 9 से 10 सीटें जीत सकती है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के इंडी गठबंधन को ज्यादा से ज्यादा एक सीट मिल सकती है। वहीं हाल ही में भाजपा

से अलग हुई जननायक जनता पार्टी और इंडियन नेशनल लोकदल का इन लोकसभा चुनाव में खाता भी खुलता नजर नहीं आ रहा है।

दिल्ली: कुछ रोचक मुकाबले राजधानी दिल्ली में होंगे, जहां आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन हो गया है। दिल्ली की सात सीटों में से चार पर आआपा और तीन पर कांग्रेस चुनाव लड़ रही है। भारतीय जनता पार्टी ने केवल एक को छोड़कर सभी सीटों पर अपने प्रत्याशी बदल दिए हैं। भारतीय जनता पार्टी के लिए ये चुनाव केवल लोकसभा की सात सीटों के लिहाज से ही महत्वपूर्ण नहीं हैं, बल्कि 2025 के विधानसभा चुनावों के लिहाज से भी महत्वपूर्ण हैं। यदि 2025 में दिल्ली से आआपा सरकार की विदाई हो सकी, तो

अनेक समस्याओं का समाधान होगा। इस लिहाज से इसबार के परिणाम बेहद रोचक होंगे।

पर्वतीय राज्य: हालांकि पिछले साल हुए हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को सफलता मिली, पर संगठनात्मक दृष्टि से पार्टी की हालत खराब है। अपनी संगठन क्षमता के आधार पर भाजपा उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश की नौ में से सभी को या ज्यादा से ज्यादा सीटों को जीत सकती है। इंडी-गठबंधन के नाम पर दोनों राज्यों में सिर्फ कांग्रेस है। उत्तराखंड के तराई में बहुजन समाज पार्टी का भी प्रभाव है, पर वह इस समय सबसे अलग है। इसका लाभ भाजपा को मिलेगा। समाजवादी पार्टी ने उत्तराखंड में कांग्रेस को समर्थन करने का फैसला किया है, पर उसका असर ही कितना है?

जम्मू-कश्मीर: जिस तरह से बिहार ने विरोधी दलों को महागठबंधन की परिकल्पना दी, उसी तरह जम्मू-कश्मीर ने 2020 में गुपकार गठबंधन का विचार दिया। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद सारे विरोधी दल एक मंच पर आ गए हैं। पिछले साल विपक्षी (इंडी) गठबंधन की स्थापना के समय भी ऐसा ही लगा, जब पीपीपी की महबूबा मुफ्ती और नेशनल कांफ्रेंस के फारुख अब्दुल्ला एक मंच पर आ गए। पर अब जब चुनाव लड़ने का मौका आया तो यह गठबंधन बिखर गया है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख अब दो केंद्र शासित क्षेत्र हैं, पर लोकसभा की सीटों की संरचना में ज्यादा बदलाव नहीं है। पांच सीटें जम्मू-कश्मीर में और एक लद्दाख में है। राज्य की राजनीति में नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी के अलावा जम्मू कश्मीर नेशनल पैंथर्स पार्टी जैसे क्षेत्रीय दलों का अच्छा खासा प्रभाव रहा है।

इस बार जम्मू कश्मीर की अनंतनाग-राजौरी लोकसभा सीट पर पीडीपी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती, डेमोक्रेटिक आजाद प्रोग्रेसिव पार्टी (डीपीएपी) के प्रमुख गुलाम नबी आजाद के खिलाफ चुनाव लड़ेंगी। यहां से नेशनल कॉन्फ्रेंस ने भी अपना प्रत्याशी उतारा है। चुनाव में कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस का गठजोड़ हो गया है। अनंतनाग, बारामूला और श्रीनगर की तीन सीटों पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रत्याशी चुनाव लड़ेंगे और ऊधमपुर, जम्मू और लद्दाख की सीट पर कांग्रेस के उम्मीदवार होंगे।

क्या बताते हैं सर्वेक्षण

हाल ही में विभिन्न मीडिया संस्थानों द्वारा देश के अलग-अलग स्थानों पर किए गए विस्तृत सर्वेक्षण भाजपा और राजग के लिए भारी जनादेश की मुनादी कर रहे हैं। भले ही सर्वेक्षणों में सीटों के आंकड़ों में थोड़े-बहुत का अंतर हो, लेकिन सभी के अनुमान 335 से 398 के बीच ही हैं, जो भाजपा के 400 पारके लक्ष्य के काफी निकट हैं।

टाइम्स नाऊ-नवभारत-ईजीटी द्वारा अप्रैल में जारी चुनाव पूर्व सर्वेक्षण में भाजपा के नेतृत्व वाले राजग को 384 सीटें मिलने की संभावना जताई गई है। इसमें भाजपा सिर्फ भाजपा को 328-359 सीटें मिलने की बात कही गई है। कांग्रेस को मात्र 27-47 सीटें, जबकि इंडी गठबंधन के 118 सीटों से ही संतोष करना पड़ेगा। सर्वेक्षण में 41 सीटों को अन्य दलों के खाते में दिखाया गया है।

इससे पहले टाइम्स नाउ-नवभारत-ईजीटी ने मार्च 2024 के सर्वेक्षण में दावा किया था कि राजग को 358-398 सीटें मिल सकती हैं। इसके अनुसार, इंडी गठबंधन को 110-130, आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी को 21-22, ओडिशा में बीजद को 10-11, जबकि अन्य को 10-15 सीटें मिलने की संभावना जताई गई थी। इसी ने पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के बाद दिसंबर 2023 में जारी सर्वेक्षण में राजग को 323, इंडी गठबंधन को 163 और अन्य को 57 सीटें मिलने का अनुमान लगाया था। साथ ही कहा गया था कि राजग को 44 प्रतिशत, इंडी गठबंधन को 39 प्रतिशत और अन्य को 17 प्रतिशत वोट मिल सकता है।

इंडिया टीवी-सीएनएक्स द्वारा मार्च 2024 में जारी चुनाव पूर्व सर्वेक्षण में भी राजग को 400 से थोड़ी कम सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है। इसमें कहा गया कि राजग को 378 सीटें मिल सकती हैं। अकेले भाजपा को 335 सीटें मिलने का अनुमान है। वहीं, कांग्रेस नीत इंडी गठबंधन महज 98 सीटों पर सिमट सकता है। इसमें तृणमूल कांग्रेस को शामिल नहीं किया गया है।

इंडिया टुडे-सी-वोटर ने भी एक सर्वेक्षण किया था, जिसे मूड आफ द नेशन नाम दिया था। डेढ़ माह तक चल इस सर्वेक्षण में देशभर के डेढ़ लाख लोगों को शामिल किया गया था, जबकि 35,000 लोगों से सीधी बात की गई थी। फरवरी 2024 में जारी सर्वेक्षण के अनुसार, राजग को 335 सीटें, इंडी गठबंधन को 166 और अन्य को 42 सीटें मिलने की संभावना जताई गई थी। अकेले भाजपा को 304, कांग्रेस को 71 और अन्य को 168 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया था।

पूर्वोत्तर में परचम लहराने को तैयार है भाजपा

पूर्वोत्तर भारत लोकसभा चुनावों में निर्णायक मुकाबले के लिए तैयार है। 19 अप्रैल को पहले चरण में मतदाता लोकसभा के साथ अरुणाचल प्रदेश व सिक्किम में विधानसभा चुनाव के लिए भी मत डालेंगे। इस चुनावी लड़ाई में सबसे आगे भाजपा के नेतृत्व वाला राजग है, जिसकी पूर्वोत्तर शाखा, उत्तर पूर्व लोकतांत्रिक गठबंधन (एनईडीए) पांच साल पहले पिछले आम चुनाव में अपनी सफलता को दोहराते हुए सीटों का महत्वपूर्ण हिस्सा हासिल करने के लिए तैयार है।

पूर्वोत्तर में आठ सीमावर्ती राज्य हैं, अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा। इस क्षेत्र में लोकसभा की कुल 25 सीटें हैं। 2019 के आम चुनाव में राजग ने पूर्वोत्तर में 18 सीटों पर जीत हासिल की, जबकि भाजपा ने असम, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा और मणिपुर जैसे राज्यों से अकेले 14 सीटें हासिल की थीं। उत्तर-पूर्व लोकतांत्रिक गठबंधन के संयोजक और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने राजग की संभावनाओं पर भरोसा जताया है और पूरे क्षेत्र में 22 सीटों पर जीत की भविष्यवाणी की है।

विशेष रूप से उन्होंने दावा किया कि राजग मणिपुर में दोनों संसदीय सीटों को सुरक्षित करने के लिए तैयार है। पूर्वोत्तर में सर्वाधिक आबादी वाला असम 14 संसदीय सीटों के साथ महत्वपूर्ण प्रभाव रखता है। 2019 में भाजपा ने 9 सीटें जीती थीं। इस बार पार्टी ने 11 प्रत्याशी उतारे हैं, जबकि सहयोगी असम गण परिषद (एजीपी) और यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) शेष तीन पर चुनाव लड़ रही हैं। परिसीमन के बाद असम में राजग के मजबूत होने का अनुमान है। मुख्यमंत्री सरमा का दावा है कि राजग कम से कम 12 सीटें जीतेगा। असम के अलावा, इस क्षेत्र के अन्य राज्य भी महत्वपूर्ण है। 2019 में भाजपा ने अरुणाचल में दो सीटें जीती थीं। मेघालय, त्रिपुरा और मणिपुर में दो-दो सीटें हैं, जबकि नागालैंड, मिजोरम और सिक्किम में एक-एक सीट है।

भाजपा ने एक दशक में जो विकास किए हैं, उस पर वोट मांग रही है। भाजपा असम में सेमीकंडक्टर उद्योग से लेकर अरुणाचल में मजबूत सीमा विकास पहल को बढ़ावा देने और मणिपुर में सबसे ऊंचा पियर रेल पुल बनाने तक, क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य को मजबूत करने के उद्देश्य से परिवर्तनकारी परियोजनाओं की एक शृंखला पेश करती है। इसके विपरीत, विपक्षी बंटा हुआ और कमजोर दिखाई देता है। विशेष रूप से असम में, जहां कांग्रेस के नेतृत्व वाला संयुक्त विपक्षी मंच असम (यूओएफए) सीट आवंटन को लेकर आंतरिक कलह से जूझ रहा है। विपक्ष की अव्यवस्था को और बढ़ाते हुए आआपा ने डिब्रूगढ़ और शाणितपुर जैसे महत्वपूर्ण सीटों और माकपा ने बरपेटा में उम्मीदवार उतारे हैं। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित पार्टी के प्रमुख नेता असम और अरुणाचल प्रदेश में व्यापक अभियान के माध्यम से समर्थन जुटाने के लिए पूरे क्षेत्र में घूम रहे हैं। नागरिकता संशोधन अधिनियम और चुनावी बॉन्ड जैसे मुद्दे उठाने के विपक्ष के प्रयासों के बावजूद इन कारकों से आगामी चुनावों में मतदाताओं के महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित होने की संभावना नहीं है। असम में नगांव और करीमगंज में मुख्य रूप से मुस्लिम मतदाताओं को देखते हुए भाजपा कठिन मुकाबले के लिए तैयार है। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट के बदरुद्दीन अजमल मुस्लिम बहुल धुबरी से चुनाव लड़ रहे हैं। हालांकि, कांग्रेस हाल के वर्षों में पूर्वोत्तर के किसी भी विधानसभा चुनाव में जीत नहीं पाई है। वहीं, भाजपा और उसके सहयोगियों की आठ में से छह राज्यों में पकड़ मजबूत है। खासकर, पहाड़ी राज्यों में जहां मतदाता शासन में निरंतरता के पक्ष में होते हैं।

मेघालय में सत्तारूढ़ नेशनल पीपुल्स पार्टी का दबदबा है, इनर लाइन पॉलिसी, सीएए के कार्यान्वयन और असम के साथ सीमा विवाद पर चिंताएं चर्चा में हैं। वह विपक्ष के भीतर दरार और क्षेत्रीय खिलाड़ियों के उभरने के बीच दोनों सीटों पर जीत की उम्मीद कर रही है। इसी तरह, नागालैंड और मिजोरम में म्यांमार के साथ फ्री मूवमेंट रिजीम की समाप्ति और लंबे समय से चले आ रहे नागा राजनीतिक मुद्दे को प्राथमिकता दी जाती है।

नागालैंड सरकार में भाजपा की भागीदारी व नागा शांति वार्ता में प्रगति राजग को इन जटिल मुद्दों को संबोधित करने में रणनीतिक लाभ प्रदान करती है। इस बीच, मिजोरम में सत्तारूढ़ जोरम पीपुल्स मूवमेंट एकमात्र संसदीय सीट को सुरक्षित करने के लिए तैयार है। हालांकि यह राजग का भागीदार नहीं है, लेकिन उसने केंद्र की सत्ता में भाग लेने के लिए समर्थन देने की बात कही है। सिक्किम में सत्तारूढ़ सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा के साथ भाजपा के गठबंधन के विघटन ने एक प्रतिस्पर्धी चुनावी लड़ाई के लिए मंच तैयार किया है, जिसमें दोनों दल एकमात्र संसदीय सीट के लिए होड़ कर रहे हैं।

सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा की संभावित जीत इसे राज्य के कल्याण के लिए अनुकूल किसी भी केंद्र सरकार का समर्थन करने के जोराम पीपुल्स मूवमेंट के रुख के साथ जोड़ सकती है। मणिपुर में भाजपा इनर मणिपुर सीट पर आशावादी बनी हुई है, जबकि इसका राजग सहयोगी, नागा पीपुल्स फ्रंट, बाहरी मणिपुर में, विशेष रूप से पहाड़ी जिलों में प्रभाव रखता है।

सूर्य की किरणों ने किया श्रीरामलला का महामस्तकाभिषेक

अयोध्या, 17 अप्रैल (एजेंसियां)।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली राम रामनवमी पर दिव्य-भव्य मंदिर में ऊपरी तल से भूतल तक दर्पण दर्पण घूमती टहलती दृश्यमान देवता दिवाकर की प्रतिनिधि किरणें आज मध्य दिवस में जैसे ही रामलला के ललाट पर सुशोभित हुईं, टकटकी लगाए हजारों हजार आंखें खुशी से छलछला उठीं। रोम रोम पुलकित हो उठा। मंदिर में उपस्थित श्रद्धालुओं की अपरंपार भीड़ इस अद्भुत, अलौकिक और अविस्मरणीय पल को सहेजने में लगी थी। यही हाल बड़ी बड़ी एलईडी स्क्रीन और अपने घरों में टीवी के सामने बैठे लोगों का भी था। आज श्रीराम नवमी पर केवल जन्मभूमि मंदिर ही नहीं अपितु पूरी अयोध्या को बहुत ही सुरुचिपूर्ण ढंग से सजाया गया। ऐसा हो भी क्यों नहीं, आखिर पांच सौ वर्षों के संघर्ष के बाद श्रीराम लला के अपने मूल स्थान पर विराजमान होने के बाद यह पहला जन्मोत्सव है। पहले तय हुआ था कि मंदिर की पूर्णता के उपरांत सूर्य किरणों से महामस्तकाभिषेक की व्यवस्था की जाय, किंतु साधु-संतों का तर्क था कि जब श्रीराम लला विधि-विधान पूर्वक प्रतिष्ठित हो गये हैं तो सब कुछ विधिवत होना चाहिए। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की हरी झंडी मिलने के बाद रुड़की के सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च संस्थान का वैज्ञानिक दल सूर्य तिलक को मूर्त रूप देने में जुट गया।

यह बहुत आसान नहीं था क्योंकि पृथ्वी की गति के हिसाब से सूरज की दिशा और कोण को समन्वित करके किरणों को उपकरणों के माध्यम से ऊपरी तल से राम लला के ललाट तक पहुंचाना था। अंततो-गत्वा वैज्ञानिक सफल हुए और पूर्व निर्धारित समय पर 75 मिलीमीटर टीके के रूप में सूर्य किरणें राम लला के ललाट तक पहुंची। इस दृश्य को देखकर श्रद्धालु बच्चों की तरह किलक उठे। बाल, वृद्ध, नारी सब एक ही भाव में थे। वैसे आज प्रातः मंगला आरती से ही अयोध्या में उत्सव का वातावरण था। मंगलवार से ही श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महामंत्री चम्पत राय समेत मंदिर व्यवस्था से जुड़े पदाधिकारी सारे काम की निगरानी कर रहे थे।

रामनवमी के अवसर पर राम लला को मंगल स्नान कराकर विशेष रूप से तैयार किए गए नये उत्सव वस्त्र धारण कराए गए। श्रद्धालुओं की भीड़ के दृष्टिगत खास इंतजाम किए गए थे। निर्धारित समय पर जन्म मुहूर्त में सूर्य किरणों से महामस्तकाभिषेक होते ही श्रद्धालु आह्लादित हो उठे। जयकारों के बीच आरती संपन्न हुई। बाहर आते लोगों को विशेष रूप से तैयार कराया गया धनिया की पंजीरी समेत अन्य प्रसाद बांटा गया। श्रीराम लला को भी छप्पन भोग लगाया गया। इन पकवानों को कारसेवकपुरम में ही शुद्धता के साथ तैयार कराया गया था। प्रसाद पाने के लिए श्रद्धालुओं में होड़ मची रही। बेहतरीन व्यवस्था के बीच सब कुछ कुशलतापूर्वक संपन्न हुआ, क्योंकि मंदिर परिसर ही नहीं आज तो पूरा अयोध्या धाम भीड़ से भरा था। जगह जगह लगी एलईडी स्क्रीन पर भी बड़ी संख्या में लोगों ने सूर्य किरणों से महामस्तकाभिषेक समेत जन्मोत्सव का सीधा प्रसारण देखा।

रामनवमी पर भगवान की भक्ति में लीन श्रद्धालु अपने आराध्य देव के जन्मोत्सव की प्रतीक्षा में पलक पावड़े बिछाए रहे। कनक भवन व श्रीराम जन्मभूमि परिसर स्थित मंदिर सहित कई मठ मंदिरों में घंटा-घड़ियाल बजने लगा और जैसे ही भगवान का जन्म हुआ तो चारों तरफ केवल भये प्रगट कृपाला, दीनदयाला कौशल्या हितकारी, हरषित महतारी, तनमुनहारी अद्भुत रूप बिचारी की ध्वनि से पूरी अयोध्या गुंजायमान हो उठी। जन्मोत्सव के साथ ही जगह-जगह सोहर व बधाई गीत बजने शुरू हो गए, श्रद्धालु भी ढोल-नगाड़ों की थाप पर झूमते नजर आए। रामनवमी पर्व पर दूर-दराज से आए लाखों श्रद्धालुओं ने सबसे पहले पतित पावनी मां सरयू में स्नान किया और फिर अपने आराध्य देव भगवान राम के जन्मोत्सव की छटा देखने के लिए कनक भवन, श्रीराम जन्मभूमि परिसर सहित तमाम मठ-मंदिरों की चल पड़े। पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए जिला व पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंजताम किए गए। श्रद्धालुओं के अलावा साधु संत भी भगवान राम की भक्ति में लीन दिखे। अयोध्या के प्रमुख मठ-मंदिरों अशर्फी भवन, श्री राम बल्लभा कुंज, दशरथ महल और लक्षमण किला में भी धूमधाम से जन्मोत्सव मनाया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

प्रभु श्री राम के सूर्य तिलक के साक्षी बने बाबा विश्वनाथ

काशी विश्वनाथ मंदिर में हुआ राम लला के सूर्य तिलक का सजीव प्रसारण

वाराणसी, 17 अप्रैल (एजेंसियां)।

बाबा विश्वनाथ भी प्रभु श्री राम के सूर्य तिलक के साक्षी बने। श्री रामनवमी पर राम लला के सूर्य तिलक का सजीव प्रसारण श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में भी किया गया। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास ने अयोध्या से हुए सूर्य तिलक का विश्वनाथ धाम में सजीव प्रसारण कर भक्तों को अविस्मरणीय, अकल्पनीय और अद्भुत पल का साक्षी बनने का अवसर प्रदान किया। इस अवसर पर श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में सुंदर कांड का भी आयोजन हुआ। रामनगरी से प्रभु राम के इस अद्भुत क्षण को देखने के लिए श्री विशेश्वर के धाम में सुबह से ही श्रद्धालु जुटे रहे। धाम प्रांगण में ही भजन संध्या आयोजित कर उत्साहपूर्वक समारोह का आयोजन किया गया ।

शिव की नगरी काशी श्री रामनवमी के उत्सव पर रामलला की नगरी अयोध्या से अध्यात्म के तरंगों से जुड़ी रही। श्री काशी विश्वनाथ धाम के आंगन में रामलला के सूर्य तिलक का श्री राम मंदिर से सजीव प्रसारण किया गया। 500 साल बाद इस ख़ास और अद्भुत पल का साक्षी बनने के लिए भक्तों का हुजूम उमड़ा था। खुद बाबा भी इस पल के साक्षी बने। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि श्री काशी विश्वनाथ धाम में सज्जित श्री राम विग्रह के समक्ष सुंदर काण्ड पाठ का भव्य आयोजन हुआ। इसके बाद दोपहर 12 बजे से धाम में श्री राम के सूर्य तिलक का अयोध्या धाम से सजीव प्रसारण गेट नंबर 4 के बाहर, मंदिर चौक, मंदिर परिसर में बड़े एलईडी स्क्रीन पर किया गया।

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्श आज भी प्रासंगिक : सीएम योगी

गोरखपुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्श हजारों वर्षों बाद आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने त्रेतायुग में थे। श्रीराम धर्म के साक्षात प्रतीक हैं। मर्यादा के आदर्श हैं। परमात्मा स्वरूप परमपुरुष हैं। हर क्षेत्र में उनके द्वारा स्थापित आदर्श हम सभी को पारिवारिक, सामाजिक और राष्ट्रीय कर्तव्यों के निर्वहन की प्रेरणा देते हैं।

गोरखनाथ मंदिर में बुधवार को कन्या पूजन के बाद प्रदेशवासियों को वासंतिक नवरात्र व श्रीरामनवमी की शुभकामनाएं देते हुए सीएम योगी ने कहा कि वासंतिक नवरात्र में शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नवमी की तिथि तक आदिशक्ति मां भगवती के अलग अलग स्वरूपों का अनुष्ठान आज नवदुर्गा स्वरूपा कुंवारी कन्याओं के पूजन के साथ संपन्न हुआ है। नवरात्र प्रकृति और परमात्मा से जुड़ाव की अद्भुत परंपरा है। उन्होंने आदिशक्ति मां भगवती से चराचर जगत के कल्याण की कामना की।

सीएम योगी ने कहा कि वासंतिक नवरात्र की महत्वपूर्ण नवमी तिथि समाज को मर्यादा के मार्ग पर ले जाने वाले व मानवीय जीवन मूल्यों का उच्च आदर्श प्रस्तुत करने वाले प्रभु श्रीराम के जन्मदिन की भी तिथि होती है। हजारों वर्षों पूर्व अयोध्या के महाराजा दशरथ के पुत्र के रूप में सृष्टि के पालक भगवान विष्णु ने धर्म, सत्य और न्याय की स्थापना के लिए अवतार लिया था। आज भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव देश दुनिया में सनातन धर्मावलंबियों द्वारा हर्षोल्लास से मनाया जा रहा है। भगवान श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में इस बार श्रीरामनवमी बेहद उमंग और आस्था के साथ मनाई जा रही है। 500 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद श्रीरामलला अपने भव्य मंदिर में विराजमान हुए हैं और इसका अलग ही उल्लास आज वहां के श्रीरामजन्मोत्सव में देखने को मिल रहा है। सीएम योगी ने कहा कि प्रभु श्रीराम के आदर्शों का अनुसरण कर हम सभी समाज और देश के प्रति कर्तव्यों का निर्वहन करें, यही भगवान के प्रति सच्ची श्रद्धा का प्रतीक होगा।

कन्या पूजन अनुष्ठान और श्रीरामजन्मोत्सव मनाने के पूर्व बुधवार सुबह मुख्यमंत्री एवं गोर-क्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में विधि विधान से मां दुर्गा के नौवें स्वरूप मां सिद्धिदात्री की आराधना की। पूजा अर्चना के बाद उन्होंने वासंतिक नवरात्र की नवमी तिथि का हवन अनुष्ठान किया।

सीएम योगी ने गोरखनाथ मंदिर में मनाया श्रीराम जन्मोत्सव

गोरखपुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने बुधवार दोपहर श्रीरामनवमी के महापर्व पर विधि विधान से भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव मनाया। इस अवसर पर मंदिर परिसर प्रभु श्रीराम के भजनों से गुंजायमान रहा। वासंतिक नवरात्र की नवमी तिथि पर गोरखनाथ मंदिर में कन्या पूजन का अनुष्ठान पूर्ण करने के बाद मुख्यमंत्री मंदिर परिसर स्थित रामदरबार पहुंचे। दोपहर के 12 बजते ही उन्होंने पालने में विराजमान प्रभु श्रीराम के बाल स्वरूप के विग्रह की वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा अर्चना की। प्रभु विग्रह को तिलक लगाने और माल्यार्पण करने के बाद आरती उतारी। पूजन का अनुष्ठान पूर्ण करने के साथ सीएम योगी ने बाल स्वरूप भगवान को पालने में झुलाया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भगवान श्रीराम से लोकमंगल की प्रार्थना की।

राहुल गांधी और अखिलेश यादव की साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस

ख्याली पुलाव का स्वाद लेते रहे फ्लॉप फिल्म वाले दोनों युवा

गाजियाबाद, 17 अप्रैल (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में लोकसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की। राहुल गांधी और अखिलेश यादव ने कहा कि विपक्षी गठबंधन एनडीए को गाजियाबाद से गाजीपुर तक हराएगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत और बागपत के विपक्षी गठबंधन के प्रत्याशी पंडित अमरपाल शर्मा और सपा के पूर्व मंत्री शाहिद मंजूर भी मौजूद थे।

राहुल गांधी ने दावा किया कि इस बार एनडीए की सरकार 150 सीटों पर सिमट कर रह जाएगी। अखिलेश यादव ने कहा कि वो 2014 में आए थे 2024 में जाएंगे और इस बार विदाई भी बैंड बाजे के साथ होगी। पत्रकारों को संबोधित करते हुए पहले अखिलेश यादव ने कहा कि इस बार पश्चिम से बदलाव की हवा चली है। जनता भाजपा के झूठ और वादा खिलाफी से तंग आ चुकी है। अखिलेश यादव ने कहा कि इलेक्ट्रोल बांड ने भाजपा की बैंड बजा दी है। भाजपा भ्रष्टाचारियों का गोदाम बनकर रह गई है।

राहुल गांधी ने कहा कि यह विचारधारा की लड़ाई है। एक तरफ आरएसएस और भाजपा संविधान को खत्म करने की कोशिश में है तो दूसरी ओर गठबंधन लोकतंत्र की रक्षा करने के लिए चुनाव लड़ रही है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, यह चुनाव विचारधारा का चुनाव है। एक तरफ संघ और भाजपा संविधान और लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश कर रही है, और दूसरी तरफ विपक्षी गठबंधन और कांग्रेस पार्टी संविधान और लोकतंत्र को बचाने की कोशिश कर रही है। चुनाव में 2-3 बड़े मुद्दे हैं। बेरोजगारी सबसे बड़ी है और महंगाई दूसरी सबसे बड़ी है, लेकिन भाजपा ध्यान भटकाने में लगी है। न तो प्रधानमंत्री और न ही भाजपा मुद्दों पर बात करती है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री ने एक बहुत लंबा इंटरव्यू दिया। यह स्क्रिप्टेड था, लेकिन यह फ्लॉप-शो था। प्रधानमंत्री ने इसमें चुनावी बांड को समझाने की कोशिश की। प्रधानमंत्री कहते हैं कि चुनावी बांड की व्यवस्था पारदर्शिता के लिए, राजनीति को साफ करने के लिए लाया गया। अगर ये सच है तो सुप्रीम कोर्ट ने उस व्यवस्था को क्यों रद्द कर दिया और दूसरी बात अगर आप पारदर्शिता लाना चाहते थे तो आपने भाजपा को पैसा देने वालों के नाम क्यों छुपाए। आपने उन तारीखों को क्यों छुपाया जिस दिन उन्होंने आपको पैसे दिए थे? यह दुनिया की सबसे बड़ी जबरन वसूली योजना है। भारत के सभी कारोबारी इस बात को समझते और जानते हैं और प्रधानमंत्री चाहे कितनी भी सफाई दे दें, इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा क्योंकि पूरा देश जानता है कि प्रधानमंत्री भ्रष्टाचार के चैंपियन हैं।

यह पूछे जाने पर कि क्या वह अमेठी और रायबरेली से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, ये भाजपा वालों का सवाल है, बहुत अच्छा। मुझे जो भी आदेश मिलेगा मैं उसका पालन करूंगा। हमारी पार्टी में ये सभी (उम्मीदव-ारों के चयन) निर्णय केंद्रीय समिति द्वारा लिए जाते हैं। अखि-लेश यादव ने कहा कि इस बार पश्चिम से बदलाव की हवा चली है। जनता भाजपा के झूठ और वादा खिलाफी से तंग आ चुकी है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा भ्रष्टाचारियों का गोदाम बनकर रह गई है। दो लड़कों की फ्लॉप फिल्म वाले मोदी के कटाक्ष को लेकर पूछे गए सवार पर राहुल गांधी ने कहा, मैं सीटों की भविष्यवाणी नहीं करता। 15-20 दिन पहले मैं सोच रहा था कि भाजपा लगभग 180 सीटें जीतेगी, लेकिन अब मुझे लगता है कि उन्हें 150 सीटें मिलेंगी। हर राज्य में हमें रिपोर्ट मिल रही है कि हम मजबूत हैं हमारा बेहतर प्रदर्शन होगा। उत्तर प्रदेश में हमारा बहुत मजबूत गठबंधन है और हम बहुत अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

लोकसभा चुनाव के दौरान यूपी में तैनात रहेंगे एयर एंबुलेंस और हेलीकॉप्टर

लखनऊ, 17 अप्रैल (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश मे सात चरणों में होने वाले लोकसभा आम चुनावों में किसी भी आपदा से निपटने के लिए उत्तर प्रदेश शासन की ओर से एयर एंबुलेंस एवं हेलिकॉप्टर की व्यवस्था की गई है। इस एयर एंबुलेंस और हेलिकॉप्टर की मदद से किसी भी आकस्मिकता की स्थिति में न सिर्फ मदद पहुंचाई जा सकेगी, बल्कि अर्द्धसैनिक बलों, पुलिस बलों के व्यवस्थापन के साथ ही मेडिकल सहायता पहुंचाने में भी मदद मिलेगी। इन एयर एंबुलेंस और हेलिकॉप्टर को चरणो के हिसाब से अलग-अलग लोकेशंस पर डेप्लॉय किया गया है। ये एयर एंबुलेंस और हेलिकॉप्टर हरियाणा के गुरुग्राम स्थित एक निजी एविएशन कंपनी से लीज पर लिया गया है। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश में लोकसभा आम चुनाव सभी सात चरणो में होना है। इसके लिए किसी भी संकट की स्थिति का सामना करने के लिए इन एयर एंबुलेंस और हेलिकॉप्टर को हायर किया गया है।

प्रत्येक चरण में चुनावों की लोकेशन के आधार पर एयर एंबुलेंस और हेलिकॉप्टर को डेप्लॉय किया गया है। उदाहरण के रूप में 19 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव के पहले चरण में यूपी के पश्चिम क्षेत्र की सीटों पर मतदान होना है। इसके लिए हेलिकॉप्टर को 18 अप्रैल एवं 19 अप्रैल को मुरादाबाद में तैनात किया गया है, जबकि एयर एंबुलेंस को 19 अप्रैल को बरेली में डेप्लॉय किया गया है। इसी तरह दूसरे चरण यानी 26 अप्रैल को हेलिकॉप्टर अलीगढ़ में (25 और 26 अप्रैल)और एयर एंबुलेंस को मेरठ में (26 अप्रैल) तैनात किया गया है। 7 मई को तीसरे चरण में हेलिकॉप्टर आगरा (6 व 7 मई को) एवं एयर एंबुलेंस को बरेली (7 मई को) में लोकेट किया गया है। 13 मई को चौथे चरण में हेलिकॉप्टर 12 व 13 मई को कानपुर और एयर एंबुलेंस 13 मई को लखनऊ में तैनात रहेगा। इसी प्रकार पांचवें चरण यानी 20 मई को हेलिकॉप्टर झांसी में और एयर एंबुलेंस लखनऊ में तो छठे चरण में हेलिकॉप्टर अयोध्या और एयर एंबुलेंस प्रयागराज में तैनात रहेगी। अंतिम चरण यानि एक जून को हेलिकॉप्टर गोरखपुर और एयर एंबुलेंस वाराणसी में तैनात होंगे।

आकस्मिक परिस्थितियों में मेडिकल सहायता उपलब्ध कराने के साथ ही फोर्सेज को लाने व ले जाने में यह हेलिकॉप्टर और एयर एंबुलेंस मददगार साबित होंगे। इसके माध्यम से प्रभावित स्थान तक तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जा सकेगी। इस कदम को एहतियात के रूप में उठाया गया है, ताकि किसी आपात स्थिति में बड़ी दुर्घटना को रोका जा सके। गुरुग्राम की जेट सर्व एविएशन प्रा. लि. से 5.60 लाख रुपए के न्यूनतम उपयोग (2 घंटे प्रतिदिन) के लिए लीज पर लिया गया है। 7 दिन के हिसाब से इस पर कुल 39.20 लाख रुपए का खर्च आएगा। प्रदेश शासन की ओर से इसकी वित्तीय स्वीकृति भी दी जा चुकी है। इस भुगतान एवं जीएसटी के साथ नियमानुसार गणना का दायित्व उत्तर प्रदेश नागरिक उड्डयन विभाग एवं उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय, लखनऊ का होगा। खर्च के बाद भी यदि कोई धनराशि शेष बचती है तो उसे नियमानुसार राजकोष में जमा कराया जाएगा

संपादकीय

विस्तार पाते 'संकल्प'

भाजपा के 'संकल्प-पत्र' में कुछ भी नयापन नहीं है। योजनाओं का या तो विस्तार किया गया है अथवा राष्ट्रीयकरण की घोषणा की गई है। भाजपा पूरी तरह प्रधानमंत्री मोदी के रिकॉर्ड और लोकप्रियता के भरोसे है। प्रत्यक्ष रेवडियों अथवा मुफ्तखोरी का कोई भी संकल्प नहीं किया गया है। देश के 80 करोड़ से अधिक गरीबों के लिए 5 किलो 'मुफ्त अनाज' की योजना 2029 तक जारी रहेगी। यह देश आकलन करेगा कि वह इसे 'मुफ्तखोरी' की जमात में रखता है अथवा इसे सामाजिक-राष्ट्रीय कल्याण की जरूरत मानता है! हालांकि कोरोना-काल के काले-आर्थिक प्रभाव अब समाप्त हो चुके हैं। बहरहाल भाजपा का चुनावी घोषणा-पत्र एक राजनीतिक दस्तावेज होने के बजाय प्रशासनिक कार्यक्रम का रोड मैप अधिक लगता है, ताकि देश स्थिर और सशक्त बना रहे। चूंकि प्रधानमंत्री मोदी अपने तीसरे कार्यकाल को लेकर काफी आश्वस्त हैं, लिहाजा मौजूदा योजनाओं के विस्तार घोषित किए गए हैं। मसलन-70 साल से अधिक उम्र वाले बुजुर्गों को 'आयुष्मान भारत' के दायरे में रखा जाएगा। ऐसे बुजुर्ग गरीब हों या मध्यवर्गीय हों अथवा सम्पन्न हों, सभी को 5 लाख रुपए तक 'मुफ्त इलाज' की सुविधा दी जाएगी। सरकार ने 60-70 साल के सभी बुजुर्गों को इस योजना में क्यों नहीं रखा, इसका स्पष्टीकरण सरकार ही दे सकती है। इस आयु-वर्ग को भी कंपनियां 'स्वास्थ्य बीमा' नहीं देती हैं अथवा बीमे की किस्त बहुत महंगी होती है। यदि सभी वरिष्ठ नागरिकों को 'आयुष्मान' के दायरे में रखा जाता, तो भाजपा एक और लाभार्थी वर्ग तैयार कर सकती थी। भाजपा ने 'समान नागरिक संहिता', 'एक राष्ट्र, एक चुनाव', 'नागरिकता संशोधन अधिनियम', '3 करोड़ लखपति दीदी' आदि योजनाओं को लागू करने या विस्तार देने की घोषणा की है। भाजपा के वैचारिक कार्यक्रमों में अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को निरस्त करना और समान नागरिक संहिता शामिल रहे हैं। अब सिर्फ नागरिक संहिता को ही देश भर में लागू करना शेष है। यह मोदी सरकार के नए कार्यकाल के दौरान सम्पन्न किया जा सकता है। शुक्र है कि 'संकल्प-पत्र' में एनआरसी का कोई जिक्र नहीं है। भाजपा की वैचारिकता में 'तीन तलाक का कानून' और नागरिकता संशोधन अधिनियम के तहत विदेशों में पीड़ित हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, ईसाई और पारसी समुदायों को भारत की नागरिकता देना प्रधानमंत्री मोदी ने शामिल किया था। इससे औसतन 18-20 फीसदी मुस्लिम वोट भी भाजपा के पक्ष में आने लगे हैं। 'संकल्प-पत्र' में गरीबों के लिए 3 करोड़ और पक्के घर बनाना, जबकि 4 करोड़ बनाए जा चुके हैं, मुद्रा लोन की सीमा 10 लाख रुपए से बढ़ा कर 20 लाख रुपए करना, गांवों में 3 करोड़ लखपति दीदी और बनाना, 6000 रुपए की पीएम किसान सम्मान निधि आदि पुरानी योजनाएं ही हैं, जिनमें विस्तार किया गया है अथवा यथावत जारी रखा गया है। इन विस्तारों की घोषणा 'अंतरिम बजट' में और 15 अगस्त को लाल किले से प्रधानमंत्री मोदी के राष्ट्रीय संबोधन में भी की जा चुकी है। एक योजना में कुछ नयापन प्रतीत होता है। प्रधानमंत्री ने बताया है कि आगामी 5 साल तीन तरह के बुनियादी ढांचे पर फोकस किया जाएगा-सोशल, डिजिटल और फिजिकल। सोशल में नए संस्थान, मेडिकल कॉलेज, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, कॉलेज, ट्रक चालकों के लिए राजमार्गों पर आरामगाह बनाए जाएंगे। डिजिटल में 5-जी विस्तार और 6-जी पर काम, इंडस्ट्री के लिए 4.0 आधारभूत ढांचे पर काम किया जाएगा। फिजिकल में राजमार्ग, रेलवे, एयरवे, वाटरवे आदि को आधुनिकतम बनाएंगे। 'संकल्प-पत्र' के 78 पन्नों में 24 गारंटियों के साथ 292 वायदे किए गए हैं। ऐसा नहीं है कि महंगाई, बेरोजगारी आदि का उल्लेख ही नहीं है। दरअसल मोदी सरकार के 10 सालों में ये दोनों मुद्दे नियंत्रण में रखने की कोशिशें हुई हैं। चूंकि भारत उत्पादन और विनिर्माण का हब बनता जा रहा है, लिहाजा रोजगार भी पैदा हुए हैं। सरकारी नौकरी सभी के लिए संभव नहीं है, लेकिन सुखद है कि मुद्रास्फीति 5-6 फीसदी के दायरे में रही है। ऐसा भी दौर भारत ने देखा है, जब मुद्रास्फीति 24-26 फीसदी या 12-14 फीसदी होती थी।

देश के 80 करोड़ से अधिक गरीबों के लिए 5 किलो 'मुफ्त अनाज' की योजना 2029 तक जारी रहेगी। यह देश आकलन करेगा कि वह इसे 'मुफ्तखोरी' की जमात में रखता है अथवा इसे सामाजिक-राष्ट्रीय कल्याण की जरूरत मानता है! हालांकि कोरोना-काल के काले-आर्थिक प्रभाव अब समाप्त हो चुके हैं। बहरहाल भाजपा का चुनावी घोषणा-पत्र एक राजनीतिक दस्तावेज होने के बजाय प्रशासनिक कार्यक्रम का रोड मैप अधिक लगता है, ताकि देश स्थिर और सशक्त बना रहे। चूंकि प्रधानमंत्री मोदी अपने तीसरे कार्यकाल को लेकर काफी आश्वस्त हैं, लिहाजा मौजूदा योजनाओं के विस्तार घोषित किए गए हैं। मसलन-70 साल से अधिक उम्र वाले बुजुर्गों को 'आयुष्मान भारत' के दायरे में रखा जाएगा। ऐसे बुजुर्ग गरीब हों या मध्यवर्गीय हों अथवा सम्पन्न हों, सभी को 5 लाख रुपए तक 'मुफ्त इलाज' की सुविधा दी जाएगी।

भ्रष्टाचार मिटाने की बात कर रहे हैं तो कुछ भ्रष्टाचारियों को बचाने की बात कर रहे हैं

चुनाव में व्यक्ति नहीं, मूल्यों की स्थापना का दौर चले

ललित गर्ग

लोकसभा चुनावों की सरगर्मियां उग्र से उग्रतर होती जा रही है, पहली बार भ्रष्टाचार चुनावी मुद्दा बन रहा है, कुछ भ्रष्टाचार मिटाने की बात कर रहे हैं तो कुछ भ्रष्टाचारियों को बचाने की बात कर रहे हैं। मुसलमान वोटों की राजनीति करने वाले दल अपने घोषणा पत्रों में उनके कल्याण की कोई बात ही नहीं कर रहे हैं, मुसलमानों का सशक्तीकरण करने की बचाय उनके तुष्टीकरण को प्राथमिकता दी जा रही है। कुछ दल देश-विकास की बात कर रहे हैं तो कुछ दल विकास योजनाओं की छिछालेदार कर रहे हैं। किसी भी दल के चुनावी मुद्दे में पर्यावरण विकास की बात नहीं हैं। व्यक्ति नहीं, मूल्यों की स्थापना के स्वर कहीं भी सुनाई नहीं दे रहे हैं। सत्ता और स्वार्थ ने अपनी आकांक्षी योजनाओं को पूर्णता देने में नैतिक कायरता दिखाई है। केजरीवाल जेल से सरकार चलाने की बात करके नैतिक एवं राजनीतिक मूल्यों के आन्दोलन से सरकार बनाने के सच को ही बदनुमा बना दिया है। इसकी वजह से लोगों में विश्वास इस कदर उठ गया कि चौराहे पर खड़े आदमी को सही रास्ता दिखाने वाला भी झूठा-सा लगता है। आंखें उस चेहरे पर सचाई की साक्षी ढूंढती हैं। समस्याओं से लड़ने के लिये हमारी तैयारी पूरे मन से होनी चाहिए। लोकतंत्र के महापर्व पर समझना चाहिए कि हमने जीने का सही अर्थ ही खो दिया है। यद्यपि बहुत कुछ उपलब्ध हुआ है। कितने ही नए रास्ते बने हैं। फिर भी किन्हीं दृष्टियों से हम भटक रहे हैं। भौतिक समृद्धि बटोरकर भी न जाने कितनी रिक्तताओं की पीड़ा सही है। गरीब अभाव से तड़पा है, अमीर अतृप्ति से। कहीं अतिभाव, कहीं अभाव। जीवन-वैषम्य कहां बांट पाया अपनों के बीच अपनापन। अट्टालिकाएं खड़ी हो रही हैं, बस्तियां बस रही हैं मगर आदमी उजड़ता जा रहा है। पूरे देश में मानवीय मूल्यों का ह्रास, राजनीति अपराध, भ्रष्टाचार, कालेधन की गर्मी, लोकतांत्रिक मूल्यों का हनन, अन्याय, शोषण, संग्रह, झूठ, चोरी जैसे-अनैतिक अपराध पनपे हैं। धर्म, जाति, राजनीति-सत्ता और प्रांत के नाम पर नए संदर्भों में समस्याओं ने पंख फैलाये हैं। हर बार के चुनावों की तरह इस बार भी आप, हम सभी अपने आपको जीवन से जुड़ी अंतहीन समस्याओं के कटघरे में खड़ा पा रहे हैं। कहा नहीं जा सकता कि जनता की अदालत में कहां, कौन दोषी है? पर यह चिंतनीय प्रश्न अवश्य है हम इतने उदासीन एवं लापरवाह कैसे हो गये कि राजनीति को इतना आपराधिक होने दिया? जब आपके द्वार की सीढ़ियां मैली हैं तो अपने पड़ौसी की छत पर गन्दगी का उलाहना मत दीजिए। कोई भी अच्छी शुरूआत सबसे पहले स्वयं की की जानी जरूरी है। देश के लोकतंत्र को हांकने वाले लोग इतने बदहवास होकर निर्लज्जतापूर्ण कारनामे करेंगे, इसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। चौराहे पर खड़ा आदमी सब कुछ देख रहा है। उसे कुछ सूझ नहीं रहा कि वह कौन सी राह पकड़े। आम आदमी सरकार ने शराब-शिक्षा में घोटाले किए, दागी चिन्हित भी हुए लेकिन आप सरकार ने भ्रष्टाचार को लेकर दोहरे मापदंड अपना लिए। अपनों द्वारा किया गया भ्रष्टाचार कोई भ्रष्टाचार नहीं, राबर्ट वाड्रा के खिलाफ कुछ नजर नहीं आता और वे चुनाव लड़ने की बात करते हैं। बात केवल कांग्रेस की ही नहीं है, बात राजनीतिक आदर्शों की हैं। जिसकी वकालत करते हुए कभी अन्ना हजारे तो कभी बाबा रामदेव, कभी केजरीवाल तो कभी श्री रविशंकरजी जन-आन्दोलन की अगवाई करते देते थे, अब ना तो ऐसे आन्दोलन होते हैं न ही उन पर विश्वास रहा। हमारे भीतर नीति और निष्ठा के साथ गहरी जागृति की जरूरत है। नीतियां सिर्फ शब्दों में हो और निष्ठा पर संदेह की परतें पड़ने लगें तो भला उपलब्धियों का आंकड़ा वजनदार कैसे होगा? बिना जागती आंखों के सुरक्षा की साक्षी भी कैसी! एक वफादार चौकीदार अच्छा सपना देखने पर भी इसलिए मालिक द्वारा तत्काल हटा दिया जाता है कि पहरेदारी में सपनों का खयाल चोरी को खुला आमंत्रण है। भाजपा जो हमेशा राजनीतिक शुचिता की बात करती रही, उसकी शुचिता कहां है? कितने दागी एवं अपराधी नेताओं को उसने अपने दल में जगह ही नहीं दी, टिकट तक दे दिया। हो सकता है 400 के बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिये भाजपा की कुछ मजबूरियां हो। कमल तो खिलेगा ही, लेकिन उस खिलाहट में मजबूरियों के नाम पर मूल्यों के साथ समझौता नहीं होता तो यह लोकतंत्र को स्वस्थ बनाने का एक अनूठा उदाहरण होता। श्रीमती इन्दिरा गांधी ने कभी कहा था कि व्यक्ति को अपने जन्म से नहीं बल्कि कर्म से पहचाना जाना चाहिए, यह वाक्य उनके पोते राहुल गांधी पर भी लागू हो रहा है। वे तमाम सुखों एवं सुविधाओं में पले-बढ़े और उन्होंने जीवन में कोई संघर्ष नहीं किया या ये कहें कि जीवन के लिए संघर्ष करने की उनके सामने कोई नौबत नहीं आई। कहते हैं- "जा के पैर न परी बिवाई, वो क्या जाने पीर पराई"। जब आप लोगों की पीड़ा को उसी भाव से महसूस नहीं कर पाते तो दूसरों को आपकी बात पर भरोसा नहीं हो पाता। इस भरोसे को पाने के लिए उस पीड़ा को पहले खुद भुगतना होता है। यही वजह है कि राहुल गांधी सच्ची और ठीक बात कहते हैं तब भी लोग उसे उस सच्चाई के साथ, उस भाव में अंगीकार नहीं कर पाते। लोकतंत्र में राजनीतिक दलों का मौजूदा यह आचरण स्वीकार्य नहीं। पूरा राजनीतिक वातावरण ही हास्यास्पद हो चुका है। यदि हालात नहीं सुधरे तो राजनीतिक दलों की दुर्गति तय है। बदलती राजनीतिक सोच एवं व्यवस्था के मंच पर बिखरते मानवीय मूल्यों के बीच अपने आदर्शों को, उद्देश्यों को, सिद्धांतों को, परम्पराओं को और जीवनशैली को हम कोई ऐसा रंग न दे दें कि उससे उभरने वाली आकृतियां हमारी भावी पीढ़ी को सही रास्ता न दिखा सकें। राजनीति का वह युग बीत चुका जब राजनीतिज्ञ आदर्शों पर चलते थे। आज हम राजनीतिक दलों की विभीषिका और उसकी अतियों से ग्रस्त होकर राष्ट्र के मूल्यों को भूल गए हैं। भारतीय राजनीति उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। चारों ओर भ्रम और मायाजाल का वातावरण है। भ्रष्टाचार और घोटालों के शोर और किस्म-किस्म के आरोपों के बीच देश ने अपनी नैतिक एवं चारित्रिक गरिमा को खोया है। मुद्दों की जगह अभद्र टिप्पणियों ने ली है। व्यक्तिगत रूप से छींटाकशी की जा रही है।

सत्ता और स्वार्थ ने अपनी आकांक्षी योजनाओं को पूर्णता देने में नैतिक कायरता दिखाई है। केजरीवाल जेल से सरकार चलाने की बात करके नैतिक एवं राजनीतिक मूल्यों के आन्दोलन से सरकार बनाने के सच को ही बदनुमा बना दिया है। इसकी वजह से लोगों में विश्वास इस कदर उठ गया कि चौराहे पर खड़े आदमी को सही रास्ता दिखाने वाला भी झूठा-सा लगता है। आंखें उस चेहरे पर सचाई की साक्षी ढूंढती हैं। समस्याओं से लड़ने के लिये हमारी तैयारी पूरे मन से होनी चाहिए। लोकतंत्र के महापर्व पर समझना चाहिए कि हमने जीने का सही अर्थ ही खो दिया है। यद्यपि बहुत कुछ उपलब्ध हुआ है। कितने ही नए रास्ते बने हैं।

दृष्टि कोण

स्थिर और मजबूत रुपए की आहट

कई दशकों की लगातार गिरावट के बाद वर्ष 2023-24 में रुपया स्थिर होने लगा है, खासकर इसकी तीसरी और चौथी तिमाही में। हम कह सकते हैं कि वर्ष 2023-24 भारतीय रुपए के लिए बहुत शुभ रहा। गौरतलब है कि वर्ष 2023-24 की पहली दो तिमाहियों में रुपए में डॉलर के मुकाबले मात्र 1.0 प्रतिशत का अवमूल्यन हुआ था। लेकिन इस वित्तीय वर्ष की अंतिम दो तिमाहियों में रुपया-डॉलर विनिमय दर 83.0 रुपए प्रति डॉलर के आसपास स्थिर हो गई। इस प्रकार की स्थिति आम तौर पर अतीत में नहीं देखी गयी है। हम देखते हैं कि 1980 के दशक से ही रुपए का मूल्य लगातार गिरता रहा है, जब हमारा देश प्रशासित विनिमय दर की व्यवस्था से हटकर बाजार द्वारा निर्धारित विनिमय दर पर आ गया था। यह उल्लेखनीय है कि रुपया-डॉलर विनिमय दर 1982 में 9.46 रुपए प्रति अमरीकी डॉलर से बढक़र 31 मार्च 2023 में 82.17 रुपए प्रति अमरीकी डॉलर हो गई थी। इसका अभिप्राय यह है कि 1982 से लेकर मार्च 2023 तक डॉलर में 868.6 प्रतिशत की गिरावट आई है, यानी पिछले 41 सालों में 5.41 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से रुपए का अवमूल्यन हुआ है। ऐसा देश में तेजी से बढ़ते आयातों और उससे कहीं कम गति से बढ़ते निर्यातों के कारण हुआ है। घटता चालू खाता घाटा : पिछले एक साल में, हम माल और सेवाओं के निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि देख रहे हैं। चालू खाते पर घाटा वर्ष 2023-24 की पहली तीन तिमाहियों में घटकर केवल 28 अरब अमरीकी डॉलर रह गया है, जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद का 1.2 प्रतिशत है। चौथी तिमाही के पहले दो महीनों में घाटा अधिशेष में बदल गया है। यदि यही प्रवृत्ति जारी रहती है, तो पूरे वर्ष के लिए चालू खाते पर घाटा लगभग 30 अरब अमरीकी डॉलर तक कम हो सकता है, जो सकल घरेलू उत्पाद का एक प्रतिशत से भी कम हो सकता है, जो वर्ष 2022-23 के चालू खाते पर घाटे (66 बिलियन अमरीकी डॉलर, सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 2 प्रतिशत) से बहुत कम है। वित्तीय वर्ष 2023-24 की पहली तीन तिमाहियों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, हालांकि थोड़ा कम है, लेकिन भारतीय मूल के लोगों से आने वाले प्रेषण में वृद्धि से इसकी भरपाई हो रही है। इसी प्रकार, अमरीका और यूरोप में बढ़ती बेरोजगारी के बावजूद, भारतीय मूल के लोगों से आने वाले धन में वृद्धि जारी रही और 2022-23 में 125 अरब अमरीकी डॉलर के मुकाबले 2023-24 में इसके 135 अरब अमरीकी डॉलर होने की संभावना है। डॉलर की बढ़ रही हैं मुश्किलें : प्रथम विश्व युद्ध के बाद से ही हम डॉलर के मूल्य में निरंतर वृद्धि देख रहे हैं। प्रथम विश्व युद्ध के बाद मित्र राष्ट्रों ने आपूर्ति के बदले में संयुक्त राज्य अमरीका को सोने में भुगतान करना शुरू कर दिया, जिसके कारण अमरीका दुनिया का सबसे बड़ा स्वर्ण भंडार बन गया। युद्ध की समाप्ति के बाद विभिन्न देशों ने अपनी मुद्राओं को डॉलर से जोड़ दिया और इसके साथ ही दुनिया में 'गोल्ड स्टैंडर्ड' समाप्त हो गया और इस प्रकार डॉलर दुनिया की सबसे पसंदीदा मुद्रा बन गई। सभी देश अपने विदेशी मुद्रा भंडार का अधिक से अधिक हिस्सा डॉलर के रूप में रखने लगे। लेकिन वर्ष 2000 के बाद अंतरराष्ट्रीय रिजर्व मुद्रा के रूप में डॉलर का महत्व कम होता गया और अब यह लगभग 58 प्रतिशत पर पहुंच गया है। इतिहास में दुनिया भर के देशों के डॉलर के प्रति आकर्षण के कारण, डॉलर दुनिया की अन्य मुद्राओं, विशेष रूप से विकासशील देशों की मुद्राओं के मुकाबले लगातार मजबूत होता गया। भारत में जहां 1964 में एक डॉलर केवल 4.66 रुपए के बराबर था और अब यह लगभग 83.38 रुपए प्रति अमरीकी डॉलर तक पहुंच गया है। शायद इसीलिए दुनिया के सभी देश डॉलर को आरक्षित मुद्रा के रूप में रखने और अपने सभी अंतरराष्ट्रीय भुगतान केवल डॉलर में करने में रुचि रखते हैं। डॉलर की इस बढ़ती मांग के कारण, डॉलर साल दर साल मजबूत होता रहा। हालांकि वर्ष 2000 में अंतरराष्ट्रीय रिजर्व करंसी के रूप में अमरीकी डॉलर का हिस्सा 70 प्रतिशत से घटता हुआ अभी तक मात्र 58 प्रतिशत ही रह गया है, लेकिन अमरीकी फेडरल रिजर्व का दावा है कि अमरीकी डॉलर वैश्विक स्तर पर सबसे पसंदीदा मुद्रा बनी हुई है, लेकिन समझना होगा कि डॉलर की लोकप्रियता में गिरावट निरंतर जारी है। हम देखते हैं कि अधिकांश देश धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से डॉलर व्यापार से दूर जा रहे हैं।

कुछ अलग

गोली मार भेजे में

लोकतंत्र की गंदली और दिन पर दिन सूख रही नदी की मौज़ों में घंटों मौज करने के बाद एक चट्टान पर लेटे झुन्नू लाल विटामिन डी का आनन्द उठा रहे थे। हफ़्ते के छः दिन, एक कारख़ाने में बारह घंटे, आठ हजार रुपये की मज़दूरी करने वाले झुन्नू को आज रविवार की छुट्टी थी। देश में मौज पूरी तरह उतरी नहीं थी। लोकतंत्र की नदी में अभी कुछ जीवन शेष था। नहीं तो हो सकता था कि वह हफ़्ते के सातों दिन कारख़ाने में मौज मारने के आदी हो जाते। कई दिनों से घर के सरकारी नल में पानी, बरसों से महंगाई से मिली राहत की तरह ग़ायब था। महंगाई से राहत न मिलने पर आदमी सालों किसी तरह जी लेता है। लेकिन बिना नहाए कितने दिन रह सकता है। मजबूरन, नहाने के लिए मुझे नदी पर जाना पड़ा। झुन्नू को देखते ही मैं चहक उठा। लगा कि कोई तो अपना है। सोचा कि लोकतंत्र की नदी में गहरे उतरते हुए पांव फिसलने पर कोई तो बचाने वाला होगा। नहीं तो डूबने वाले कितने लोग जमानत को तरस रहे हैं। झुन्नू के पास पहुंचा तो देखकर दंग रह गया। औंधे लेटे हुए अपने साथ लिटाए मगरमच्छ के बच्चे को थपकी देकर सुला रहे थे। मैंने नोट किया कि उनका सिर पारदर्शी लग रहा है। पूछा तो कहने लगे कि समाज में कुतर्क इतना बढ़ गया है कि भेजा निकाल कर घर की अलमारी में बंद कर दिया है। लेकिन ताला अलीगढिया नहीं, गोदरेज का लगाया है। हो सकता है कि अलीगढ़ का ताला विधर्मी निकले। फिर गाने लगे, 'गोली मार भेजे में, ढिचकियाऊं कि भेजा शोर करता है।' उनके साथ-साथ मगरमच्छ का बच्चा भी अपने पंजे से ताल देने लगा। लेकिन मेरी उत्सुकता शांत नहीं हुई। मैंने उनसे अनुनय करते हुए भेजा निकालने की वजह पूछी तो वह पालथी मार कर बैठ गए। मगरमच्छ के बच्चे को अपनी गोद में लेकर सहलाते हुए गाने लगे, 'मैं भी मुंह में ज़बान रखता हूं, काश पूछो कि मुद्दा क्या है?' फिर आंखें बंद करके किसी गहरे में उतरते हुए बोले, 'सिर में गोबर भरने से बेहतर है कि दिमाग़ निकाल कर अलमारी में रख दो। कम से कम सार्वजनिक जीवन में कुतर्क तो नहीं झेलने पड़ेंगे। अगर कोई सिर में गोली भी मारेगा तो आरपार हो जाएगी। नहीं तो सिर में गोबर होने पर गोली बीच में फंस सकती है। ऐसे में कोमा में जाने की पूरी संभावना है। कुतर्कों को देखकर भेजा शोर किए बिना रह नहीं सकता। बच्चे अभी छोटे हैं और बीवी ज़वान। फिर मुझ में देश सेवा का वह जज़्बा भी नहीं कि उन्हें छोड़ कर घर से भाग जाऊं। बाबू! तर्क के सहारे लडऩे पर मन तो मारा जा सकता है। लेकिन पेट कौन मारेगा? अढ़ाई फुट का यह गड्ढा तो खाना माँगता है, मुसलसल। अपने बौद्धिक विलास के लिए मैं अपने परिवार को ख़त्म नहीं कर सकता। पर यह समझ नहीं आता कि आदमी मगरमच्छ हो गया है या मगरमच्छ आदमी। लेकिन देखो! दोनों में कितना प्रेम बढ़ गया है। मेरी गोद में यह मगरमच्छु कितना पुरसुकूं महसूस कर रहा है। कोमा में जाने से बेहतर है कि आदमी ज़ोम्बी बन कर जीता रहे। फिर चाहे भेजा निकाल कर जिए या गोबर भर कर। कम से कम परिवार का साथ तो बना रहेगा। हां, भेजा निकालने का इतना फायदा अवश्य होता है कि आदमी कुतर्कों में नहीं जीता। दिमाग़ में गोबर होने पर आदमी कुतर्की हो जाता है।' उनके जवाब से मुत्तासिर होते मैंने उनसे भेजे को तिलांजलि देने की असली वजह जाननी चाही तो बोले कि जिस समाज में चुनावों में खड़े उम्मीदवार कुतर्कों के सहारे अपने आपको सही ठहराते हुए अपना चुनाव प्रचार करें और उनके समर्थक भी उनके पक्ष में मतदान करें, उसके पतन को कौन रोक सकता है। उनके जवाब से पूरी तरह संतुष्ट होने के बाद, मैं उनकी गोद से मगरमच्छु को अपनी बांहों में लिए, बिना कुछ देखे और सोचे-समझे लोकतंत्र की नदी में नहाने के लिए कूद पड़ा।

देश दुनिया से

राजनीति में भी चमके मीडिया के सितारे

भाजपा की झोली कितनी भरेगी पूर्वोत्तर से मोदी सरकार ने पूर्वोत्तर के लोगों के दरवाजे तक गवर्नेंस पहुंचाने का प्रण लिया है। उन्होंने इस धारणा को बदल दिया है कि पूर्वोत्तर बहुत दूर है। मोदी और अमित शाह की जोड़ी ने पूर्वोत्तर को दिल्ली से दिल से बेहद करीब लेकर आई है। भाजपा की झोली कितनी भरेगी पूर्वोत्तर से जिस पूर्वोत्तर भारत में सूरज की किरणें सबसे पहले पहुँचती हैं वहाँ की जानता तैयार है, एक बार फिर लोकसभा चुनावों में अपना पैसला सुनाने के लिए। बेशक, भारतीय जनता पाटा आगामी लोकसभा चुनावों में 370 सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है, तो 25 सीटें पूर्वाचल प्रदेशों की भी उसमें शामिल हैं। पूर्वोत्तर राज्यों में आगामी 19 अप्रैल, 26 अप्रैल और 7 मई को लोक सभा चुनाव के लिए मतदान होना है। अगर बात पिछले यानी 2019 के लोकसभा चुनाव की करें तो पूर्वोत्तर में भारतीय जनता पाटा ने जो झंडे गाड़े थे, उसे इस बार भी थामे रखने का पाटा को पूरा भरोसा है। इस भरोसे के पीछे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह विश्वास है कि उन्होंने जिस तरह से पूर्वोत्तर की विकास की योजनाएं सिरे चढ़ाईं हैं, उसके बाद वहां की जनता उनकी पाटा और सरकार को कभी नहीं भूलेगी। इसमें एक पक्ष यह भी है कि प्रधानमंत्री मोदी की तरह ही गृहमंत्री अमित शाह ने भी पूरे पूर्वोत्तर भारत में विभिन्न शांति समझौते के तहत एक स्थायी शांति का माहौल बनाया है। चुस्त आंतरिक सुरक्षा के कारण ही पूर्वोत्तर के पूरे इलाके में कोई बड़ी हिसक वारदात सुनाईं नहीं पड़ रही है। हां मणिपुर इसका एक अपवाद अवश्य है और वहाँ भी गृह मंत्रालय ठोस समाधान की तरफ बढ़ रहा है। या सात बहनें कही जाने वाली राज्य इकाइयों समेत क्षेत्र के सभी आठ राज्यों को मिलाकर वुल 25 लोक सभा की सीटें हैं। असम में सबसे ज्यादा लोकसभा की 14 सीटें हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में एनडीए को 25 में से 21सीटें मिलीं थीं। भाजपा अब की बार पिछला आंकड़ा पार करना चाहती है। अभी तक इंडिया गठबंधन ने ऐसा कोई संकेत नहीं दिया है कि उनका कोई बहुत बड़ा स्टेक पूर्वोत्तर के राज्यों में लगा है। ममता बनजा की टीएमसी और शरद पवार की एनसीपी पिछले चुनावों में यहां वुछ करने की एक अलग कोशिश की भी थी, लेकिन इस बार वह कोशिश भी कहीं दिखाईं नहीं दे रही है। उसका सबसे बड़ा कारण यह है कि शरद पवार खुद अपनी पाटा और अपनी वजूद के लिए अपने भतीजे से लड़ रहे हैं तो ममता बनजा अपने घर में ही भ्रष्टाचार और सांप्रदायिक उपद्रवियों को बचाने के कारण घिरी हुईं हैं। पूर्वोत्तर में भाजपा पर विश्वास की वजह पिछले दस साल में पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की सायि रूप से विकास पर फोकस और शांति स्थापना की कोशिश है। इसके अतिरित्त पूर्वाचल प्रदेशों के प्रभारी और सह - प्रभारी डॉ0 संबित पात्रा और राष्ट्रीय सचिव त्रतुराज सिन्हा के लगातार प्रवासों और दिन - प्रतिदिन को मॉनिटरिंग ने पूर्वोत्तर राज्यों में भाजपा के संगठन को मज़बूत ही किया है। मणिपुर में हालांकि केवल 2 लोक सभा की सीटें है, लेकिन मोदी सरकार के लिए वहाँ के जनजातीय संघर्ष को खत्म करना बहुत जरूरी है। क्योंकि मणिपुर हिसा इस समय एक राष्ट्रीय मुद्दा बना हुआ है, जो एकतरह से पिछली कांग्रेसी सरकारों की देंन ही मानी जाती है। इस दशकों पुरानी समस्या के किसी सर्वमान्य निर्णय की लगातार कोशिश गृह मंत्री अमित शाह कर भी रहें हैं। हाल ही में एक ऐतिहासिक घटनाम में भारत सरकार और मणिपुर सरकार ने मणिपुर के सबसे पुराने सशस्त्र समूह यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन प्रंट (यूएनएलएफ) के साथ एक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता सामान्य रूप से उत्तर पूर्व और विशेष रूप से मणिपुर में शांति के एक नए युग की संभावना को जन्म देता है। पहली बार है कि घाटी स्थित एक मणिपुरी सशस्त्र समूह हिसा छोड़कर मुख्यधारा में लौटने और भारत के संविधान और देश के कानूनों का सम्मान करने पर सहमत हुआ है। यह समझौता न केवल यूएनएलएफ और सुरक्षा बलों के बीच शत्रुता को समाप्त करेगा, जिसने पिछली आधी शताब्दी से अधिक समय से हजारों लोगों की जानें लीं, बल्कि समुदाय की दीर्घकालिक चिताओं को दूर करने का अवसर भी प्रदान करेगा। यूएनएलएफ 1964 से ही सायि था और यह भारतीय क्षेत्र के भीतर और बाहर दोनों जगह अपना ऑपरेशन चला रहा था। पूर्वोत्तर में स्थायी शांति के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने पहले कार्यकाल से ही तत्पर और सायि हैं। गृह मंत्री अमित शाह कहते हैं कि पूर्व की कांग्रेस सरकारों की नीतियां समस्याओं से ध्यान भटकाने और सत्ता का आनंद लेने की रही थी। जिसके कारण क्षेत्र में हजारों लोगों की मौत हुईं। मोदी सरकार ने न केवल इन समस्याओं के स्थायी निदान के लिए पहल की, बल्कि उग्रवादी गुटों को भी हिसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए ईंमानदारी से कोशिश की। असम में पिछले 40 साल में पहली बार सशस्त्र उग्रवादी संगठन उल्फा ने भारत और असम सरकार के साथ त्रिपक्षीय शांति समझौते पर कायम है।

मोदी और अमित शाह की जोड़ी ने पूवरेत्तर को दिल्ली से दिल से बेहद करीब लेकर आईं है। भाजपा की झोली कितनी भरेगी पूवरेत्तर से जिस पूवरेत्तर भारत में सूरज की किरणें सबसे पहले पहुँचती हैं वहाँ की जानता तैयार है, एक बार फिर लोकसभा चुनावों में अपना पैसला सुनाने के लिए। बेशक, भारतीय जनता पाटा आगामी लोकसभा चुनावों में 370 सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है, तो 25 सीटें पूर्वाचल प्रदेशों की भी उसमें शामिल हैं। पूवरेत्तर राज्यों में आगामी 19 अप्रैल, 26 अप्रैल और 7 मईं को लोक सभा चुनाव के लिए मतदान होना है। अगर बात पिछले यानी 2019 के लोकसभा चुनाव की करें तो पूवरेत्तर में भारतीय जनता पाटा ने जो झंडे गाड़े थे, उसे इस बार भी थामे रखने का पाटा को पूरा भरोसा है।

आप का नजरिया

हिमाचल में लौटा पोलिथीन

बहुत वर्ष नहीं हुए जब तत्कालीन धूमल सरकार ने देश के पहले हिमालयी राज्य को पॉलिथीन मुक्त करने का बीड़ा उठाया और इस क्रांतिकारी कदम ने एक इतिहास लिख दिया, लेकिन इस व्यवस्था की बाद की सरकारें रक्षा न कर सकीं। पड़ोसी राज्यों की संगत में धीरे-धीरे लौट आया पॉलिथीन, क्योंकि पहाड़ के नियम तो सरकारें बदलते ही दफन हो जाते हैं। सर्वप्रथम जनता ही इनका शिकार करती है, जबकि प्रशासन को अब ऐसे कार्यों की फुसर्त ही कहां। आश्चर्य यह कि इस बीच स्वच्छता अभियान चले। गांव-गांव में सांसदों के नाम पर डस्टबिन लग गए, लेकिन कचरा और नजदीक तथा पॉलिथीन जमीन में धंस गया। हिमाचल ने पॉलिथीन यानी प्लास्टिक की बरसात देखनी हो, तो गांव से शहर तक की करतूत के हादसे किसी भी खड्ड, नदी या जलस्रोत के करीब देखिए। एक व्याख्या तो साल में राष्ट्रीय स्वच्छता का सर्वेक्षण कर देता है और ताज्जुब यह कि शिमला जैसा शहर भी हमने गंदगी की घुटनों तक पहुंचा दिया। आलम यह कि अश्विनी खड्ड के मुहाने तरस गए कि शिमला खुद को संभाल लेगा। यह हर शहर की दास्तान है, जहां वर्षों से कूड़े में प्लास्टिक लद रहा है। शहरों के साथ बहती खड्डें व नदियां बदनाम हैं और यही आगे चलकर हर बांध में तैरती जुबान है। हम जिसे सिल्ट कहते, उसके भीतर हर साल जमा हो रहा है हमारे फर्ज का कूड़ा। कितना मासूम है हिमाचल का प्रशासन। अब तो सचिवालय को मालूम नहीं होता कि बाहर शिमला में आती-जाती सडक़ों का स्थायी बाशिंदा पॉलिथीन है। किसी ने चलती गाड़ी से फेंका, किसी ने चाकलेट डे मनाया, तो प्लास्टिक भी खुली हवा में चल गया। हर पर्यटक स्थल और बड़े शहरों में आ गई खाने की कोई न कोई चेन। अच्छी पैकिंग में बिकते व्यंजन और साथ में मुफ्त का कोल्ड ड्रिंक जब खत्म होता है, तो शहर की नालियां बताती हैं कि पर्यटन से प्लास्टिक का कितना भयानक रिश्ता है। दूध की थैलियां, ब्रेड के पैकेट और सब्जी की दुकानदारी में शरीक पॉलिथीन अब हमारे परिवेश से पुनः गलबहियां कर रहा है। सवाल नागरिक स्वच्छता से सामुदायिक व्यवहार तक आपत्तियां दर्ज कर रहा है, तो कौन भविष्य के प्रश्नों पर उत्तर खोजेगा। पॉलिथीन हमारी व्यवस्था से इस कद्र चस्पां है कि सरकारी कार्यालय भी ऐसी चुनौती के पर्याय बने हुए हैं। उदाहरण के लिए धर्मशाला स्थित जिलाधीश कार्यालय का पार्किंग हिमाचल का सबसे बड़ा पॉलिथीन स्टोर व आवारा पशुओं द्वारा फैलाई गई गंदगी का खजाना बना हुआ है। आश्चर्य यह कि पांच कदम पर जिलाधीश सारे जिला को पॉलिथीन मुक्त और स्वच्छता का संदेश दे कर भी यह नहीं देख पाते कि अंततः हो क्या रहा है। कहने को हिमाचल में पांच नगर निगम और पचास के करीब शहरी निकाय हैं, लेकिन इनकी बाहों में फैले पॉलिथीन एक विरासत की तरह टस से मस नहीं होता। शहरों की औकात में इतना दम नहीं कि ढंग से इसका निपटारा कर सकें।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिंदी दैनिक समाचार पत्र

वित्त वर्ष 2024 में स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड एसेट में 83 प्रतिशत की बढ़ोतरी

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां) । खुदरा निवेशकों की भागीदारी में उछाल और बाजार में तेजी की स्थिति ने मार्च 2024 के अंत में स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड कैटेगरी की संपत्ति को 2.43 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ा दिया है, जो 83 प्रतिशत प्रतिशत का बढ़ोतरी को जाहिर करता है। ऐसेट में वृद्धि को निवेशकों की संख्या में वृद्धि से पूरक किया गया, मार्च 2024 में फोलियो की संख्या 1.9 करोड़ तक पहुंच गई, जो एक साल पहले 1.09 करोड़ थी, जिससे 81 लाख का निवेशक आधार जुड़ गया। इससे स्मॉल-कैप फंडों के प्रति निवेशकों के रुझान का पता चलता है।

स्मॉल-कैप फंड्स में वृद्धि - गोपाल कवलिरेड्डी ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था का विकास प्रक्षेपवक्र बढ़ती रुचि को आकर्षित कर रहा है, जिससे कई गैर-सूचीबद्ध स्मॉल-कैप कंपनियां पूंजी बाजार से समर्थन मांग रही हैं। यह प्रवृत्ति दीर्घकालिक विकास संभावनाओं पर नजर रखने वाले निवेशकों के लिए आशाजनक अवसर प्रदान करती है। हालांकि, उन्होंने कहा कि आम चुनाव, मानसून पूर्वानुमान, आर्थिक गतिविधि, मुद्रास्फीति, जीडीपी अनुमान और वित्त वर्ष 2025 की आय वृद्धि जैसे कारक स्मॉल-कैप कंपनी के मूल्यांकन को प्रभावित कर सकते हैं और इस सेगमेंट में अस्थिरता पैदा कर सकते हैं। वित्तीय वर्ष 2023-24 में, स्मॉल-कैप फंडों में 40,188 करोड़ रुपये का प्रवाह देखा गया, जो पिछले वित्त वर्ष में देखे गए 22,103 करोड़ रुपये से कहीं अधिक है। हालांकि, मार्च के महीने में स्मॉल-कैप फंडों में दो साल में पहली बार 94 करोड़ रुपये का शुद्ध बहिर्वाह देखा गया।

एएमएफआई ने पेश किए आंकड़े - फरवरी के अंत में बाजार नियामक सेबी ने स्मॉल और मिड-कैप फंडों में बढ़ते झाग पर चिंता जताई थी और म्यूचुअल फंड हाउसों को इन फंडों में निवेश करने वाले निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए एक रूपरेखा तैयार करने का निर्देश दिया था, जिसके बाद ऐसा हुआ। पिछली कुछ तिमाहियों में म्यूचुअल फंड की छोटी और मिड-कैप योजनाओं में भारी प्रवाह की पृष्ठभूमि में यह चिंता सामने आई है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार, स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड की प्रबंधन के तहत संपत्ति (एयूएम) मार्च 2023 के अंत में 1.33 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 2.43 लाख करोड़ रुपये के शिखर पर पहुंच गई। 2022 में कवलिरेड्डी ने संपत्ति में भारी उछाल के लिए आकर्षक रिटर्न, सकारात्मक निवेशकों की भावना, पोर्टफोलियो विविधीकरण और खुदरा भागीदारी में वृद्धि जैसे कई कारकों को जिम्मेदार ठहराया। फिनवाइजर के संस्थापक और सीईओ जय शाह ने कहा कि वित्त वर्ष 2024 में स्मॉलकैप इंडेक्स में 60 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जो एयूएम में वृद्धि का बड़ा हिस्सा है।

न्यूज़ ब्रीफ

ईडी ने हेमंत सोरेन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में चार लोगों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और अन्य से जुड़े कथित अवैध भूमि हड़पने से जुड़े धनशोधन मामले में चार नई गिरफ्तारियां की हैं। अधिकारियों ने बताया कि जिन लोगों को धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत हिरासत में लिया गया है उनकी पहचान अंतू तिर्की, प्रिय रंजन सहाय, बिपिन सिंह और इरशाद के रूप में की गई है। ईडी ने तिर्की और कुछ अन्य के परिसरों की तलाशी ली थी। इन गिरफ्तारियों के साथ, इस मामले में हिरासत में लिए गए लोगों की कुल संख्या बढ़कर आठ हो गई है। पूर्व सीएम हेमंत सोरेन (48) को जनवरी में ईडी ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के तुरंत बाद गिरफ्तार किया था। वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में बिरसा मुंडा जेल में हैं। मुख्य आरोपी और राजस्व विभाग के पूर्व उपनिरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, मोहम्मद सद्दाम हुसैन और अफशर अली को भी गिरफ्तार किया गया है। सोरेन के खिलाफ जांच रांची में 8.86 एकड़ जमीन से जुड़ी है। ईडी का आरोप है कि इसे अवैध रूप से कब्जे में लिया गया था। एजेंसी ने सोरेन, प्रसाद और सोरेन के कथित फ्रंटमैन राज कुमार पाहन और हिलारियास कच्छप तथा पूर्व मुख्यमंत्री के कथित सहयोगी बिनोद सिंह के खिलाफ 30 मार्च को यहां विशेष पीएमएलए अदालत में आरोपपत्र दायर किया था। सोरेन ने मंगलवार को रांची की एक विशेष अदालत के समक्ष जमानत याचिका दायर की थी, जिसमें उन्होंने यह आरोप लगाया कि उनकी गिरफ्तारी राजनीति से प्रेरित और उन्हें भाजपा में शामिल होने के लिए मजबूर करने की एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा थी। ईडी ने रांची में स्थित जमीन भी कुर्क की है और अदालत से भूखंड जब्त करने का अनुरोध किया है। मनी लॉन्ड्रिंग की जांच झारखंड पुलिस की ओर से राज्य सरकार के अधिकारियों सहित कई लोगों के खिलाफ भूमि घोटाले के मामलों में दर्ज कई एफआईआर से संबंधित है। मामले में मुख्य आरोपी प्रसाद है, जो सरकारी रिकॉर्ड का संरक्षक था। ईडी ने एक बयान में कहा था कि उन पर आरोप है कि उन्होंने सोरेन समेत कई लोगों को भू-संपत्तियों के रूप में अवैध कब्जे, अधिग्रहण और अपराध से प्राप्त धन रखने से जुड़ी गतिविधियों में सहायता करके अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग किया।

भारत में काम करने के लिए टीसीएस सबसे अच्छा वर्कप्लेस: लिंक्डइन ने 2024 की बेस्ट कंपनियों की लिस्ट जारी की

नई दिल्ली। प्रोफेशनल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म लिंक्डइन ने भारत की 25 बेस्ट वर्कप्लेस वाली कंपनियों की लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज इस साल भी टॉप पर बनी हुई है। पिछले साल भी भारत में काम करने की सबसे अच्छी कंपनियों की लिस्ट में टीसीएस टॉप पर थी। वहीं, टॉप 25 कंपनियों की इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर एक्सेंचर, तीसरे नंबर पर कॉग्निजेंट, चौथे नंबर पर मैक्वेरी ग्रुप और पांचवे नंबर मॉर्गन स्टेनली है। लिंक्डइन ने कहा कि यह हमारी टॉप 25 कंपनियों की 8वीं एनुअल लिस्ट है, जो भारत में आपके करियर को आगे बढ़ाने के लिए ग्लोबल स्तर पर 5,000 से ज्यादा एम्प्लॉइज वाले वर्कप्लेस के बारे में बताती है। इस साल लिंक्डइन की लिस्ट में रिलायंस इंडस्ट्रीज नहीं मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज को लिंक्डइन ने इस साल टॉप 25 बेस्ट वर्कप्लेस कंपनियों की लिस्ट में शामिल नहीं किया है। जबकि, पिछले साल रिलायंस इंडस्ट्रीज टॉप 4 में शामिल थी। टॉप 5 कंपनियों में 3 आईटी और 2 फाइनेंस कंपनी लिंक्डइन की टॉप 25 बेस्ट वर्कप्लेस कंपनियों की लिस्ट में टॉप 3 कंपनियां आईटी सेक्टर से जुड़ी हुई हैं। जबकि, तीसरी और चौथी कंपनी फाइनेंस सेक्टर से जुड़ी हुई है। टॉप 15 बेस्ट वर्कप्लेस मिडसाइज कंपनियों की भी लिस्ट जारी लिंक्डइन ने इस साल टॉप 15 बेस्ट वर्कप्लेस मिडसाइज साइज कंपनियों की भी लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में भारत में कम से कम 250 एम्प्लॉइज और ग्लोबल स्तर पर कम से कम 5,000 एम्प्लॉइज वाली कंपनियों को शामिल किया है। लिंक्डइन ने इस लिस्ट पर पहले नंबर पर पुणे बेस्ड कंपनी लेंट्रा का रखा है। वहीं, दूसरे नंबर पर मेक माय ट्रिप, तीसरे पर रेडिंगटन लिमिटेड, चौथे पर इन्फो एज और पांचवे पर डिजिट इंश्योरेंस है।

2024 में भारत की वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रह सकती है, यूएनसीटीएडी ने अपनी रिपोर्ट में किया दावा

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां) । यूएनसीटीएडी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि 2024 में भी भारत में विकास दर में वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है। रिपोर्ट में चीन की ओर इशारा करते हुए कहा गया है कि बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपनी आपूर्ति श्रृंखला में विविधता लाने के लिए विनिर्माण के लिए में भारत पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार 2024 में भारत की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन ने जारी अपनी रिपोर्ट में कहा कि भारत ने 2023 में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि की और 2024 में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है, और यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बनी रहेगी।

रिपोर्ट में कहा गया है, 2023 में हुई वृद्धि मजबूत सार्वजनिक पूंजीगत निवेश ओर सेवा क्षेत्र की वृद्धि से प्रेरित रही। इस दौरान घरेलू बाजार में उपभोक्ता सेवाओं की मजबूत घरेलू मांग और व्यावसायिक सेवाओं के निर्यात के लिए दृढ़ बाहरी मांग से लाभ मिला। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन कारकों से 2024 में भी भारत में विकास को समर्थन जारी रहने की उम्मीद है। रिपोर्ट में चीन की ओर इशारा करते हुए कहा गया है कि बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपनी आपूर्ति श्रृंखला में विविधता लाने के लिए विनिर्माण के लिए में भारत पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं।

रिपोर्ट में कहा गया, आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने और भारत में अपनी विनिर्माण प्रक्रियाओं के विस्तार में बहुराष्ट्रीय कंपनियों की बढ़ती प्रवृत्ति से देश के निर्यात पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, जबकि कमोडिटी की कीमतों में नरमी देश के आयात बिल के लिए फायदेमंद होगी। पिछले हफ्ते, विश्व निकाय में लॉन्च की गई फ्लैगशिप 2024 फाइनेंसिंग फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट रिपोर्ट: फाइनेंसिंग फॉर डेवलपमेंट एट ए क्रॉसरोड्स ने कहा कि दक्षिण एशिया, खासकर भारत में निवेश मजबूत बना हुआ है।इसमें कहा गया है कि भारत को बहुराष्ट्रीय कंपनियों की बढ़ती दिलचस्पी से फायदा हो रहा है, जो विकसित अर्थव्यवस्थाओं की आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण रणनीतियों तहत देश (भारत) को वैकल्पिक विनिर्माण

आधार के रूप में देखते हैं।

आरबीआई की ओर से ब्याज दरों को स्थिर बनाए रखने की उम्मीद – यूएनसीटीएडी की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से निकट भविष्य में ब्याज दरों को स्थिर बनाए रखने की उम्मीद है, जबकि सार्वजनिक उपभोग पर रोक लगाने वाले खर्च की भरपाई मजबूत सार्वजनिक निवेश मद में खर्च से हो जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार हालांकि, अन्य दक्षिणी एशियाई देशों में, आर्थिक विकास अधिक मंद बना हुआ है। इस क्षेत्र के तीन देश बांग्लादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका वर्तमान में आईएमएफ से मदद ले रहे हैं, जिनकी शर्तों में सख्त मौद्रिक नीतियों और राजकोषीय मितव्ययिता उपायों को लागू करना है। जिसका प्रभाव कम आय वाले परिवार गंभीर रूप से महसूस कर रहे हैं। वैश्विक स्तर पर विकास दर 2024 में 2.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो 2023 के 2.7 प्रतिशत की तुलना में थोड़ा धीमा है।

लगातार तीसरे वर्ष वैश्विक अर्थव्यवस्था महामारी के पहले की तुलना में सुस्त – रिपोर्ट में कहा गया है कि 2024 लगातार तीसरा वर्ष होगा जिसमें वैश्विक अर्थव्यवस्था महामारी से पहले की तुलना में धीमी गति से बढ़ेगी। इससे पहले 2015 से 2019 के दौरान वैश्विक वृद्धि की औसत दर 3.2 प्रतिशत थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023 में वैश्विक आर्थिक विकास को धीमा करने के लिए जिन जोखिमों ने काफी हद तक खतरा पैदा किया था, वे पूरी तरह से अमल में नहीं आए। रिपोर्ट में कहा गया है, चीन, भारत, इंडोनेशिया, रूस, अमेरिका जैसी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं समेत कुछ अर्थव्यवस्थाएं इस साल की शुरुआत में आई वित्तीय संकट से बच गईं। इसके परिणामस्वरूप वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 2.7 प्रतिशत रही, जो वैश्विक मंदी की सीमा 2.5 प्रतिशत की सीमा से महज 0.2 प्रतिशत अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन की अर्थव्यवस्था 2024 में 4.9 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है, जो बाहरी अनिश्चितताओं, एक समस्याग्रस्त आवास बाजार, एक कम प्रदर्शन करने वाले श्रम बाजार और कम खपत जैसी कुछ विपरीत परिस्थितियों का सामना कर रही है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने जारी विश्व आर्थिक परिदृश्य के अपने नवीनतम संस्करण में कहा कि भारत में वृद्धि दर 2024 में 6.8 प्रतिशत और 2025 में 6.5 प्रतिशत पर मजबूत बने रहने का अनुमान है। यह वृद्धि दर घरेलू मांग में निरंतर मजबूती और बढ़ती कामकाजी उम्र की आबादी के प्रभाव को दर्शाती है।

ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन का दावा- 5 लखकरोड़ डॉलर की हे जएगी जीडीपी बलरख्ह है भस्तक नैकरी बज

नई दिल्ली, 17 अप्रैल । अर्थव्यवस्था की तेजी से 2028 तक देश में बेरोजगारी दर 0.97 फीसदी घटकर 3.68 फीसदी पहुंच सकती है। इस दौरान जीडीपी बढ़कर 5 लाख करोड़ डॉलर हो जाएगी। ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन यानी ओआरएफ की रिपोर्ट के अनुसार, इस साल बेरोजगारी की दर 4.47 फीसदी रहने का अनुमान है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत के नौकरी बाजार में बदलाव आ रहा है, क्योंकि देश कोविड-19 महामारी के बाद दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। देश की युवा आबादी, जिसकी औसत आयु 28.4 वर्ष है, आर्थिक विस्तार को बढ़ावा देने में प्रमुख योगदान रहेगा। रिपोर्ट के अनुसार, 7.8 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर के साथ, भारत संभावित रूप से 2026-27 तक 5 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। यह वृद्धि मजबूत निजी खपत और सार्वजनिक निवेश के जरिये होगी। रिपोर्ट उन क्षेत्रों की पहचान करती है जिन्हें देश की 18-35 वर्ष की आयु की 60 करोड़ से अधिक आबादी आकांक्षी मानती है, क्योंकि ये क्षेत्र आने वाले वर्षों में विकास के इंजन के रूप में कार्य कर सकते हैं।

रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि जैसे-जैसे भारत 5 लाख करोड़ डॉलर के लक्ष्य के करीब पहुंचेगा, कुल रोजगार में 22 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। सेवा क्षेत्र में महत्वपूर्ण रोजगार पैदा होने वाला है। प्रत्येक इकाई की वृद्धि से रोजगार में 0.12 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है।

प्रयासों के बावजूद विनिर्माण क्षेत्र में घट रहीं नौकरियां

भारत के विनिर्माण क्षेत्र के अनुमान कम आशावादी हैं। भारत से अमेरिका के बढ़ते आयात, भारत की प्रतिस्पर्धी लागत संरचनाओं और श्रम संसाधनों और मेक इन इंडिया जैसी प्रमुख योजनाओं के माध्यम से विनिर्माण के लिए सरकार के दबाव के बावजूद, इस क्षेत्र में रोजगार में गिरावट आई है।

ऑटोमेशन से रोजगार पर संदेह

तकनीकी प्रगति और बढ़े हुए ऑटोमेशन से देश की बढ़ती कार्यबल को समाहित करने की क्षमता पर संदेह बना हुआ है। सेवा क्षेत्र से जुड़ी औद्योगिक मूल्य श्रृंखलाओं की ओर परिवर्तन से रोजगार को फिर से जीवंत करने में मदद मिल सकती है।

एप्पल का लक्ष्य है चीन पर निर्भरता कम करने के लिए भारत में आईफोन कैमरा मॉड्यूल को असेंबल करना

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां) । एप्पल चीन पर अपनी निर्भरता जैसे-जैसे कम कर रहा है, आईफोन निर्माता भारत में निवेश बढ़ा रहा है और कथित तौर पर फोन कैमरा मॉड्यूल के लिए उप-घटकों (सब-कंपोनेंट्स) को इकट्ठा करने के लिए टाटा समूह की टाइटन कंपनी और मुरुगप्पा समूह के साथ बातचीत कर रहा है। इसका मकसद है मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा देना और देश को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का एक अभिन्न अंग बनना।

रिपोर्टों के अनुसार, आईफोन के कैमरा मॉड्यूल के लिए इस समय कोई भारतीय आपूर्तिकर्ता नहीं है, जो प्रौद्योगिकी का एक परिष्कृत हिस्सा हो और इस कदम से चीनी आपूर्तिकर्ताओं पर एप्पल की निर्भरता कम हो सकती हो।

मुरुगप्पा और टाटा के टाइटन दोनों के पास उच्च परिशुद्धता विनिर्माण में एक ठोस पृष्ठभूमि है।

टाइटन और मुरुगप्पा दोनों पहले ही देश में चिप असेंबली इकाई स्थापित करने के लिए

पीएलआई योजना के तहत सरकारी प्रोत्साहन के लिए अर्हता प्राप्त कर चुके हैं।

टाटा या मुरुगप्पा समूह ने रिपोर्टों पर तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की।

टाटा समूह ने पिछले साल ताइवानी इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता विस्ट्रॉन के भारत परिचालन का 125 मिलियन डॉलर में अधिग्रहण किया था। कथित तौर पर यह चेन्नई के पास पेगाट्रॉन की आईफोन विनिर्माण सुविधा का अधिग्रहण करने पर भी नजर गड़ाए हुए है। पिछले साल के अंत में रिपोर्टें सामने आईं कि टाटा समूह तमिलनाडु के होसुर में भारत के सबसे बड़े आईफोन असेंबली प्लांट में से एक बनाने की योजना बना रहा है।

2023-24 में दालों का आयात दोगुना हुआ, देश में उत्पादन घटने से चालू वित्त वर्ष में भी हो सकता है इजाफा

नई दिल्ली, 17 अप्रैल । सरकार की ओर से किसानों को प्रोत्साहन देने के कई उपायों बावजूद आयातित दालों पर भारत की निर्भरता बनी हुई है। हमें अब भी घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए बड़ी मात्रा में दलहन उत्पादों का आयात करना पड़ रहा है। अनुमानित आंकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2023-24 में दालों का आयात लगभग दोगुना हो गया और 3.74 अरब डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि आधिकारिक आंकड़े अब भी आने बाकी हैं लेकिन शिपमेंट्स से पता चलता है कि करीब 45 लाख टन दाल का आयात किया गया। इससे पिछले साल यह आंकड़ा 24.5 लाख टन का था।

सरकार से जुड़े सूत्रों ने एएनआई को बताया कि घरेलू बाजार में दलहन के मांग की पूर्ति और कीमतों को

स्थिर रखने के लिए केंद्र ब्राजील और अर्जेंटीना जैसे नए बाजारों के साथ दीर्घकालिक समझौते पर बातचीत कर रहा है। ब्राजील से 20,000 टन उड़द का आयात होना है जबकि अर्जेंटीना से अरहर के आयात के लिए बातचीत लगभग अंतिम पड़ाव पर है। सरकार ने दालों के आयात के लिए मोजाम्बिक, तंजानिया और म्यांमार से भी संपर्क किया है। हाल के दिनों में दालों के आयात में वृद्धि से घरेलू बाजार में आपूर्ति बढ़ेगी, जिससे कीमतें स्थिर सकतीं हैं।

इससे पहले सरकार ने पीले मटर के आयात को जून तक ड्यूटी फ्री कर दिया है। वहीं, अरहर और उड़द का आयात 31 मार्च 2025 तक कर मुक्त कर दिया गया है। देश में आम चुनावों की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है ऐसे में सरकार के लिए दालों की कीमतें ना बढ़ें यह बड़ी चिंता का विषय है। कीमतों पर नियंतण के लिए दालों के स्टॉक के लिए लिमिट तय कर दी है। सरकार ने राज्यों से भी कहा है कि वे भी जमाखोरी रोकने के लिए सतर्क रहें। सरकार की चिंता कारण यह है कि किसानों को प्रोत्साहन देने के कई कदम उठाने के बावजूद पिछले दो से तीन वर्षों में दलहन का उत्पादन घटा है। कृषि मंत्रालय के अनुमानों के अनुसार इस साल दलहन का उत्पादन 234 लाख टन रह सकता है। पिछले साल 261 लाख टन दलहन का उत्पादन हुआ था।

चिप निर्माण के लिए अरबों डॉलर की सब्सिडी देना सही नहीं, पूर्व आरबीआई गवर्नर ने की आलोचना

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां) । भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने चिप निर्माण पर भारत की ओर से अरबों डॉलर खर्च करने की आलोचना की है। राजन ने कहा है कि इन चिप विनिर्माण कारखानों को सब्सिडी देने के लिए कई अरब खर्च किए जाने हैं जबकि दूसरी ओर कई रोजगार देने वाले क्षेत्र अच्छा नहीं कर रहे हैं और उन पर किसी का ध्यान नहीं है।

रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने मंगलवार को कहा कि भारत लोकतंत्र से मिलने वाले लाभ नहीं उठा पा रहा है। जॉर्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय में आयोजित सम्मेलन भारत को 2047 तक उन्नत अर्थव्यवस्था बनाना: इसके लिए क्या चाहिए में राजन ने कहा, मुझे लगता है कि यह लोकतंत्र से लाभ उठाने का समय है, लेकिन समस्या यह है कि हम लाभ नहीं उठा रहे हैं।

राजन बोले- हम जनसंख्या से लाभ के मामले में चीन और कोरिया से काफी पीछे

पूर्व आरबीआई गवर्नर ने कहा, इसलिए मैंने छह प्रतिशत वृद्धि की बात कही थी। अगर आपको पता करना है कि हम अभी क्या हैं, तो जीडीपी के आंकड़ों में उछाल को दूर करें। हम 6 प्रतिशत जनसांख्यिकीय लाभांश के बीच में है। यह चीन और कोरिया के जनसंख्या के लाभ से काफी कम है। जब हम कहते हैं कि यह बहुत अच्छा है तो हम अत्यधिक उलझ रहे हैं। ऐसा इसलिए नहीं है कि हम जनसांख्यिकीय लाभांश खो रहे हैं बल्कि ऐसा इसलिए है क्योंकि हम लोगों को नौकरी नहीं दे रहे हैं।

उन्होंने कहा, और यह हमें इस सवाल की ओर ले जाता है कि हम उन नौकरियों का निर्माण कैसे करते हैं राजन ने कहा कि हमें आंशिक रूप से हमारे पास मौजूद लोगों की क्षमताओं बढ़ाने की जरूरत है, आंशिक रूप से उपलब्ध नौकरियों की प्रकृति को बदलना जरूरी है। हमें दोनों मोर्चों पर काम करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा, कांग्रेस के घोषणापत्र में अप्रेंटिसशिप का का विचार काम के लायक है। मुझे लगता है कि इसे प्रभावी बनाने के लिए बहुत कुछ किए जाने की जरूरत है, लेकिन हमें कई और ऐसे छात्रों की जरूरत है ताकि वे कम से कम अच्छा काम करने में सक्षम हों।

राजन ने चिप निर्माण पर भारत की ओर से अरबों डॉलर खर्च करने की आलोचना की। राजन ने कहा, इन चिप कारखानों के बारे में सोचो। चिप विनिर्माण को सब्सिडी देने के लिए कई अरब जा रहे हैं। राजन ने कहा कि दूसरी ओर चमड़ा जैसे कई रोजगार देने वाले गहन क्षेत्र अच्छा नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम कई क्षेत्रों में नीचे जा रहे हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि हमारे पास नौकरी की समस्या अधिक है। ऐसा नहीं है कि पिछले 10 वर्षों में नौकरी की समस्या पैदा हुई। यह पिछले कुछ दशकों से बढ़ रहा है।

रोजगार देने वाले गहन क्षेत्रों की उपेक्षा करना सही नहीं: राजन

राजन ने कहा कि लेकिन अगर आप उन क्षेत्रों की उपेक्षा करते हैं जो अधिक गहन हैं, तो यह सही नहीं है। उन्होंने कहा, मैं यह नहीं कह रहा हूं कि हमें अब चमड़ा उद्योग के लिए सब्सिडी की पेशकश करने की आवश्यकता है, लेकिन हमें यह पता लगाना चाहिए कि वहां क्या गलत हो रहा है और हमें कोशिश करनी चाहिए कि इसमें सुधार हो।

एक सवाल के जवाब में राजन ने कहा कि बड़ी संख्या में भारतीय अब सिंगापुर या सिलिकॉन वैली जा रहे हैं क्योंकि उन्हें वहां से बाजारों तक पहुंच बनाना आसान लगता है। उन्होंने कहा, हमें यह पूछने की जरूरत है कि ऐसा क्या है जो उन्हें भारत के अंदर रहने के बजाय भारत से बाहर जाने के लिए मजबूर करता है

विराट कोहली वाली मानसिकता पर क्या बोले राजन

पूर्व आरबीआई गवर्नर ने विराट कोहली वाली मानसिकता के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि भारत के युवाओं की मानसिकता विरोट कोहली जैसी है, मतलब वे किसी से कम नहीं हैं। वे लोग दुनिया को बदलना चाहते हैं। वे वैश्विक स्तर पर अपना विस्तार करना चाहते हैं। राजन ने कहा कि वास्तव में दिल को छू लेने वाली बात यह है कि कुछ उद्यमियों से बात करने पर पता चलता है कि वे दुनिया को बदलने की उनकी इच्छा रखते हैं पर उनमें से कई देश में रहकर खुश नहीं हैं। वे वास्तव में विश्व स्तर पर अधिक विस्तार करना चाहते हैं पर उन्हें मौके नहीं मिल रहे।

पीएचडी रेलवे में चपरासी के पद के लिए कर रहे आवेदन, राजन ने कसा तंज

राजन ने कहा कि क्षेत्र चाहे कोई भी हो चाहे वह सेवा, विनिर्माण या कृषि निर्माण हो भारत में समस्या है। इस बारे में सबाके पता है और मुझे विस्तार से बताने की आवश्यकता नहीं है। बेरोजगारी की संख्या अधिक है। श्रम शक्ति की भागीदारी कम है, महिला श्रम शक्ति की भागीदारी वास्तव में खतरनाक रूप से कम है। उन्होंने कहा कि हालांकि हाल के दिनों में कृषि और नौकरियों की हिस्सेदारी बढ़ रही है। बेरोजगारी का असर उच्च शिक्षित लोगों के सरकारी नौकरियों के लिए आवेदन करने की संख्या देखने से पता पता है। पीएचडी रेलवे में चपरासी के पद पर नौकरी के लिए आवेदन कर रहे हैं।

सुरक्षा कारणों से ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में बदलाव संभव, पहली बार पर्पल रंग का एथलेटिक ट्रैक

पेरिस, 17 अप्रैल (एजेंसियां) ।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा है कि पेरिस ओलंपिक के होने वाले उद्घाटन समारोह को सुरक्षा कारणों के चलते प्रस्तावित सीन नदी की जगह स्टेडियम में स्थानातंरित भी किया जा सकता है। पेरिस में 26 जुलाई से 11 अगस्त तक ओलंपिक और पैरालंपिक का आयोजन किया जाना है। फ्रांस को हाई अलर्ट पर रखा गया है क्योंकि इन आयोजनों के दौरान दुनिया भर से लोग पेरिस आएंगे। मूल कार्यक्रम के अनुसार सीन नदी के 6 किलोमीटर के रूट पर खुले आसमान के नीचे नावों पर 10,500 एथलीटों की परेड निकलेगी।

ऐसा पहली बार हो रहा है कि ओलंपिक का उद्घाटन समारोह स्टेडियम के बाहर आयोजित किया जा रहा है। लगभग तीन लाख दर्शक नदी के किनारों से समारोह का अवलोकन कर सकेंगे।

मैक्रों ने कहा कि अगर हमें लगता है कि जोखिम होगा जो हमारे सुरक्षा विश्लेषकों के आकलन पर निर्भर करेगा तो हमारे पास बी और सी योजना भी है।

पेरिस ओलंपिक में पहली बार पर्पल रंग का एथलेटिक ट्रैक

आगामी पेरिस ओलंपिक में एथलीटों को पर्पल रंग के ट्रैक पर रिकॉर्ड बनाने का मौका मिलेगा। ऐसा पहली बार हो रहा है कि जब ओलंपिक में ट्रैक परंपरागत लाल की जगह पर्पल रंग का होगा। रबड़ ट्रैक उत्तरी इटली की फैक्टरी में तैयार किया गया है जिसे स्टेड डी फ्रांस राष्ट्रीय स्टेडियम में लगाया जाएगा जहां ट्रैक एंड फील्ड की स्पर्धाएं होंगी।

उन्होंने कहा कि सुरक्षा जोखिम को कम करने के मद्देनजर एथलीटों की परेड के कार्यक्रम को छोटा किया जा सकता है अथवा यह भी हो सकता है हम उद् घाटन समारोह को परंपरागत रूप से स्टेडियम में ही कराएं। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि अभी कार्यक्रम पूर्ववत है। विश्व में ऐसा पहली बार हो रहा है और हम ऐसा करेंगे।

रबड़ के एक हजार से ज्यादा टुकड़ों को जोड़कर लगभग एक महीने में ट्रैक तैयार किया जाएगा और काफी मात्रा में ग्लू की जरूरत पड़ेगी। पिछले टोक्यो ओलंपिक में लाल ट्रैक पर तीन विश्व रिकॉर्ड और 12 ओलंपिक रिकॉर्ड बने थे। मांट्रियल में 1976 से लेकर अब तक मोंडो कंपनी ही हर ओलंपिक में ट्रैक तैयार करती है।

न्यूज ब्रीफ

पैरा तीरंदाज शीतल का शानदार प्रदर्शन खेलो इंडिया राष्ट्रीय मीट में सक्षम खिलाड़ियों के बीच जीता रजत

नई दिल्ली। एशियाई पैरा खेलों की स्वर्ण विजेता शीतल देवी ने खेलो इंडिया एनटीपीसी राष्ट्रीय रैंकिंग तीरंदाजी प्रतियोगिता में सक्षम खिलाड़ियों के बीच रजत पदक जीता। वह हरियाणा की एकता रानी के बाद दूसरे स्थान पर रहीं जो जूनियर विश्व चैंपियन हैं। डीडीए यमुना खेल परिसर में आयोजित प्रतियोगिता में 17 वर्षीय शीतल ने सक्षम जूनियर तीरंदाजों के साथ प्रतिस्पर्धा की और व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा के फाइनल में एकता से 138-140 से हार गईं। इस साल की शुरुआत में हांगझोउ एशियाई पैरा खेलों में दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीतने के लिए अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित शीतल का जन्म फोकोमेलिया नामक एक दुर्लभ बीमारी के साथ हुआ था। वह पहली और एकमात्र अंतरराष्ट्रीय पैरा तीरंदाज हैं जिनकी बांह नहीं है। शीतल का मानना है कि खेलो इंडिया प्रतियोगिता में उनके प्रदर्शन से उन्हें आगे की चुनौतियों के लिए तैयार होने में मदद मिलेगी। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) की प्रेस विज्ञप्ति में शीतल के हवाले से कहा गया, ''इस नतीजे से मुझे अंतरराष्ट्रीय मंचों और ओलंपिक में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। एकता को स्वर्ण पदक जीतने के लिए 50 हजार रुपये की पुरस्कार राशि मिली जबकि शीतल को 40 हजार रुपये मिले। टूर्नामेंट तीन श्रेणियों - सीनियर, जूनियर और सब जूनियर रिकर्व तथा कंपाउंड वर्ग में आयोजित किया गया था। इस प्रतियोगिता में 87 तीरंदाजों ने भाग लिया।

गांगुली ने अपनी किताब में पाक तेज गेंदबाज शोएब अख्तर को लेकर अहम खुलासे किये

कोलकाता । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान कई पाकिस्तानी खिलाड़ियों से उनकी दोस्ती हुई। गांगुली के अनुसार इनमें वसीम अकरम, इंजमाम उल हक और शोएब अख्तर जैसे खिलाड़ी थे। गांगुली ने अपनी किताब 'वन सेंचुरी इज नॉट इनफ में भी इसका जिक्र किया है। सौरव के अनुसार, 2004 की भारत-पाकिस्तान क्रिकेट सीरीज के दौरान एक बार उन्होंने दिग्गज तेज गेंदबाज शोएब अख्तर को रावलपिंडी के वनडे मैच से पहले रात 11 बजे अकेले गेंदबाजी का अभ्यास करते हुए देखा था जिससे उन्हें हैरानी भी हुई थी। पहले लगा कि वह बेहद गंभीर हैं। बाद में मुझे लगा कि हमने इस मैच से पहले हमने उन्हें पटरी से उतारने की बात कही थी शायद उसी के डर से वह अभ्यास कर रहे थे। उन्होंने इस वाकये के साथ ही कई अन्य बातों के बारे में भी अपनी किताब में बताया है। सौरव ने इस किताब में लिखा, 'पाकिस्तान के साथ इतने लंबे समय तक खेलने के दौरान मेरे कई दोस्त बन गए। वसीम, वकार, इंजमाम उल हक और शोएब अख्तर के साथ मेरा पहला सामना ईडन गॉर्डस पर हुआ जहां उसने एक के बाद एक गेंदों पर सचिन और द्रविड़ को आउट करके भारतीय टीम को झटका दिया है। जब हम ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर थे तो शोएब ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को लिखकर सीनियर प्लेयर्स के बराबर वेतन दिए जाने की मांग की थी।

धर्मशाली स्टेडियम हुआ अत्याधुनिक, पहली हाइब्रिड पिच बनी : एचपीसीए

मुम्बई । खूबसूरत वादियों में घिरे हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में अब देश की पहली अत्याधुनिक हाइब्रिड पिच भी बनायी गयी है। अब धर्मशाला स्टेडियम बीसीसीआई की मान्यता प्राप्त पहला स्टेडियम बन गया है जिसमें ये हाइब्रिड पिच बनायी गयी है। इस पिच पर आईपीएल के दो मैच भी खेले जाने हैं। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ (एचपीसीए) अध्यक्ष आर पी सिंह ने कहा कि नीदरलैंड की एसआईएस ग्रास कंपनी ने ये पिच बनायी है। ये पिच अधिक टिकाऊ, स्थिर रहेगी और इसका प्रदर्शन भी अच्छा रहेगा। साथ ही कहा, हाइब्रिड पिच तकनीक के आने से देश में क्रिकेट को काफी लाभ होगा। पारंपरिक सतहें कठोर प्रशिक्षण कार्यक्रम का सामना नहीं कर सकती हैं और जल्दी खराब हो जाती हैं, जिससे खिलाड़ियों के लिए अभ्यास के अवसर कम हो हो जाते हैं जबकि हाइब्रिड पिच लंबे समय तक चलती है इसलिए कोई परेशानी नहीं आती।

दिल्ली ने गुजरात को छह विकेट से किया पराजित

अहमदाबाद, 17 अप्रैल (एजेंसियां)।

दिल्ली कैपिटल्स ने गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद जेक फ्रेजर-मक्गर्क (20) रन और शे होप (19) रनों की शानदार पारियों के दम पर बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग के 32वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस को छह विकेट से पराजित कर दिया।दिल्ली की टीम ने 90 रनों के छोटे लक्ष्य को हासिल करने के लिए तेज शुरुआत की। हालांकि उसे दूसरे ही ओवर में उसे सलामी बल्लेबाज जेक फ्रेजर-मक्गर्क का विकेट गवांना पड़ा। जेक फ्रेजर ने 10 गेंदों में दो चौके और दो छक्के लगाते हुए (20) रन बनाये।

तीसरे ओवर में पृथ्वी शॉ भी सात रन बनाकर पवेलियन लौट गये। अभिषेक पोरेल ने सात गेंदों में चौके और एक छक्के की मदद से (15) रन बनाये। चौथे विकेट के रूप में शे होप 10 गेंदों में (19) रन बनाकर आउट हुये। उन्होंने एक चौका और दो छक्के लगाये। कप्तान ऋषभ पंत (16) और सुमित कुमार (नौ) रन बनाकर नाबाद रहे।

दिल्ली ने 8.5 ओवर में चार विकेट पर 94 रन बनाकर छह विकेट से मुकाबला जीत लिया।गुजरात की ओर से संदीप वारियर को दो विकेट मिले। स्पेंसर जॉनसन और राशिद खान ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात की टीम शुरुआत से ही लड़खड़ाती रही और एक-एक बल्लेबाज पवेलियन लौटते गये। गुजरात का पहला विकेट कप्तान शुभमन गिल (8) के रूप में गिरा। उसके बाद ऋद्धिमान साहा (2) रन पर पवेलियन लौट गये। इसके बाद विकेटों का पतझड़ शुरु हो गया है। साई सुदर्शन (12), डेविड मिलर (2), अभिनव मनोहर (8), राहुल तेवतिया (10) शाहरुख खान (शून्य), मोहित शर्मा (2), नूर अहमद (1) रन बनाकर आउट हुये। गजरात की ओर से राशिद खान 24 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए सर्वाधिक (31) रन बनाये। स्पेंसर जॉनसन एक रन बनाकर नाबाद रहे। गुजरात की पूरी टीम 17.3 ओवर में 89 रन पर सिमट गई थी।दिल्ली कैपिटल्स की ओर से मुकेश कुमार ने तीन विकेट लिये। इशांत शर्मा और ट्रिस्टन स्टब्स को दो-दो विकेट मिले। अक्षर पटेल और खलील अहमद ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

बिना तैयारियों के ओलंपिक क्वालिफायर खेलेंगे पहलवान, टूर्नामेंट के लिए नहीं लगा तैयारी शिविर

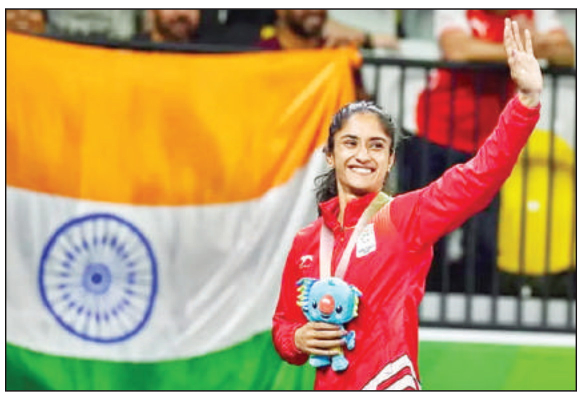

नई दिल्ली,17 अप्रैल (एजेंसियां) ।

कुश्ती पर विवादों के साये ने ओलंपिक क्वालिफायर जैसे टूर्नामेंट के लिए पहलवानों की तैयारियों को छीन लिया। भारतीय टीम के पहलवान बिना तैयारियों के देश को पेरिस ओलंपिक का कोटा दिलाने बिश्केक (किर्गिस्तान) रवाना हो गए। ओलंपिक क्वालिफायर जैसे टूर्नामेंट के लिए पुरुष और महिला पहलवानों का कोई तैयारी शिविर नहीं लगाया गया। पहलवान अपने स्तर पर अखाड़ों में तैयारी कर क्वालिफायर में उतरने जा रहे हैं। अभी तक भारत को कुश्ती में सिर्फ एक ओलंपिक कोटा मिला है, जो अंतिम पंघाल ने दिलाया है।

महासंघ ने विनेश का भी डाला था नाम

सूत्रों की मानें तो खेल मंत्रालय की ओर से भारतीय कुश्ती महासंघ पर लगे निलंबन के चलते ओलंपिक क्वालिफायर के लिए पहलवानों का तैयारी शिविर नहीं लग सका। कुश्ती महासंघ ने 27 मार्च से पुरुषों का शिविर सोनीपत और महिला पहलवानों का शिविर गांधीनगर या पटियाला, बंगलूरू में लगाने की सिफारिश साई से की थी। शिविर में ग्रीकोरोमन, फ्रीस्टाइल और महिला वर्ग के 120 से अधिक पहलवानों का नाम दिया गया था, जिसमें विनेश फोगाट समेत ओलंपिक क्वालिफायर की टीम में शामिल पहलवान भी शामिल थे। महासंघ के प्रस्ताव पर साई ने कोई फैसला नहीं लिया।

महासंघ ने भी लगाया शिविर

साई की ओर से शिविर को मंजूरी नहीं दिए जाने के बाद कुश्ती महासंघ ने भी अपने स्तर पर टूर्नामेंट के लिए कोई तैयारी शिविर नहीं लगाया। जिसके चलते पहलवान अपने स्तर पर ही तैयारियां करने को मजबूर रहे। क्वालिफायर की फ्रीस्टाइल टीम में अमन (57), सुजीत (65), जयदीप (74), दीपक पूनिया (86), दीपक (97), सुमित (125) और महिला टीम में विनेश (50), अंशु (57), मानसी (62), निशा (68), रीतिका (76 भार वर्ग) शामिल हैं। विनेश को छोड़ 16 पहलवान मंगलवार की सुबह बिश्केक रवाना हुए हैं।

ग्रीस के ओलंपिया में जलाई गई पेरिस ओलिंपिक मशाल

26 जुलाई से शुरू होगें गेम्स, ग्रीस की राष्ट्रपति कैटरीना एन सकेलारोपोलू सेरेमनी में मौजूद रहीं

मुम्बई, 17 अप्रैल (एजेंसियां) ।

पेरिस ओलिंपिक 2024 की मशाल मंगलवार को ग्रीस के ओलंपिया में जलाई गई। इस मशाल को सूर्य की किरणों से जलाया जाता है। आज से पूरे विश्व में मशाल की यात्रा शुरू हो जाएगी। आखिर में यह पेरिस में जा कर रुकेगी। इसे ग्रीक एक्ट्रेस मैरी मीना ने जलाया।

पेरिस ओलिंपिक में 100 दिन बचे हैं। पेरिस ओलिंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त के बीच होना है। यह सेरेमनी (ओलिंपिक प्लेम लाइटिंग सेरेमनी) मंगलवार को इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी के अध्यक्ष थॉमस बाक की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान ग्रीस की राष्ट्रपति कैटरीना एन सकेलारोपोलू भी मौजूद रहीं।

1928 से जलाई जा रही है ओलिंपिक मशाल

इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी के तत्वावधान में पहला ओलिंपिक 1896 में हुआ। जो एथेंस के पैनाथेनिक स्टेडियम में खेला गया। साल 1928 में नीदरलैंड्स के एम्सटर्डम में आयोजित ओलिंपिक से मशाल जलाने का विचार आया। 1936 में बर्लिन (जर्मनी) ओलिंपिक गेम्स से ओलिंपिक रिले की

शुरुआत हुई। ओलिंपिक लौ प्राचीन और आधुनिक खेलों को जोड़ने की एक कड़ी मानी जाती है। पेरिस ओलिंपिक्स में ट्रैक का कलर पर्पल होगा पेरिस ओलिंपिक में ट्रैक इस बार बैंगनी कलर का होगा। सामान्य रूप से ट्रैक लाल कलर में होता है। टोक्यो में हुए ओलिंपिक गेम्स में ट्रैक लाल कलर का था। पेरिस ओलिंपिक में एथलेटिक्स प्रतियोगिता के इंचार्ज और पूर्व ओलिंपियन एलेन ब्लोंडेल ने कहा है कि ट्रैक का रंग बैंगनी देने की वजह यह है कि बैंगनी कलर पेरिस ओलिंपिक खेल के रंगों में से एक है। हाल ही ओलिंपिक एसोसिएशन ने पेरिस ओलिंपिक खेल के लिए तीन रंगो को चयनित किया था।

एम्बाप्पे के गोल से पीएसजी चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में

बार्सिलोना,17 अप्रैल (एजेंसियां) ।

किलियन एम्बाप्पे के दो गोल की मदद से पेरिस सेंट-जर्मेन ने मंगलवार रात एस्टाडी ओलम्पिक लुलिस में एफसी बार्सिलोना पर 4-1 से दूसरे चरण की रोमांचक जीत (कुल मिलाकर 6-4) के बाद यूईएफए चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पीएसजी घरेलू हार और दो गोल से पिछड़ने के बाद उबर गया क्योंकि एम्बाप्पे ने पेनल्टी को गोल में बदल दिया और 4-1 से दूसरे चरण की जीत के साथ सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

पेरिसियों ने चुनौतीपूर्ण शुरुआत करते हुए मैच का पहला गोल खा लिया, जब रफिन्हा ने 12वें मिनट में गोल करके स्कोर 1-0 और कुल स्कोर 4-2 कर दिया। रोनाल्ड अराउजो ने लुइस एनरिक और उनकी टीम को पहले हाफ के बीच में जीवनदान दिया। अराउजो को सीधे लाल कार्ड मिला, जिससे बार्सिलोना को मैच के अधिकांश समय में दस खिलाड़ियों के साथ रहना पड़ा। लीग 1 की रिपोर्ट के अनुसार, पीएसजी ने स्थिति का फायदा उठाया और 40वें मिनट में ओस्मान डेम्बेले ने गोल करके मैच को 1-1 से बराबर कर दिया, जिससे कुल स्कोर 4-3 हो गया। दूसरे हाफ में, पीएसजी ने एक अतिरिक्त खिलाड़ी के साथ खेलने का फायदा उठाते हुए मुकाबले को पलट दिया। वितिन्हा ने 54वें मिनट में गोल करके कुल स्कोर 4-4 कर दिया और लीग 1 टीम ने मैच में 2-1 की बढ़त बना ली। डेम्बेले ने फिर से अपनी पूर्व टीम को परेशान किया क्योंकि 26 वर्षीय खिलाड़ी ने पेरिसियों के लिए पेनल्टी किक जीती। एम्बाप्पे ने 64वें मिनट में मौके को भुनाकर पीएसजी को मुकाबले में 3-1 की बढ़त और कुल स्कोर पर 5-4 की बढ़त दिला दी।

नेपोमनियाच्ची से ड्रॉ खेलकर गुकेश की बढ़त कायम, प्रगनानंदा और गुजराती ने भी ड्रॉ खेला

टोरंटो (कनाडा) ,16 अप्रैल (एजेंसियां) ।

डी गुकेश ने 10वें दौर के बाद अकेली बढ़त पर आने का मौका खो दिया। गुकेश ने अपने साथ बढ़त साझा कर रहे रूस के इयन नेपोमनियाच्ची से ड्रॉ खेला। अगर इस बाजी में वह जीतते तो अकेली बढ़त पर आ सकते थे। अब दोनों खिलाडियों के छह-छह अंक हैं और दोनों अभी भी संयुक्त बढ़त पर हैं। वहीं आर प्रगनानंदा (5.5) और विदित गुजराती (5) के बीच मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ।

दूसरी ओर शीर्ष वरीय अमेरिका के फैबियानो कारुआना और उनके साथी हिकारु नाकामुरा ने जीत हासिल कर प्रगनानंदा के साथ तीसरा स्थान हासिल कर लिया। कारुआना (5.5) ने फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा (3.5) को और नाकामुरा (5.5) ने अजरबैजान के निजात एबासोव (3) को हराया। महिला वर्ग में आर वैशाली (3.5) ने हार का क्रम तोड़ते हुए बुल्गारिया की नुरग्यूल सालिमोवा (4) को हराया। महिला वर्ग में चीन की झोंगयी तान और ली टिंगजी 6.5 अंक के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं।

गुजराती ने प्रगनानंदा को आसानी से ड्रॉ पर रोका

गुकेश के खिलाफ नेपोमनियाच्ची सफेद मोहरों से खेल रहे थे। शुरुआत में गुकेश समय के दबाव में भी फंसे। बावजूद इसके वह उन्होंने नियंत्रण बनाकर रखा। हालांकि नेपोमनियाच्ची काफी संभलकर खेल रहे थे और जोखिम लेने के मूड में कतई नहीं दिखे। वह 10 दौर के बाद टूर्नामेंट में अकेले खिलाड़ी हैं, जो अब तक हारे नहीं हैं। प्रगनानंदा को भी अभी तक टूर्नामेंट में एक हार गुकेश के खिलाफ मिली है। वह गुजराती के खिलाफ सफेद मोहरों से खेल रहे थे। गुजराती ने उनके खिलाफ बर्लिन डिफेंस का सहारा लिया और आसानी से बाजी ड्रॉ करा सी। 11वें दौर में प्रगनानंदा नाकामुरा से, गुकेश कारुआना से और गुजराती नेपोमनियाच्ची से भिड़ेंगे।

हंपी और झोंगयी के बीच हुआ संघर्ष

महिला वर्ग में ली टिंगजी ने रूस की अलेक्जेंद्रा गोर्याचकिना (5.5) के अपराजेय क्रम को तोड़ दिया। टिंगजी की पिछले पांच दौर में यह चौथी जीत रही। वहीं उनके साथ संयुक्त बढ़त पर चल रहीं झोंगयी तान ने कोनेरू हंपी (4.5) के साथ ड्रॉ खेला। हंपी पांचवें स्थान पर हैं। उन्हें खिताब की दौड़ में आने के लिए जीत हासिल करनी थी। दोनों ने 72 चाल में ड्रॉ खेला। वैशाली ने 88 चाल में छह घंटे के संघर्ष में सालिमोवा को हराया।

डायटीशियन की खूब है डिमांड

सैलरी भी होती है आकर्षक

बदलते समय ने हमारी दिनचर्या और खानपान की आदतों में काफी बदलाव ला दिया है। जंक फूड के नाम से सुपरिचित अनेक खाद्य पदार्थ और शीतल पेय अनगिनत लोगों की जीवन शैली का महत्वपूर्ण अंग बन चुके हैं। इस तरह उपयुक्त पौष्टिक व सुपाच्य आहार के अभाव में लोग पाचन सेबन्धी व अन्य शारीरिक परेशानियों का सामना करने को मजबूर हो रहे हैं। ऐसे में खानपान सेबन्धी सही जानकारी देने के लिए योग्य व्यक्ति की आवश्यकता पड़ती है। यह कार्य निःसन्देह आहार विशेषज्ञ या डायटीशियन ही बेहतर ढंग से कर सकता है।

डायटीशियन संतुलित और पोषक तत्वों से भरपूर उपयुक्त आहार सेबन्धी परामर्श देने के साथ-साथ मोटापे से परेशान लोगों को राहत देने का और सही जीवन शैली अपनाने को प्रेरित करने का काम भी करता है। तन और मन को स्वस्थ रखने वाले सही भोजन, एकाधिक बेमेल खाद्य पदार्थों से बचने, विभिन्न साध्य-असाध्य रोगों से ग्रस्त व्यक्तियों के उचित आहार का विवरण तैयार करना, विभिन्न कार्य क्षेत्रों से जुड़े लोगों का ऊर्जा की आवश्यकता के अनुसार सही आहार तय करना आदि मामलों में प्रशिक्षित डायटीशियन की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। सुडौल और आकर्षक देहयष्टि की अभिलाषी जागरूक युवतियां और महिलाएं भी डायटीशियन का नियमित मार्गदर्शन प्राप्त कर लाभान्वित होती हैं। आम युवती, मॉडल, अभिनेता-अभिनेत्री, व्यवसायी, कामकाजी और घरेलू महिलाएं यानी विभिन्न वर्गों के लोग प्रायः नियमित रूप से डायटीशियन से परामर्श प्राप्त करते हैं।

डायटीशियन का कार्यक्षेत्र काफी संभावनाओं से भरा होता है। चिकित्सा के क्षेत्र में एक डायटीशियन को पर्याप्त महत्व मिलता है। मरीज की उम्र, रोग, क्षमता, खानपान की

आदतों, जीवन शैली, पाचन तन्त्र आदि के अनुरूप चिकित्सा के दौरान और उसके बाद आहार विशेषज्ञ द्वारा दिए गये परामर्श की आवश्यकता होती है। अधिकांश छोटे-बड़े अस्पताल, हॉस्टल, शिक्षण संस्थान, विभिन्न प्रतिष्ठानों की कैन्टीनों, भोजनालयों, होटलों, फिटनेस केन्द्रों, फूड प्रोसेसिंग केन्द्रों, यूनिसेफ, विश्व स्वास्थ्य संगठन, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन संचालित विभिन्न संस्थानों आदि में डायटीशियन की सेवाएं ली जाती हैं। टीवी चैनलों और पत्र-पत्रिकाओं में नियमित रूप से आहार संबन्धी जानकारी देने का काम डायटीशियन ही करता है।

पाठ्यक्रम

स्नातक तथा स्नातकोर स्तर पर आहार विशेषज्ञ या डायटीशियन के पाठ्यक्रम में भोजन, जैव रसायन, शरीर विज्ञान, जैव सांयिकी, शोध पद्धति, सूक्ष्म भोजन जैविकी, संस्थागत प्रबन्धन आदि शामिल हैं। बीए व बीएससी पाठ्यक्रम में भी पोषण विज्ञान एक विषय के रूप में पढ़ाया जाता है। एमएससी में पोषण विज्ञान के रूप में यह एक पूर्ण विषय है। गृह विज्ञान, सूक्ष्म जीव विज्ञान, रसायन व औषधि विज्ञान में इसके लिए स्नातक होना चाहिए।

कुछ पाठ्यक्रमों में होटल प्रबन्धन तथा कैटरिंग विषयों के छात्रों को भी प्रवेश दिया जाता है। शिक्षण-प्रशिक्षण और परामर्श को अपना कॅरियर बनाने वाले छात्र इस क्षेत्र में पीएचडी भी कर सकते हैं। न्यूट्रीशन, डायटेटिस एवं फूड टेनोलॉजी में 3 वर्षीय पाठ्यक्रम अनेक विश्वविद्यालयों में उपलेध हैं। दिल्ली के लक्ष्मी बाई कॉलेज, विवेकानन्द कॉलेज, अदिति महिला कॉलेज, भगिनी निवेदिता कॉलेज में फूड टेनोलॉजी में बीए (पास) पाठ्यक्रम भी है। अनेक विश्वविद्यालयों में एमएससी गृह विज्ञान में फूड एंड न्यूट्रीशन पाठ्यक्रम है।

पाठ्यक्रम पूरा करने पर किसी अस्पताल या नर्सिंग होम में इंटर्नशिप करने के बाद प्रशिक्षु डायटीशियन के रूप में कॅरियर की शुरुआत होती है। इसके लिए गृह विज्ञान में बीएससी व खाद्य विज्ञान में डिप्लोमा न्यूनतम योग्यता है। किसी डायटीशियन या न्यूट्रीशनिस्ट के अधीन 1 वर्ष कार्य करने का अनुभव भी होना चाहिए। स्वतन्त्र रूप से डायटीशियन का कार्य करने के लिए पंजीकरण कराने हेतु एक परीक्षा भी उीर्ण करनी पड़ती है।

प्रशिक्षु डायटीशियन को आरेभ में 3000-4000 रुपये और 3 माह बाद 5000-6000 रुपये प्रति माह मिलते हैं। डायटीशियन और न्यूट्रीशनिस्ट की तमाम संस्थानों में काफी मांग है। यहां वेतन के रूप में 12000-15000 रुपयों से भी अधिक मिलते हैं।

प्रशिक्षण संस्थान

- » नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रीशन, जमात-ए-उस्मानिया, हैदराबाद, आन्ध्र प्रदेश
- » इंस्टीट्यूट ऑफ इकॉनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय
- » लेडी इर्विन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
- » गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर (पाठ्यक्रम- फूड एंड फर्मेंटेशन एंड प्रिजर्वेशन)
- » अविनाशलिंगम् इंस्टीटयूट फॉर होम साइंस, कोयम्बटूर (पाठ्यक्रम- फूड साइंस एंड प्रिजर्वेशन)
- » रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर
- » डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा, उत्तर प्रदेश (पाठ्यक्रम- एमएचएससी) पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा पाठ्यक्रम न्यूट्रीशन व डायटेटिक्स
- » इंस्टीट्यूट ऑफ होम इकॉनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय (पाठ्यक्रम- डिप्लोमा इन डाइटेटिक्स एंड पब्लिक हैल्थ)
- » श्री पद्मावती महिला विश्वविद्यालय, तिरुपति (पाठ्यक्रम- बीएससी, गृह विज्ञान के बाद न्यूट्रीशन व डाइटेटिक्स में 1 वर्षीय डिप्लोमा)
- » मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै, तमिलनाडु (पाठ्यक्रम- एप्लाइड न्यूट्रीशन व डाइटेटिक्स में 1 वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा)

बायोइनफॉरमेटिक्स क्षेत्र में खूब अवसर उपलब्ध हैं नौकरी के

अगर आप एक ही शाखा के अंतर्गत बहुआयामी विषय पर काम करने का शौक रखते हैं तो बायोइनफारमेटिस के क्षेत्र में कॅरियर बनाएं। यहां आप को जीव विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक साथ काम करने का मौका मिलेगा। बायोइनफारमेटिस बनने के इच्छुक अेयर्थी को साइंस विषयों में 12वीं पास होना आवश्यक है।

आमतौर पर लोगों में धारणा है कि बायोइनफारमेटिस का क्षेत्र बायोटेनालाजी का ही हिस्सा है। कुछ हद तक ये सही भी है। लेकिन इसमें कार्य करने की प्रक्रिया बिलकुल अलग है। दरअसल यह जीव विज्ञान, केप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी से मिलकर बना एक नया बहुआयामी विषय है। इसके अंतर्गत जैविक सूचनाओं मसलन आरएनए/डीएनए, न्यूलिक एसिड और प्रोटीन संरचना आदि का केप्यूटर की मदद से डाटाबेस तैयार किया जाता है। इस डाटाबेस का उपयोग सामान्य कोशिकीय क्रियाओं के व्यापक प्रस्तुतीकरण में किया जाता है। इससे शोधकर्ताओं को उनके अनुसंधानों में सहायता मिलती है। इन जैविक सूचनाओं का उपयोग रोग के लक्षण पहचानने तथा चिकित्सा में भी किया जाता है।

बायोइनफारमेटिस ही एक ऐसा क्षेत्र है जिसके जरिए पशु के रोग की जैविक सूचना के आधार पर शोधकर्ता मानव में उस रोग की प्रगति तथा उसके रोकथाम के बारे में निष्कर्ष निकाल सकते हैं। हालांकि मानव और पशुओं के रोगों में एकदम समानता नहीं होती है। यही कारण है कि फार्मास्यूटिकल उद्योग की रूचि जीनोम अनुक्रमिक योजनाओं में बढ़ी है। लिहाजा विभिन्न फार्मास्यूटिकल कंपनियों, बायोटेनोलाजी और उससे संबंधित उद्योगों में बड़े-बड़े बायोइनफारमेटिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट डिवीजन स्थापित किए जा रहे हैं। फेटानल, जीनोमिस, बाईमोलीकुलर, संरचना प्रोटीन संश्लेषण, शैल मेटाबोलिजमा, जैवविविधता ड्रग डिजाइन, वेसीन डिजाइन आदि का बायोइनफारमेटिस एक अभिन्न अंग है।

बायोइनफारमेटिस के क्षेत्र में स्थापित होने के लिए अेयर्थी को जीव विज्ञान के साथ-साथ मल्टीमीडिया डाटाबेस, डाटा एनालिसिस के टूल्स, मालीयुलर माडलिंग, वेब इंटरफेस डिजाइन, डाटा माइनिंग, यूनिस, वर्चुअल रिएलिटी सिस्टम और इंटलसेट का बेहतर ज्ञान होना आवश्यक है। एक बायोइनफारमेटिस वैज्ञानिक की पूरी दुनिया में भारी मांग है। इसलिए वह देश-विदेश के जिस कोने में चाहें, वहां नौकरी उनकी प्रतिक्षा करती रहती है।

बायोइनफारमेटिस अभी विद्यार्थियों के बीच लोकप्रिय नहीं हुआ है। इस कारण शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थानों की संेया भी काफी कम है। नेशनल बायोइनफारमेटिस इंस्टीट्यूट और पुणे विश्वविद्यालय बायोइनफारमेटिस से अधिक जानकारी ली जा सकती है।

इंटरव्यू में ध्यान रखें यह बातें, नौकरी पक्की

भारतीय अर्थव्यवस्था एक बार फिर से विकास की तरफ बढ़ रही है और उसी का नतीजा है कि जल्द ही ढेरों नौकरियों का अवसर आप सभी उठा पाएंगे। लेकिन नौकरी उसे ही मिलेगी जो उसके काबिल होगा। आपकी पढ़ाई-लिखाई और अनुभव के अलावा भी बहुत सी चीजें हैं जो आपको एक इंटरव्यू में पास होने में मदद करती हैं। आज हम आपको बता रहे है ऐसी कुछ बातों के बारे में जो इंटरव्यू में आपको ध्यान रखनी चाहिए

अपने आप को जानिए

सबसे पहले आपको खुद को जानना जरूरी है कि आप अपनी जिन्दगी से चाहते `या हैं? किस तरह की नौकरी आपको पसंद है और `या आप जिस इंटरव्यू के लिए जा रहे हैं, उसके लिए तैयार हैं? एक बार तय कर लिया कि जाना ही है तो अपनी ग्रूमिंग पर ध्यान दीजिये। साफ कपडे, जूते, एक प्लेटेंट व्यक्तित्व के साथ इंटरव्यू पर जाइए और वहाँ भी आपको बॉडी लैंग्वेज से सिद्ध कीजिये कि आप सकारात्मक सोच वाले व्यक्ति हैं।

कंपनी और उनके प्रतिद्वंदी

इंटरव्यू से पहले ही जितनी हो सके, उतनी जानकारी निकाल लीजिये कंपनी और उसके प्रतिद्वंदियों के बारे में। आजकल इंटरनेट पर सभी तरह की जानकारी मिल जाती है, तो जब आप जाएं तो इस बात का पूरा ज्ञान हो कि किस तरह की कंपनी में आप काम करने जाएंगे और किस तरह का काम आपके लायक वहां हो सकता है।

आप में क्या खास है

याद रखिये, आप अकेले नहीं होंगे जो इंटरव्यू के लिए आये होंगे। ऐसे बहुत से दूसरे उेमीदवार भी होंगे जिनकी पढ़ाई या अनुभव आपसे मेल खाता होगा। तो फिर आपको नौकरी `यों मिलेगी? उस के लिए आपको इंटरव्यू लेने वालों को यह बताना होगा कि कैसे आपको नौकरी देकर वो आप के ऊपर कोई एहसान नहीं करेंगे बल्कि यह उनकी कंपनी के लिए भी फायदे का सौदा होगा। बराबरी का खेल खेलिए, जानिये कि कंपनी नौकरी `यों दे रही है, किस तरह की जरूरतें हैं उस कंपनी की और आप कैसे उन जरूरतों को पूरा करने के अलावा कुछ और भी कर सकते हैं उनके लिए।

सोशल मीडिया

आजकल की कंपनियां सिर्फ आपका बायोडाटा देख कर ही संतुष्ट नहीं हो जातीं। वो आप की सोशल मीडिया की जिन्दगी को भी ध्यान से देखती हैं यह समझने के लिए कि आप किस तरह के इंसान हैं, किस तरह के दोस्त हैं आपके, किस तरह की बातें आप अपने फेसबुक या ट्विटर अकाउंट पर लोगों के साथ बांटते हैं। इसलिए ध्यान रहे कि आपके सोशल मीडिया एकाउंट्स पर ऐसा कुछ न हो जो आपके खिलाफ जाए।

फ्लेक्सिबल रहिये

नौकरी जरूरी है अगर वो आपकी पसंद की है तो। खुले दिमाग से इंटरव्यू देने जाइए यह सोच कर कि किसी और शहर में भी पोस्टिंग हुई तो चलेगा। पैसे थोड़े ऊपर–नीचे भी हुए तो काम चला लेंगे। जरूरी यह नहीं सभी कुछ आपकी इच्छानुसार ही हो। कई बार इंटरव्यू में पैसों या दूसरे शहर की पोस्टिंग को लेकर सवाल सिर्फ इसलिए पूछे जाते हैं ताकि वो जान सकें कि आपकी क्या सोचते हैं उस बारे में। एक बार नौकरी शुरू कीजिये, आपका काम अच्छा रहा तो धीरे–धीरे सब चीजें आपकी मन के अनुसार हो ही जाएंगी।

बुरे हालात में अच्छा कैसे सोचें...?

ये तो सभी जानते हैं कि जीवन में उतार-चढ़ाव या फिर कहें कि सुख और दुःख दोनों का ही आना तय है। हम दोनों में से किसी को रोक नहीं सकते। पर अेसर ही यह होता है कि हम दुःख आने पर उसमे इतना डूब जाते हैं कि सुख आने पर भी उसे देख ही नहीं पाते। बल्कि हमे करना यह चाहिए कि दुःख या परेशानी में भी कुछ अच्छा सोचने की कोशिश करनी चाहिए। सवाल यह है कि आखिर किसी बुरी परिस्थिति में किस तरह अच्छा सोचा जाए? तो आइये हम साथ में जानने की कोशिश करते हैं कि किस तरह की परिस्थिति में किस तरह अच्छा सोचा जा सकता है।

कम मार्क्स मिलने पर

परीक्षा में कम अंक आने या अनुीर्ण हो जाने का मतलब यह हुआ कि यह हमारे लिए एक मौका है जिसमें हम अपनी कमजोरियों और कम अंक आने की वजह पहचान सकते हैं और उन पर काम करके ठेाेस परिणाम ला सकते हैं। परंतु इसके विपरीत हम निराश होकर बैठ जाते हैं, जिससे केवल

हमारी परेशानियां ही बढ़ती हैं।

नौकरी न मिलने पर

नौकरी न मिलने का मतलब यह हुआ कि दुनिया में जॉस खत्म नहीं हुए हैं। एक जॉब नहीं मिला तो या हुआ, जो हमारे लिए सही होगा वह मिलेगा ही। हमें हमेशा बस 100 परसेंट देना है।

प्यार में धोखा

प्यार में धोखा मिले तो उसे भी एक अच्छे नजरिये से देखा जा सकता है। यह एक तरह से अच्छा है कि सही वेत पर सच पता चल गया। जो हुआ इतना भी बुरा नहीं हुआ। बेशक ही हमारे लिए उस इंसान से भी बेहतर कोई इंसान बना है जो सही समय आने पर हमारी जिंदगी में आ जाएगा।

दुर्घटना होने पर

यदि हमारे साथ कोई बड़ी दुर्घटना हो जाती है और हम अक्षम हो जाते हैं तो इसका मतलब हुआ हमने सबकुछ खोया नहीं है, बल्कि हमारे पास जिंदगी अभी भी बची हुई है। हमारे पास जो है हमें उसे खुद की सबसे बड़ी ताकत बनाना है।

अच्छी नौकरी चाहिए तो, रिज्युम में जरुर लिखें यह बातें

कई लोगों के साथ अेसर यह होता है कि पढ़े लिखे होने और ऐसपीरियस होने के बावजूद जब भी हम कोई नयी और बेहतर नौकरी लेने जाते हैं तो नहीं मिलती? आप में सब गुण हैं जो एक नौकरी के लिए चाहिए फिर भी आपको कंपनी से इंटरव्यू के लिए बुलावा नहीं आता? आप से कम तजुर्बे वाले या पढ़े -लिखे आदमी को नैकरी मिल गयी, लेकिन आपको नहीं मिली?

अगर आप की भी ऐसी ही कुछ समस्याए हैं तो समझ लीजिये कि कोई ना कोई कमी आप ही की तरफ से है। खास तौर पर यह कमी एक बायोडाटा में ही होती है। किसी भी कंपनी के पास रोज हजारों बायोडाटा पहुँचते हैं और एक रिसर्च के अनुसार उनके अफसर एक बायोडाटा पर अंदाजा सिर्फ 45 सेकंड ही लगाते हैं उसे परखने के लिए। अब आपका बायोडाटा इतना कमाल का होना चाहिए कि उतनी सी देर में आपकी एक बेहतर छवि बना दे ताकि आपको इंटरव्यू के लिए जोन आ जाए। आज हम आपको बता रहे है ऐसी ही कुछ बातों के बारे में जो आपके बायोडाटा में जरुरी होनी चाहिए

अनुभव

काम का ऐसपीरियंस बहुत जरूरी है लेकिन उस से भी जरूरी है कि जिस नौकरी के लिए बायोडाटा भेज रहे हैं, उसकी जरूरतों के अनुसार आपका ऐसपीरियंस हो। उसे पेश भी उसी तरह से किया जाए मान लीजिये सेल्स की नौकरी है तो सेल्स से मिलता जुलता अनुभव बायोडाटा में मुेय रूप से डालिये, बाकी किसी और काम का अनुभव है तो उस ज्यादा तूल मत दीजिये।

स्किल्स

आजकल की बदलती दुनीया में, हर कंपनी यह चाहती है कि उसके कर्मचारियों के पास कुछ ऐसी स्किल्स हों जो उन्हें दूसरों से अलग कर दें। जैसे कि कंप्यूटर की स्किल्स या कोई ऐसा खास कोर्स आपने किया जो आपकी नौकरी में आपके काम आ सकता हो, उन्हें जरूर बायोडाटा में लिखिए।

उपलब्धियां

अपनी उपलेधियों को हलके शेदों में मत लिखिए बल्कि विस्तार से उनकी गहरायी में जाकर बताईये। एेप्लॉयर यह जानने को उत्सक होते हैं कि अपनी पिछली नौकरी में आपने `या जलवा दिखाया। जैसे कि अगर आप सेल्स में हैं तो बताईये कि आपने कितना टारगेट पूरा किया, कंपनी की सेल को कहाँ से कहाँ पहुँचाया, कितने पैसे कंपनी के बचाये और ऐसी बातें जिनसे उन्हें अंदाजा लग सके कि आपकी उपलेधियाँ सिर्फ कहने के लिए नहीं हैं, उनमें दम भी है।

शिक्षा

जितनी ज्यादा पढ़ाई, उतने ज्यादा चान्सेस कि आपको नौकरी मिल जायेगी। खास तौर पर अगर आपकी शिक्षा ऐसे क्षेत्र में हुई है जिसकी जरुरत कंपनी को है। विस्तारपूर्वक उसके बारे में बायोडाटा में लिखिए और उन तारीफों के साथ कि कौन से साल और महीने में कौन सा कोर्स खत्म हुआ।

प्रेसेंटेशन

यह बहुत ही छोटी-सी बात लगती है सुनने में लेकिन असर बहुत गहरा होता है। जब कंपनी के मैनेजर के हाथ में आपका बायोडाटा आये तो ऐसा लगना चाहिए उसे देख कर कि अप्लाई करने वाले ने वाकई में मेहनत की है। एक साफ सुथरा बायोडाटा, कंप्यूटर से टाइप किया हुआ, साफ कड़क कागज पर, आँखों पर जोर ना डालने वाले फॉण्ट साइज में उन्हें मजबूर करेगा कि वो एक बार आपका बायोडाटा पढ़ें जरूर। यह करके आधी बाकी मार लेंगे आप। बाकी आधी बाकी इस पर निर्भर करेगी कि `या आपकी शिक्षा और काम का ऐसपीरियंस उनकी जरूरतों से मेल खाता है या नहीं।

लम्बाई

हर रोज हजारों बायोडाटा पढ़ने पड़ते हैं कंपनी के अफसरों को और उनके पास इतना वक्त होता नहीं कि वो लेबे-लेबे कहानी-सरीके बायोडाटा पढ़े। इसलिए बहुत जरूरी है कि आप अपने बायोडाटा की लेबाई 2 पेजे? से ज्यादा नहीं रखें, चाहे कुछ भी हो जाए। अगर आपका ऐसपीरियंस ज्यादा है या पढ़ाई की सूची लेबी है तो सिर्फ वही नौकरियाँ या शिक्षा के कोर्स लिखिए जो इस नौकरी के लिए जरूरी हों। किसी के पास वक्त नहीं होगा आपकी पूरी जिन्दगी का लेख-जोखा पढ़ने के लिए।

मीठा पसंद है, तो बन जाइए चॉकलेट के जादूगर

पाककला उद्योग करियर के बेहतरीन अवसरों से भरा हुआ है। इस क्षेत्र में प्रोफेशनल्स को हमेशा कुछ नया करने का मौका मिलता रहता है। ऐसा ही एक करियर ऑप्शन है, चॉकलेटियर का। चॉकलेटियर्स अपनी विशेषज्ञता से चॉकलेट्स के स्वाद और टेसचर को बढ़ाते हैं। अगर आपके अंदर भी अलग-अलग प्रकार की चॉकलेट्स के साथ प्रयोग करने का हुनर है, तो आप बन सकते हैं एक सफल और लोकप्रिय चॉकलेटियर।

चॉकलेट को भले ही हम स्वीट कैंडीज और बेकरी आइटेस में प्रयोग होने वाले एक इंग्रीडिएंट के रूप में ही जानते हैं, लेकिन विशेषज्ञ इसका इस्तेमाल और भी कई फूड आइटेस में करते हैं। कम ही लोगों को इस बात की जानकारी होगी कि चॉकलेट्स की अलग-अलग वैराइटीज के साथ प्रयोग करने के लिए बाकायदा स्किल्ड ऐसपर्ट्स को रखा जाता है। ये ऐसपर्ट्स ही चॉकलेटियर कहलाते हैं। अगर आपको भी अलग-अलग प्रकार की चॉकलेट्स को आजमाना पसंद है, तो आपमें एक चॉकलेटियर बनने के गुण मौजूद हैं..।

कौन होते हैं चॉकलेटियर?

आम तौर पर चॉकलेट्स से कन्फेशनरी आइटेस या मिठाइयां बनाने वाले शेस को ही चॉकलेटियर कहा जाता है। ये वो शेस होते हैं, जिन्होंने चॉकलेट में स्पेशलाइजेशन किया होता है और आकर्षक व स्वादिष्ट चॉकलेट्स की एक बड़ी रेंज तैयार करने में इन्हें महारत हासिल होती है।

अगर दूसरे शेदों में कहें, तो चॉकलेटियर्स वे कलाकार या जादूगर हैं, जो चॉकलेट को लेकर एक से बढ़कर एक बेहतरीन डिश तैयार करते हैं।

सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स

इस फील्ड में आने के लिए किसी भी विषय से इंटर पास होना जरूरी है। इसके बाद आप ेयूलिनरी स्कूल से सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्सेज कर सकते हैं। चॉकलेट मेकिंग के स्पेशलाइज्ड कोर्सेज में आपको चॉकलेट प्रोसेसिंग और टेपरिंग, डिपिंग, मोल्डिंग और स्कल्पटिंग की टेंनिस सिखाई जाती हैं। इन पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों को चॉकलेट के इतिहास, उसके घटकों, `लेवर्स, टेसचर्स, खेती की टेंनिस और प्रोसेसिंग के बारे में बताया जाता है।

चाहिए ये स्किल्स

एक चॉकलेटियर बनने के लिए बेसिक कुकिंग स्किल्स के साथ-साथ धैर्य और खुला दिमाग होना बहुत जरूरी होता है। यह करियर उन लोगों के लिए श्रेष्ठ है, जिन्हें मीठा बहुत पसंद है। इसके अलावा आपमें चॉकलेट का सटीक ज्ञान, सृजनात्मकता, कल्पनाशक्ति, काम के प्रति समर्पण, लंबे समय तक काम करने की क्षमता, डीटेलिंग के प्रति सतर्कता, मार्केटिंग और पीआर स्किल्स होना भी जरूरी है। इस फील्ड में सफल होने के लिए आपमें चॉकलेट्स को रचने का पैशन होना चाहिए।

कहां हैं अवसर?

क्वॉलिफाई करने के बाद आपको पहले तो किसी स्थापित चॉकलेटियर के साथ इंटर्नशिप या ट्रेनिंग लेनी होगी। उसके बाद आप स्वतंत्र रूप से अपना करियर शुरू कर सकते हैं। इस फील्ड में आप एंटरप्रेन्योर के तौर पर अपना करियर बना सकते हैं और कॉर्पोरेट्स, गिट स्टोर्स, `लोरिस्ट्स तथा बेकरीज से टाई-अप करके अपने उत्पादों की मार्केटिंग कर सकते हैं। आप चॉकलेट टेस्टर के तौर पर भी कन्फेशनरी इंडस्ट्री में करियर बना सकते हैं। इसके अलावा आप हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में रूज, शिप्स, बड़े बड़े होटल्स, रिजॉर्ट्स और कसीनोज में बतौर डिजर्ट ऐसपर्ट काम कर सकते हैं। आप बड़ी-बड़ी चॉकलेट मेकिंग कंपनीज में भी काम कर सकते हैं।

कमाई कितनी?

कमाई के लिहाज से यह करियर बेहद आकर्षक है। अगर आप बिजनेस करें, तो यह लो-कॉस्ट बिजनेस है। ग्राहकों को क्वॉलिटी प्रोडेट उपलेध कराकर अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है। यदि आप जॉब करना चाहते हैं, तो हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में आप 5-7 लाख के पैकेज से शुरुआत कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- » चॉकलेट अकेडमी, मुंबई
- » बैरी कॉलेबॉट इंडिया प्रा लि, मुंबई
- » काफ्ट एंड सोशल डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन, नई दिल्ली
- » स्विसरैप चॉकलेट अकेडमी, मुंबई
- » मैगनिफिशेंस अकेडमी ऑफ पैकेजिंग प्रोफेशनल्स

बृहस्पतिवार के दिन व्रत रखने का महत्व क्या है, जानें गुरुवार की व्रत कथा

हिंदू धर्म में गुरुवार को बृहस्पतिवार कहा जाता है, और इस दिन गुरुदेव की पूजा करने से शुभ फल प्राप्त होता है। गुरुवार को बृहस्पति ग्रह का दिन माना जाता है। इस दिन गुरुदेव की विशेष पूजा करने से भक्त को बुद्धि, ज्ञान, और सफलता की प्राप्ति होती है। गुरुवार व्रत की कई कथाएं प्रचलित हैं उनमें से ही एक कथा हम आपको बता रहे हैं। वैसे गुरुवार व्रत की विधि सरल होती है। इस दिन किसी भी केले के पेड़ के सामने बैठकर हाथ में हल्दी चने की दाल लेकर व्रत कथा पढ़नी या सुननी चाहिए। जो भी लोग धार्मिक महत्व के बारे में जानते हैं वो इस दिन केले का सेवन नहीं करते और पीले रंग के कपड़े पहनते हैं। इतना ही नहीं खाने में भी पीले रंग का ही प्रयोग करते हैं।

गुरुवार की व्रत कथा

एक समय की बात है, एक गाँव में एक ब्राह्मण थे जिनका नाम श्रीधर था। श्रीधर बड़े भक्तिभाव से गुरुदेव की पूजा करते थे।

वह गुरुवार को गुरुदेव की विशेष पूजा करने के लिए व्रत रखते थे। एक दिन, गाँव के एक दरिद्र व्यक्ति ने श्रीधर के पास आकर भीख मांगी। श्रीधर ने अपनी दानशीलता का परिचय दिया और उसे भोजन के लिए अपने साथ बुलाया।

वह दरिद्र व्यक्ति बड़े खुश होकर श्रीधर के साथ भोजन करने लगा। भोजन के दौरान, श्रीधर ने उससे गुरुदेव के प्रति अपनी भक्ति की बातें सुनाईं। वह दरिद्र व्यक्ति भी गुरुदेव के प्रति श्रद्धाभाव से भरा हुआ था।

भोजन के बाद, दरिद्र व्यक्ति ने श्रीधर से विनती की, भगवान, मैं एक गरीब आदमी हूँ और मेरे पास और कोई साधन नहीं है। कृपया मुझे कोई ऐसा उपाय बताएं जिससे मेरी दुर्दशा सुधरे और मैं सफल हो सकूं।

श्रीधर ने उसे गुरुवार व्रत के महत्त्व के बारे में बताया और उसे साक्षात गुरुदेव की पूजा करने का उपदेश दिया। दरिद्र व्यक्ति ने श्रीधर की सीखों का पालन करते हुए गुरुवार को गुरुदेव की पूजा करना शुरू किया।विशेष रूप से गुरुवार को गुरुदेव की आराधना करने से, उसकी दुर्दशा में सुधार हुआ और उसका जीवन परिवर्तित हो गया। वह धनवान और सुखी हो गया।

इस कथा से हमें यह सिखने को मिलता है कि गुरुवार को गुरुदेव की पूजा करना हमें ज्ञान, बुद्धि, और सफलता में मदद कर सकता है।

गुरुवार के दिन करें ये उपाय मिलेगा मनचाहा जीवनसाथी

ज्योतिषीय गणना के अनुसार 18 अप्रैल से लेकर 21 अप्रैल तक विवाह हेतु लग्न मुहूर्त है। इसके बाद शुक्र तारा के अस्त होने के चलते लग्न मुहूर्त नहीं है। हालांकि, अबूझ मुहूर्त के दौरान बिना किसी सलाह के जातक परिणय सूत्र में बंध सकते हैं। इसके लिए कुंडली मिलान अनिवार्य है।

कुंडली मिलान में किसी प्रकार (नाड़ी या भकूट) के दोष लगने पर निवारण जरूर कराएं। वहीं, शादी में बाधा आने पर कुंडली विश्लेषण के पश्चात अनिवार्य और प्राथमिक उपाय अवश्य करें। अगर आपकी शादी में भी बाधा आ रही है या शादी तय होने के बाद टूट जा रही है, तो गुरुवार के दिन ये उपाय अवश्य करें। इन उपायों को करने से शीघ्र विवाह के योग बनने लगते हैं-

शीघ्र विवाह के उपाय

1. ज्योतिषियों की मानें तो कुंडली में गुरु ग्रह के कमजोर होने पर विवाह में बाधा आती है। अतः लड़कियों को कुंडली में गुरु ग्रह मजबूत करने हेतु गुरुवार का व्रत अवश्य ही करना चाहिए। इस व्रत का प्रारंभ शुक्ल पक्ष में किया जाता है। अतः शुक्ल पक्ष के प्रथम या द्वितीय गुरुवार से व्रत प्रारंभ कर सकते हैं। इस व्रत को करने से शीघ्र विवाह के योग बनते हैं।
2. अगर आपकी शादी में बाधा आ रही है, तो गुरुवार के दिन ब्रह्म बेला में उठें। इस समय भगवान विष्णु को ध्यान और प्रणाम कर दिन की शुरुआत करें। नित्यकर्मों से निवृत्त होने के बाद स्नान-ध्यान करें और पीले रंग के वस्त्र धारण करें। अब जल में हल्दी या चंदन मिलाकर केले के पौधे में जल का अर्घ्य दें। इस उपाय को करने तक मौन व्रत धारण करें। इस उपाय को हर गुरुवार के दिन करें।
3. अगर कुंडली में गुरु ग्रह कमजोर है, तो गुरुवार के दिन स्नान-ध्यान के बाद केले के पौधे के समक्ष बृहस्पति देव की पूजा करें। पूजा समापन के बाद पीले रंग की चीजें जैसे केले, बेसन, चने की दाल, पीले रंग के कपड़े आदि चीजों का दान करें। इस उपाय को करने से भी शीघ्र विवाह के योग बनते हैं।
4. गुरुवार के दिन जरूरतमंद बच्चों को स्टेशनरी की चीजें भेंट करें। अगर समय है, तो गुरुवार के दिन बच्चों को मुफ्त में पढ़ाएं। आप इसके लिए जरूरतमंद बच्चों के माता-पिता को धन का भी दान कर सकते हैं। इस उपाय को करने से भी शीघ्र विवाह के योग बनते हैं।

महावीर मंदिर में पूजा करने से भक्तों की हर मनोकामना होती है पूरी

देश में अग्रणी हनुमान मन्दिरों में से एक पटना के महावीर मंदिर में पूजा करने से भक्तों की हर मनोकामना पूरी होती है। पटना में रेलवे स्टेशन के निकट स्थित हनुमान मन्दिर देश में अग्रणी हनुमान मन्दिरों में से एक है। यह मंदिर हनुमान जी को समर्पित है।इस मंदिर की ख्याति देश-विदेश में मनोकामना मन्दिर के रूप में है, जहां भक्तों की हर मनोकामना पूरी होती है। हनुमान मंदिर हिन्दुओं की आस्था का सबसे बडा केंद्र माना जाता है। इस मंदिर में हर साल लाखों श्रद्धालु हुमानजी की पूजा-अर्चना करने आते है। यह उत्तर भारत का सबसे प्रसिद्ध मंदिर भी माना जाता है।माना जाता है कि हनुमानगढ़ी के बाद ये एकलौता हनुमान जी का मंदिर है जहां भक्तों की सबसे ज्यादा भीड़ नजर आती है।यहां हर दिन बड़ी संख्या में भक्तों का आना जाना लगा रहता है, हालांकि मंगलवार और शनिवार के दिन यहां भक्तों की खासी भीड़ देखी जाती है। इस मंदिर की खास बात है कि यहां बजरंग बली की युग्म मूर्तियां यानि दो मूर्तियां एक साथ हैं। एक मूर्ति परित्राणाय साधुनाम् (अर्थात अच्छे लोगों के कारज पूर्ण करने वाली) तो दूसरी विनाशाय च दुष्कृताम्बु (अर्थात बुरे लोगों की बुराई दूर करने वाली) है।

वर्ष 1730 में स्वामी बालानंद ने पटना जंक्शन के पास महावीर मंदिर की स्थापना की थी। नए भव्य मन्दिर का जीर्णोद्धार साल 1983 से 1985 के बीच किया गया।माना जाता है कि इस मंदिर से मिलने वाले प्रसाद को खाने से हर तरह की बीमारी ठीक हो जाती है। इस मंदिर में नैवेद्यम का लड्डू बजरंगबली को भोग के रूप में लगाया जाता है। यह लड्डू काफी स्वादिष्ट होता है। इस प्रसाद को लेकर मान्यता है कि इस लड्डू को खाने से लोग कई गंभीर बीमारियों से बच सकते हैं। रामनवमी के मौके पर हनुमान मंदिर की भव्यता देखते ही बनती है। यहां पर बड़ी संख्या में लोग दूर-दूर से आते हैं। इस खास मौके पर महावीर मंदिर में भगवान श्रीराम, सीता, लक्ष्मण और हनुमान जी की शोभा यात्रा निकाली जाती है।महावीर मंदिर का क्षेत्रफल करीब 10 हजार वर्ग फुट है।मंदिर की पहली मंजिल पर देवताओं के चार गर्भगृह हैं। इनमें से एक भगवन राम का मंदिर है, जहां से इसका प्रारंभ होता है। मंदिर में एक अस्थायी राम सेतु भी मौजूद है। इस सेतु को कांच के एक पात्र में रख गया है जिसका वजन करीब 15 किलोग्राम है। जिस तरह रामसेतु के पत्थर समुद्र की लहरों पर तैर रहे थे उसी तरह रामसेतु का टुकड़ा भी यहां पानी में तैर रहा है।

संकष्टी चतुर्थी पर ऐसे करें गणेश जी की पूजा, सभी बाधाएं होंगी दूर

हर महीने में 2 बार चतुर्थी का व्रत किया जाता है। एक कृष्ण पक्ष में और दूसरा शुक्ल पक्ष में। वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि पर विकट संकष्टी चतुर्थी का व्रत किया जाता है। इस बार यह व्रत 27 अप्रैल को है। इस खास अवसर पर भगवान गणेश जी की विशेष पूजा-अर्चना करने का विधान है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, चतुर्थी तिथि पर गणपति बप्पा की पूजा करने से साधक को सभी तरह के दुखों से छुटकारा मिलता है। साथ ही आय और सौभाग्य में अपार वृद्धि होती है। अगर आप भी प्रभु को प्रसन्न करना चाहते हैं, तो विकट संकष्टी चतुर्थी के दिन भगवान गणेश की विधिपूर्वक पूजा करें। चलिए जानते हैं विकट संकष्टी चतुर्थी की पूजा विधि के बारे में।

विकट संकष्टी चतुर्थी पूजा विधि

विकट संकष्टी चतुर्थी के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठें और दिन की शुरुआत देवी-देवता के ध्यान से करें। इसके बाद स्नान कर साफ वस्त्र धारण करें। अब भगवान सूर्य देव को जल अर्पित करें। मंदिर की साफ-सफाई करें और गंगाजल का छिड़काव कर शुद्ध करें। चौकी पर लाल या पीला कपड़ा बिछाकर भगवान गणेश की मूर्ति विराजमान करें। अब गणपति बप्पा को दूर्वा और मोदक अर्पित करें। देशी घी का दीपक जलाकर आरती करें और गणेश चालीसा का पाठ करें। पूजा के दौरान मंत्रों का जाप करना फलदायी होता है। इसके पश्चात गणेश जी मोदक, फल और मिठाई का भोग लगाएं। अंत में लोगों में प्रसाद का वितरण करें और खुद भी ग्रहण करें।

गणेश गायत्री मंत्र

ॐ एकदंताय विद्महे, वक्रतुण्डाय धीमहि, तन्नो दंती प्रचोदयात् ।।

ॐ महाकर्णाय विद्महे, वक्रतुण्डाय धीमहि, तन्नो दंती प्रचोदयात् ।।

ॐ गजाननाय विद्महे, वक्रतुण्डाय धीमहि, तन्नो दंती प्रचोदयात् ।।

शुभ लाभ गणेश मंत्र

ॐ श्रीं गं सौभाग्य गणपतये वर्वर्द सर्वजन्म में वषमान्य नम:।।

सिद्धि प्राप्ति हेतु मंत्र

श्री वक्रतुण्ड महाकाय सूर्य कोटी समप्रभा निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्व-कार्येशु सर्वदा ।।

बेहद ही शुभ योग में मनाया जाएगा हिंदू नववर्ष का पहला प्रदोष व्रत, इस सही मुहूर्त में करें पूजा

प्रदोष व्रत हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण दिन है जो देवों के देव महादेव और देवी पार्वती को समर्पित होता है । पंचांग के अनुसार हर महीने के शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को प्रदोष व्रत मनाया जाता है। इस दिन भक्त व्रत रखते हैं और भगवान शिव - माता पार्वती की पूजा-अर्चना करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन जो भी भक्त शिव जी और देवी पार्वती की सच्चे मन से पूजा-अर्चना करते हैं तो उसके जीवन से सारे कष्ट दूर हो जाते हैं और जातक के जीवन में खुशहाली, सुख, समृद्धि की प्राप्ति होती है। वहीं इस बार प्रदोष व्रत पर शुभ योगों का निर्माण हो रहा है। इसके अलावा यह हिंदू नववर्ष का पहला प्रदोष व्रत होगा क्योंकि 9 अप्रैल से हिंदू नववर्ष प्रारंभ हुआ था। तो फिर आइए जानते हैं हिंदू नववर्ष का पहला प्रदोष व्रत कब रखा जाएगा। साथ ही जानिए प्रदोष व्रत की पूजा विधि और शुभ मुहूर्त।

हिंदू नववर्ष का पहला प्रदोष व्रत कब है?

पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि 20 अप्रैल शनिवार को रात 10 बजकर 41 मिनट से प्रारंभ हो रही है। इस तिथि का समापन 21 अप्रैल दिन रविवार को आधी रात 1 बजकर 11 मिनट पर होगा। ऐसे में उदयातिथि और प्रदोष पूजा मुहूर्त के आधार पर हिंदू नववर्ष का पहला प्रदोष व्रत 21 अप्रैल को है। 21 अप्रैल को रविवार पड़ने की वजह से यह रवि प्रदोष व्रत कहलाएगा।

रवि प्रदोष व्रत पर बन रहे हैं शुभ संयोग

ज्योतिष के अनुसार इस बार रवि प्रदोष व्रत पर 3 शुभ संयोग का निर्माण हो रहा है। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग, रवि योग और अमृत सिद्धि योग बनने जा रहा है। ऐसे में इस दिन का और भी अधिक महत्व बढ़ गया है। माना जाता है कि इस समय किया गया कार्य जरूर सफल होता है।

रवि प्रदोष व्रत शुभ मुहूर्त

इस बार आपको रवि प्रदोष व्रत पर पूजा के लिए 2 घंटे से ज्यादा का समय मिलेगा। इस दिन पूजा के लिए सही शुभ मुहूर्त शाम 06 बजकर 51 मिनट से लेकर रात 09 बजकर 02 मिनट तक है।

रवि प्रदोष व्रत के दिन सूर्योदय से पहले उठें उसके बाद स्नान करके साफ कपड़े पहनें। फिर व्रत का संकल्प लें। फिर शिव जी की विधिपूर्वक पूजा करें। अब पूरे दिन व्रत रखने के बाद सूर्यास्त से थोड़े देर पहले दोबारा स्नान करें। फिर सफेद कपड़े धारण करके स्वच्छ जल या गंगा जल से पूजास्थल को साफ करें। अब उतर-पूर्व दिशा की ओर मुंह करके विधि-विधान से पूजा करें और मंत्रों का जाप करें।

शिवलिंग की उत्पत्ति कैसे हुई, जानें इसेक पीछे की रोचक कहानी

हिंदू धर्म में शिवलिंग शक्ति का प्रतीक है।शिवलिंग परब्रह्म परमात्मा भगवान सदाशिव या यूं कहें कि शिव का प्रतीक है।भगवान शिव को स्वयंभू माना गया है। विष्णु पुराण के अनुसार भगवान विष्णु स्वयंभू हैं। विष्णु पुराण के अनुसार ब्रह्मा, भगवान विष्णु की नाभि कमल से पैदा हुए जबकि शिव, भगवान विष्णु के माथे के तेज से उत्पन्न हुए हैं।भगवान शिव की पूजा लिंग रूप में क्यों की जाती है, इसका कारण यह है शिवपुराण के अनुसार कथा अनुसार बह्माजी और विष्णुजी ने भगवान शिव से पूजा योग्य लिंग रूप में प्रकट होने का आग्रह किया। इसके बाद ब्रह्मा और विष्णुजी ने सबसे पहले शिवलिंग की पूजा की उनके बाद अन्य देवी देवताओं ने शिवलिंग की पूजा की। हड़प्पा और मोहनजोदाड़ो की खुदाई से पत्थर के बने लिंग और योनी मिले।शिवलिंग एकीकृत शक्ति का प्रतीक है जो सभी जीवन की उत्पत्ति करती है।

कैसे हुई शिवलिंग की उत्पत्ति?

ऐसी मान्यता है कि सृष्टि की रचना होने के बाद भगवान विष्णु और ब्रह्मा जी में युद्ध हुआ था। दोनों खुद को सबसे शक्तिशाली साबित करने में लगे थे। इसी दौरान आकाश में एक चमकीला पत्थर दिखा और आकाशवाणी हुई कि इस पत्थर का जो भी अंत ढूंढ लेगा, वह ज़्यादा शक्तिशाली माना जाएगा। मान्यता है कि वह पत्थर शिवलिंग ही था।

भगवान शिव को संसार की उत्पत्ति का कारण माना गया है। इसीलिए भोलेनाथ को परब्रह्म कहते हैं। शिवलिंग का अर्थ है जिसकी न तो कोई शुरुआत है और न ही कोई अंत। शिवलिंग पुरुष और प्रकृति की समानता का प्रतीक है।

स्कंद पुराण में कहा गया है कि आकाश स्वयंलिंग है। धरती उसकी पीठ या आधार है और सब अनंत शून्य से पैदा हो उसी में लय होने के कारण इसे शिवलिंग कहा गया है।

हिंदू धर्म में चालीसा क्या है और ये कितनी तरह की होती है

चालीसा शब्द का अर्थ है चालीस। हिंदू धर्म में, चालीसा एक प्रकार की भक्ति कविता है जिसमें चालीस चौपाइयाँ होती हैं। प्रत्येक चालीसा एक विशेष देवी या देवता को समर्पित होता है। चालीसा के कई प्रकार होते हैं। चालीसा का पाठ करने के कई लाभ हैं। मन शांति और सुख प्राप्त होता है। भक्ति भावना में वृद्धि होती है। नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। जो भी भक्त चालीसा का नियमित पाठ करता है उसे रोगों से मुक्ति मिलती है, धन-समृद्धि प्राप्त होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। चालीसा का पाठ करने का सबसे अच्छा समय सुबह या शाम का समय होता है। आप चालीसा का पाठ घर पर या मंदिर में कर सकते हैं। चालीसा का पाठ करते समय मन को एकाग्र रखना चाहिए।

देवी-देवताओं के चालीसा

हनुमान चालीसा, दुर्गा चालीसा, शिव चालीसा, गणेश चालीसा, राम चालीसा, कृष्ण चालीसा,सरस्वती चालीसा, लक्ष्मी चालीसा, साईं बाबा चालीस। ग्रहों के चालीसा, सूर्य चालीसा,चंद्र चालीसा, मंगल चालीसा, बुध चालीसा, गुरु चालीसा,शुक्र चालीसा, शनि चालीसा, राहु चालीसा, केतु चालीस।

अन्य चालीसा

शांति चालीसा,संतान प्राप्ति चालीसा, धन-समृद्धि चालीसा, विवाह चालीसा, रोग निवारण चालीसा, भाषा के आधार पर चालीसा, हिंदी चालीसा, संस्कृत चालीसा, गुजराती चालीसा, मराठी चालीसा, तमिल चालीसा, तेलुगु चालीसा, कन्नड़ चालीसा, मलयालम चालीसा।

चालीसा पढ़ने के लाभ

ध्यान और शांति: चालीसा पढ़ने से मन की चंचलता कम होती है और ध्यान में स्थिरता आती है। इसके प्रभाव से मन शांति में रहता है और आत्मा को आनंद मिलता है।

शुभ और सकारात्मक ऊर्जा: इस पाठ से शुभ और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, जो व्यक्ति को प्रेरित करता है और उसे सकारात्मक कार्यों में लगाने के लिए प्रेरित करता है।

आध्यात्मिक उन्नति: मान्यता है कि इसे पढ़ने से आत्मिक विकास होता है और व्यक्ति की आध्यात्मिक उन्नति होती है। उसे दिव्यता की ओर ले जाता है और उसे ब्रह्मग्यान की प्राप्ति की दिशा में अग्रसर करता है।

भगवान की कृपा: चालीसा का पाठ करने से भगवान की कृपा मिलती है और उसकी आशीर्वाद से व्यक्ति को संकटों से मुक्ति मिलती है। उसके जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लाता है।

मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य: चालीसा के पाठ से मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है। रोगों का निवारण करता है और व्यक्ति को ताजगी और ऊर्जा प्रदान करता है।

सियासी बदलाव की बेचैन प्रतीक्षा में दक्षिण भारत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीवन-मंत्र है, कुछ भी असंभव नहीं। यदि आप अपने जीवन की राह पर सदैव कार्यरत और सकारात्मक इरादों के साथ सामने आने वाली बाधाओं का सामना करते हैं तो विजय निश्चित है। भारतीय जनता पार्टी के लिए दक्षिण भारत के राज्य वास्तव में एक कठिन चुनौती रहे हैं। लेकिन, इस बार लगता है मोदी ने दक्षिण भारत में चुनावी स्थितियों को अपनी दिशा में मोड़ने का निश्चय कर लिया है। यही नहीं, 2024 का लोकसभा चुनाव भाजपा के संबंध में दक्षिण की धारणा को परिवर्तित करने में भी अहम भूमिका निभा सकता है।

विशेषकर तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों में इस बदलाव की संभावना अधिक है, जो हमेशा से मोदी के जादू से अप्रभावित दिखे हैं। कहते हैं कि राजनीति में कुछ भी स्थायी नहीं, फिर भी इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि क्षेत्रीय दलों की भूमिका प्रमुख होती है। दक्षिण में कुल मिलाकर 130 लोकसभा सीटें हैं। इसमें तमिलनाडु (39), कर्नाटक (28), आंध्र प्रदेश (25), तेलंगाना (17), केरल (20) और पुद्दुचेरी (1) शामिल हैं। पिछले लोकसभा चुनावों में, कांग्रेस ने दक्षिण से 28 लोकसभा सीटें जीतीं थीं, केरल में 15, तमिलनाडु में 8, तेलंगाना

में 3, कर्नाटक में 1 और पुदुचेरी में 1, जबकि भाजपा ने कर्नाटक में 25 और तेलंगाना में 4 सीटें जीती थीं। लेकिन मोदी चुनौतियों से विचलित नहीं दिखते। उन्होंने यह सुनिश्चित किया है कि भाजपा तमिलनाडु में द्रमुक और अपेक्षाकृत कमजोर अन्नाद्रमुक जैसे स्थापित दलों से मुकाबला करेगी।

इसलिए, भाजपा ने कर्नाटक में जनता दल (सेकुलर) के साथ एक व्यावहारिक गठबंधन बनाया है, ताकि वोक्कालिंगा और लिंगायत जैसे प्रमुख समुदायों के वोटों के विभाजन से कांग्रेस को कर्नाटक विधानसभा चुनावों में जीत से ज्यादा फायदा न हो।

भाजपा तेलंगाना में पिछले विधानसभा चुनाव में अपने बढ़े हुए वोट प्रतिशत का फायदा उठाने में जुटी है। वाईएसआरसीपी प्रमुख जगन मोहन रेड्डी के साथ मोदी के अच्छे समीकरण के बावजूद भाजपा ने आंध्र प्रदेश में तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) और पवन कल्याण की जन सेना पार्टी के साथ गठबंधन करने का एक कठिन निर्णय लिया। मोदी के नेतृत्व ने कार्यकर्ताओं को केरल में सत्तारूढ़ वाम मोर्चे के साथ-साथ कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ के खिलाफ कड़ी टक्कर के लिए तैयार किया।

राज्यवार स्थिति

कर्नाटक: दक्षिणी राज्यों में 2023 के विधानसभा चुनाव में कर्नाटक में मिले झटके के बावजूद भाजपा ज्यादा से ज्यादा सीट हासिल करने की प्रबल संभावना के लिए जमीन तैयार कर रही है। कर्नाटक में 2019 के लोकसभा चुनावों में भाजपा ने 28 में से 25 सीटें हासिल कीं, वहीं कांग्रेस को बस एक सीट मिली। सभी की निगाहें अब कांग्रेस पर हैं कि पार्टी अपनी विधानसभा जीत (135 सीटें और 42.88 प्रतिशत वोट) को लोकसभा चुनावों में अपनी सीटें बढ़ाने के लिए किस सीमा तक उपयोग कर पाएगी और क्या उसके मुकाबले भाजपा अपने विधानसभा प्रदर्शन (66 सीटें और 36 प्रतिशत वोट) से बेहतर परिणाम निकाल पाएगी? विधानसभा चुनाव में हार (19 सीटें और 13.29 प्रतिशत वोट) के बाद देवेगौड़ा के नेतृत्व वाले जनता दल (सेकुलर) की भूमिका ने चुनावी दंगल को रोमांचक बना दिया है। देवेगौड़ा के साथ बने गठबंधन से अब पारंपरिक त्रिकोणीय मुकाबला कांग्रेस बनाम भाजपा-जेडीएस की सीधी लड़ाई में बदल गया है, जिसमें भाजपा को दो मतदाता आधारों-वोक्कालिंगा और लिंगायत को एक साथ लाने की उम्मीद है।

भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने राज्य पार्टी का नेतृत्व येदियुरप्पा खेमे को वापस सौंपकर अपनी पुरानी गलती सुधारी है। माना जा सकता है कि मोदी का चेहरा लोकसभा चुनावों में भाजपा को शीर्ष पायदान पर पहुंचने में मदद कर सकता है क्योंकि विधानसभा चुनाव में हार के बावजूद प्रधानमंत्री राज्य के मतदाताओं के बीच लोकप्रिय बने हुए हैं। कांग्रेस के लिए सिद्धारमैया-डीके शिवकुमार गठबंधन को यह सुनिश्चित करना होगा कि पार्टी मतदाताओं के आपसी समीकरण में सद्भाव बरकरार रखे। कांग्रेस के कई मंत्रियों ने लोकसभा चुनाव में उतरने से इंकार करते हुए अपने परिवार के सदस्यों के लिए टिकट सुनिश्चित किए थे।

तमिलनाडु: भाजपा के तमिलनाडु प्रमुख के. अन्नामलाई की सफल पदयात्रा और उसके बाद मोदी की यात्राओं ने स्थानीय लोगों के बीच प्रधानमंत्री और भाजपा के प्रति दिलचस्पी जगाई है। तमिलनाडु के चुनाव से यह स्पष्ट हो जाएगा कि क्या द्रमुक और कांग्रेस सहित उसके सहयोगी पिछले लोकसभा चुनाव (39 में से 38 सीटें और 53.53 प्रतिशत वोट) और 2021 के

विधानसभा चुनाव (234 में से 159 सीटें और 45.38 प्रतिशत वोट) के अपने व्यापक प्रदर्शन को दोहरा सकेंगे?

इस बार, एमके स्टालिन सरकार के खिलाफ सत्ता विरोधी गंभीर मुद्दे और भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार के आरोप उभर रहे हैं। सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं के साथ तस्करों के एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क की भी कथित संलिप्तता की खबर सुर्खियों में रही है। द्रमुक के शीर्ष मंत्रियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों को छुपाने के लिए सनातन धर्म पर हमला करने की उदयनिधि स्टालिन की कोशिशों ने पार्टी की छवि को संवारने के बजाय और बिगाड़ दिया है।

मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक का ध्यान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अन्नामलाई को हराने पर अधिक है। ऐसी चर्चा है कि द्रमुक अन्नाद्रमुक की मदद करने की कोशिश कर रही है, जिसने अल्पसंख्यक वोट पाने की उम्मीद में भाजपा के नेतृत्व वाले राजग को छोड़ दिया था। अन्नामलाई अपनी पदयात्रा के जरिए कई जिलों में मतदाताओं तक पहुंचने की मोदी की योजना को अंजाम देने में कामयाब रहे हैं। अन्नामलाई के नेतृत्व में भाजपा को सत्तारूढ़ द्रमुक से मुकाबला करने के लिए नई ऊर्जा मिल गई है। उधर मोदी ने काशी तमिल संगमम सहित भाजपा-हिंदुत्व और तमिल परंपरा के बीच एक भावनात्मक और सांस्कृतिक संबंध जोड़ने का प्रयास किया है।

तेलंगाना: मोदी पर कांग्रेस की अपनी विधानसभा जीत (119 में से 64 सीटें और 39.4 प्रतिशत वोट) के आधार पर अपनी रणनीतिक बढ़त बनाने और उससे उपजे आत्मविश्वास का कोई तनाव नहीं है। भाजपा दावा कर रही है कि तेलंगाना में ज्यादा बदलाव नहीं दिखेगा क्योंकि कांग्रेस बीआरएस से अलग नहीं है, जो अभी भी अपनी हार से उबरने में सक्षम नहीं है।

भाजपा के लिए सकारात्मक बात यह है कि वह विधानसभा चुनावों में तीसरे स्थान पर रही। हालांकि, इसने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (8 सीटें और 13.9 प्रतिशत वोट) किया। भाजपा ने 2019 में 17 में 4 लोकसभा सीट जीत कर शानदार प्रदर्शन किया था, जिससे तेलंगाना एक संभावनापूर्ण क्षेत्र बन गया। तेलंगाना की सामाजिक बनावट भाजपा को अपनी बात कहने के लिए एक सशक्त मंच थमा रही है। इसकी मुस्लिम आबादी लगभग 15 प्रतिशत है, जो निजामाबाद जैसे जिलों में केंद्रित है, जहां भाजपा ने 2019 में पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव की बेटी के.कविता को हराया था। मुसलमानों का प्रतिनिधित्व अब तक असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व में एक मुस्लिम पार्टी ने किया है। उनके भाई अकबरुद्दीन ओवैसी हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ आपत्तिजनक बयान देते रहे हैं। सामाजिक तौर पर तेलंगाना के मुसलमान एकजुट नहीं हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि मोदी के नेतृत्व में विकास की प्रशंसा करने और उत्तर-दक्षिण बंटवारे की कार्यनीति का विरोध करने के बाद तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी पर अब कांग्रेस के शीर्ष नेता विश्वास नहीं करते। हाल ही में मोदी की तेलंगाना यात्रा के दौरान रेवंत रेड्डी का मोदी को बड़े भाई के रूप में संबोधित करना राहुल गांधी को पसंद नहीं आया। भाजपा ने ओवैसी को पछाड़ने के लिए माधवी लता को उनके खिलाफ मैदान में उतार कर एक अच्छा रणनीतिक कदम उठाया है। माधवी लता हैदराबाद में, खासकर मुस्लिम समुदाय समेत महिला मतदाताओं में तेजी से लोकप्रिय हो रही हैं।

आंध्र प्रदेश: भाजपा के टीडीपी और अभिनेता पवन कल्याण के नेतृत्व वाली जन सेना पार्टी के बीच औपचारिक रूप से गठबंधन में शामिल होने से लोकसभा चुनाव दो क्षेत्रीय दलों, जगनमोहन रेड्डी की

वाईएसआरसीपी और टीडीपी के बीच का दंगल बन गया है, जिसमें कांग्रेस तेलंगाना और कर्नाटक की सफलता के आधार पर समर्थन की उम्मीद लगाए बैठी है। कांग्रेस ने वाईएसआरसीपी को तोड़ने की उम्मीद में जगन की बहन वाईएस शर्मिला को शामिल किया है। आंध्र प्रदेश में 25 लोकसभा और 175 विधानसभा सीटें हैं, जिसमें भाजपा को अपना खाता खुलने की उम्मीद है। जगन की पार्टी को सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ रहा है। महत्वपूर्ण बात यह है कि शर्मिला अपने भाई जगन पर हमला कर रही हैं, लेकिन उन्होंने अपनी पार्टी को नुकसान से बचाने के लिए जवाबी हमले से परहेज किया है। जो भी दल आंध्र प्रदेश जीतेगा वह मोदी और भाजपा के साथ अच्छे संबंध रखना

चाहेगा। इस विषय का यही सार है।

केरल: दरअसल, केरल में कांग्रेस का पारंपरिक आधार 44 प्रतिशत मुस्लिम-ईसाई क्षेत्रों पर टिका है। 2021 के विधानसभा चुनावों में सीएम पिनरई विजयन को दूसरा कार्यकाल मिलने के बावजूद यह स्थिति बरकरार है। इसलिए राज्य कांग्रेस ने एआईसीसी नेतृत्व को वामपंथियों की तर्ज पर अयोध्या राम मंदिर उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होने से मना किया था। पिनरई विजयन शासन के दूसरे कार्यकाल में उभरे कई विवादों ने मार्क्सवादियों को मजबूर कर दिया है कि वे मुसलमानों को लुभाने में जुट जाएं। मोदी के निर्देश पर भाजपा भी वहां पांथिक समीकरण का ध्यान रख रही है। उत्तरी केरल के वायनाड लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र पर पूरे देश की नजर टिकी हैं। क्या राहुल गांधी इस सीट से फिर चुनाव लड़कर विजय पाएंगे? राहुल के अमेठी से स्मृति ईरानी के खिलाफ चुनाव लड़ने का सवाल (जहां वह 2019 में हार गए थे) वायनाड में फिर से एक दिलचस्प चर्चा बना गया है। भाजपा की नजर 18 प्रतिशत ईसाई वोटों पर है और वह अपनी चुनावी संभावनाओं को सफल परिणाम देने के लिए विभिन्न चर्च प्रमुखों के साथ संबंध बनाने की कवायद में है। एक बात स्पष्ट है कि कथित उत्तर-दक्षिण राजनीतिक विभाजन समाप्त हो रहा है। पहले, इसका कारण 2023 के विधानसभा चुनाव में कर्नाटक और तेलंगाना में भाजपा के खराब प्रदर्शन और कांग्रेस की बड़ी सफलता बताया जाता था। तब यही तर्क प्रचारित होता रहा कि मोदी की विकास योजना और भाजपा की हिंदुत्व राजनीति दक्षिण में सफल नहीं हो सकती। तर्क यह दिया गया कि दक्षिण की 130 लोकसभा सीटों को भाजपा आसानी से हासिल नहीं कर सकती, चाहे मोदी 2024 के लोकसभा चुनावों में कितनी भी कोशिश कर लें।

यह सच है कि ऐतिहासिक रूप से कांग्रेस को दक्षिण में तब शरण मिली, जब 1977 में आपातकाल की ज्यादतियों के कारण उत्तर में उसे हार का सामना करना पड़ा, जो इंदिरा गांधी की पराजय का कारण बना। यहां तक कि 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में जब कांग्रेस अपनी सबसे खराब स्थिति में थी, तब भी दक्षिण गांधी परिवार के साथ खड़ा रहा। हमने यह भी देखा कि 2004 और 2009 के आम चुनावों में भी दक्षिणी मतदाताओं ने कांग्रेस पार्टी को भरपूर समर्थन दिया। लेकिन आज दक्षिण की जमीनी हकीकत बदल चुकी है। इसमें कोई शक नहीं कि 2023 में कर्नाटक और तेलंगाना की जीत ने कांग्रेस को बेहद जरूरी बल प्रदान किया है। भाजपा का कर्नाटक में सबसे पहले कमल खिला था, लेकिन इस बार विधान सभा चुनाव हार गई; क्योंकि वह अनुभवी बीएस येदियुरप्पा का मुकाबला करने के लिए उपयुक्त भाजपा प्रतिनिधि प्रस्तुत करने में विफल रही। इस बार येदियुरप्पा पार्टी का मार्गदर्शन कर रहे हैं। भाजपा ने भी मतदाताओं तक पहुंचने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। भाजपा मानती है कि उत्तरी और पश्चिमी भारत में उसे चुनावी बढ़त हासिल हो चुकी है, मामला अब दक्षिण का है जिसे अपने पाले में लाने के लिए प्रधानमंत्री दृढ़ता से प्रयास कर रहे हैं। संदेह नहीं कि इस बार के चुनाव में दक्षिण क्षेत्र निश्चित ही भाजपा को शुभ समाचार देने वाला है।

तीसरी पीढ़ी आते-आते ध्वस्त होने लगते हैं परिवारवादी राजनीति के मठ

पतन की ओर परिवारवाद की राजनीति...

भाजपा भी परिवारवाद से मुक्त नहीं, पर यह संगठन पर हावी नहीं

भारतीय राजनीति का अनुभव दर्शाता है कि वंशवादी राजनीतिक दल तीसरी पीढ़ी से पतन की ओर अग्रसर होने लगती है। उदाहरण के लिए नेहरू-गांधी परिवार, मुलायम परिवार, करुणानिधि परिवार, लालू यादव परिवार। गिरावट की प्रक्रिया दूसरी पीढ़ी से शुरू होती है और तीसरी पीढ़ी से इसमें तेजी आ जाती है। यदि राजनीतिक उत्तराधिकारी कथित विरासत को चलाने में सक्षम नहीं है तो पतन तेजी से या बहुत पहले से ही दिखने लगता है।

आज नेहरू-गांधी परिवार, मुलायम परिवार, पवार परिवार, करुणानिधि परिवार और लालू परिवार की दुर्गति पूरा देश देख रहा है। नेहरू-गांधी परिवार के लिए जो सीटें बिल्कुल आरक्षित मानी जाती थी, वही सीटें अब उन्हें बर्दाश्त करने के लिए तैयार नहीं हैं। सोनिया गांधी भाग कर राज्यसभा चली जाती हैं और राहुल गांधी भाग कर सीधे यूपी से केरल चले जाते हैं। मुलायम परिवार अपनी दूसरी पीढ़ी में ही अंतिम दशा में पहुंच चुका है। शरद पवार अपनी पारिवारिक-इकाई इकाई बचाने में बिखर चुके हैं। करुणानिधि परिवार और लालू परिवार आखिरी बार अपने अस्तित्व बचाने की जद्दोजहद कर रहा है।

भाजपा वंशवादी और परिवारवादी राजनीति पर निशाना साधते हुए राष्ट्र-प्रथम के संदेश के साथ चुनाव मैदान में जरूर है, लेकिन भाजपा में भी परिवारवाद है। भाजपा के परिवारवाद और कांग्रेस या अन्य क्षेत्रीय दलों के परिवारवाद में फर्क यह है कि भाजपा का परिवारवाद संगठन पर हावी नहीं है और पारिवारिक स्वार्थ की धुरि पर केंद्रित नहीं है। जबकि कांग्रेस और अन्य दलों का परिवारवाद पारिवारिक स्वार्थों की धुरि पर ही केंद्रित है।

प्रधानमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा रखने वाले 84 वर्षीय शरद पवार अपनी बेटी सुप्रिया सुले के चुनाव प्रचार करने के लिए अपने ही बारामती लोकसभा क्षेत्र के गांवों का दौरा करने के लिए मजबूर हैं। उनकी पार्टी महाराष्ट्र की 48 में से सिर्फ दस सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इससे एनसीपी (शरद पवार) महाराष्ट्र विकास अघाड़ी (एमवीए) में तीसरे सबसे छोटे भागीदार की पायदान पर फिसल गई है। उद्धव ठाकरे को अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए वामपंथी बुद्धिजीवियों और उनके कार्यकतार्ओं से मदद लेनी पड़ रही है। जब

एमवीए ने सीट बंटवारे की घोषणा की तो उद्धव ठाकरे ने साम्यवादियों सहित सभी वामपंथी दलों के लिए अपनी पार्टी कार्यालय के दरवाजे खोल दिए। हिंदुत्व के प्रति उद्धव की प्रतिबद्धता केवल मौखिक स्तर तक ही सीमित है। कई निर्वाचन क्षेत्रों में शिवसेना (यूबीटी)

शुभ-लाभ सरोकार

अपना उम्मीदवार पेश करने में असमर्थ है क्योंकि सभी पार्टी छोड़ कर जा चुके।

मौजूदा लोकसभा चुनाव में पवार और ठाकरे परिवार अपने राजनीतिक अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। दोनों परिवार पिछले कुछ दशकों से महाराष्ट्र की राजनीति पर हावी रहे हैं लेकिन अब उनका अस्तित्व खतरे में है, क्योंकि दोनों दल वंशवादी राजनीति के भंवर में डूबे हैं। पिछले दो वर्षों में, मुख्य रूप से, वंशवादी राजनीति की अंतर्निहित बाध्यताओं के कारण एनसीपी और शिवसेना में कई महत्वपूर्ण बंटवारा हुआ, जिससे उद्धव ठाकरे अलग-थलग पड़ गए, क्योंकि उन्होंने कद्दावर नेता एकनाथ शिंदे के बजाय अपने बेटे आदित्य को आगे बढ़ाने का फैसला किया था। उधर शरद पवार के अपनी बेटी सुप्रिया सुले को अपना उत्तराधिकारी बनाने से उनके भतीजे को गहरी आपत्ति हुई और वह अपने चाचा के खिलाफ विद्रोह कर बैठा। इस प्रक्रिया में पवार और ठाकरे, दोनों परिवारों ने अपना पिछला वर्चस्व खो दिया। पिछले साल के ग्राम पंचायत चुनावों के परिणामों से साफ हो गया था कि मतदाताओं ने पवार और ठाकरे परिवारों को खारिज कर दिया है।

कांग्रेस के पास शरद पवार खेमे और शिवसेना में फूट के कारण पैदा हुए खालीपन को भरने का अच्छा मौका था। महाराष्ट्र में कांग्रेस के पास अब भी कुछ सीटें हैं, लेकिन पार्टी नेतृत्व का उद्धव ठाकरे के सामने आत्मसमर्पण बौद्धिक दिवालियापन साबित हुआ। आत्मविश्वास की कमी के कारण कांग्रेस एमवीए भागीदार के रूप में 48 में से केवल 17 सीटों पर लड़ रही है। कांग्रेस कैडर बेहद निराश और गुस्से में है, क्योंकि उन्हें डर है कि इस गलती के कारण महाराष्ट्र से पार्टी का सफाया हो सकता है। इसके कई नेता भाजपा या शिवसेना में शामिल हो रहे हैं, क्योंकि वहां उन्हें अपना भविष्य बेहतर दिख रहा है।

एमवीए को सबसे गंभीर झटका तब लगा जब वह प्रकाश अंबेडकर के नेतृत्व वाली वंचित बहुजन आघाडी (वीबीए) को शामिल करने में विफल रही। वास्तव में, उद्धव ठाकरे की सेना, शरद पवार की राकांपा और कांग्रेस द्वारा वीबीए के प्रतिनिधियों के साथ किए गए व्यवहार से अंबेडकर के अनुयायी काफी नाराज हैं। उनके अंदर सुलग रही अपमान की भावना निश्चित रूप से मतदान में दिखने वाली है।

जहां भाजपा वंशवादी राजनीति पर निशाना साधते हुए महाराष्ट्र में राष्ट्र पहले के नारे के साथ मैदान में उतरी है, वहीं दो दल परिवार पहले के मोह में डूबे हैं। उन पर करारा प्रहार करते हुए भाजपा जोर-शोर से प्रचार कर रही है कि जो दल अपने परिवार के हितलाभ में जुटा है वह जनता का हितैषी नहीं हो सकता। भाजपा मतदाताओं को बार-बार बोल रही है कि उद्धव ठाकरे ने भाजपा और हिंदुत्व के साथ विश्वासघात किया और सरकार बनाने के लिए उन पार्टियों के साथ हाथ मिला लिया है जो हिंदू विरोधी हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपना तनाव दूर करने के लिए परिवार वालों की मदद लें। उनकी सहयता को खुले दिल से स्वीकारें। अपनी भावनाओं को दबाएँ और छुपाएँ नहीं। जो लोग आपके लिए सबसे ज़्यादा अहमियत रखते हैं, उन्हें अपनी बात समझाने में आप ख़ासी दिक़्क़त महसूस करेंगे। उन सहकर्मियों का ख़ास ध्यान रखें, जो उम्मीद के मुताबिक़ चीज़ न मिलने पर जल्दी ही बुरा मान जाते हैं। आज जीवनसाथी के साथ समय बिताने के लिए आपके पास पर्याप्त समय होगा। आपके और आपके जीवन साथी के बीच विश्वास की कमी रह सकती है। जिससे आज वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपकी व्यक्तिगत समस्याएँ मानसिक शांति को भंग कर सकती हैं। मानसिक दबाव से बचने के लिए कुछ रोचक और अच्छा पढ़ें। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम–काज के हिसाब से अच्छा दिन है। अगर आप व्यवसाय में किसी नये भागीदार को जोड़ने पर विचार कर रहे हैं, तो यह ज़रूरी होगा कि उससे कोई भी वादा करने से पहले आप सभी तथ्य अच्छी तरह जाँच लें। आज आपके पास खाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं। आपको आज मानसिक शांति का अहसास होगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज के दिन किए गए दान–पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। घर में किसी फंक्शन के होने की वजह से आज आपको बहुत धन खर्च करना पड़ेगा जिसके कारण आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। दफ़्तर के कामकाज में ज़्यादा व्यस्तता के चलते अपने जीवनसाथी के साथ आपका रिश्ता तनावपूर्ण हो सकता है। आज आप नए प्रोजेक्ट को शुरू करेंग जो पूरे परिवार के लिए समृद्धि लेकर आएगा। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप जल्द ही लम्बे समय से चली आ रही बीमारी से उबरकर पूरी तरह सेहतमंद हो सकते हैं। लेकिन ऐसे ख़ुदगर्ज़ और गुस्सैल इंसान से बचें, जो आपको तनाव दे सकता है और आपकी परेशानियों में इज़ाफ़ा कर सकता है। आज आपको अपना धन खर्च करने की जरुरत नहीं पड़ेगी क्योंकि घर का कोई बड़ा आज आपको धन दे सकता है। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इज़ाफा होगा। बहादुरी भरे क़दम और फ़ैसले आपको अनुकूल पुरुस्कार देंगे। जीवनसाथी के रिश्तेदारों का दख़ल वैवाहिक जीवन का सन्तुल बिगाड़ सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका व्यक्तित्व आज सबको आकर्षित करेगा। लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। दूर के रिश्तेदार से जिस संदेश की काफ़ी समय से उम्मीद थी, वह अच्छी ख़बर पूरी परिवार को ख़ुशियों से भर देगी। आपके साझीदार आपकी नई योजनाओं और विचारों का समर्थन करेंगे। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। उनपर ग़ौर करें, यह बात आपको ख़ुद–ब–ख़ुद दिख जाएगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। व्यापार में आज अच्छा खास मुनाफा होने की संभावना है। आज के दिन आप अपने बिजनेस को नई ऊंचाईयां दे सकते हैं। विदेश में रह रहे किसी रिश्तेदार से मिला तोहफ़ा आपके लिए ख़ुशी लेकर आएगा। अगर आप अपने लक्ष्यों को पाने के लिए एकाग्रता सए ध्यान केंद्रित करेंगे तो आपकी उपलब्धियाँ आपकी उम्मीदों से ज़्यादा होंगी। कार्यक्षेत्र के किसी काम में खराबी की वजह से आज आप परेशान रह सकते हैं और इस बारे में सोचकर अपना कीमती वक्त बर्बाद कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप जल्द ही लम्बे समय से चली आ रही बीमारी से उबरकर पूरी तरह सेहतमंद हो सकते हैं। लेकिन ऐसे ख़ुदगर्ज़ और गुस्सैल इंसान से बचें, जो आपको तनाव दे सकता है और आपकी परेशानियों में इज़ाफ़ा कर सकता है। जिन लोगों ने किसी रिश्तेदार से पैसा उधार लिया था उनको आज वो उधार किसी भी हालत में वापस करना पड़ सकता है। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफ़ी ख़ुशी महसूस करेंगे। आपको ख़ुशी से भरी शादीशुदा ज़िन्दगी की एहमियत का एहसास होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। जिसके साथ आप रहते हैं, उससे वाद–विवाद करने से बचें। यदि कोई समस्या है, तो उसे शान्ति से बातचीत करके सुलझाएँ। आज कार्यक्षेत्र में आपकी ऊर्जा घर के किसी मसले को लेकर कम रहेगी। इस राशि के कारोबारियों को आज के दिन अपने साझेदारों पर नजर बनाए रखने की जरुरत है, वो आपको नुक्सान पहुंचा सकते हैं। ऑफिस से जल्दी घर जाने का प्लान आज आप ऑफिस पहुंचकर ही कर सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं और उम्मीद है कि यह योजना सफल भी होगी। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में आपके सामने नई चुनौतियाँ आएंगी– ख़ास तौर पर अगर आप कूटनीतिक तरीक़े से चीज़ों को नहीं इस्तेमाल करेंगे तो। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे– आपके सामने चुनने के लिए कई चीज़ें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाएगा । दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

सुकून हासिल करने लिए कुछ पल क़रीबी दोस्तों के साथ बिताएँ। आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। किसी पारिवारिक भेद का खुलना आपको चकित कर सकता है। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफा कमा सकते हैं। यात्रा आपके लिए आनन्ददायक और बहुत फ़ायदेमंद होगी। आज आपका वैवाहिक जीवन हँसी–ख़ुशी, प्यार और उल्लास का केन्द्र बन सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। दोस्त और घर वाले आपको प्यार और सहयोग देंगे। वरिष्ठों का सहयोग और तारीफ़ आपके आत्मविश्वास और उत्साह को दोगुना कर देंगे। आज आपको अपने ससुराल पक्ष से कोई बुरी खबर मिल सकती है जिसके कारण आपका मन दुखी हो सकता है और आप काफी समय सोच विचार करने में गंवा सकते हैं। आज आपको अपने जीवनसाथी से भरपूर सहयोग मिलेगा।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 18 अप्रैल 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : चैत्र , शुक्ल पक्ष
तिथि : दशमी सायं 05:33 तक
नक्षत्र : आश्लेषा प्रात: 07:57 तक
योग : गण्ड रात्रि 12:42 तक
करण : गर सायं 05:33 तक
चन्द्रराशि : कर्क प्रात: 07:57 तक
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:32 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:05 , सूर्यास्त 06:32 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:25 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:50 , सूर्यास्त 06:23 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्री धर्मराज दशमी , गण्डमूल चालू हैं

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)

हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भजनलाल ने सरदार शहर में रामनवमी शोभायात्रा में की शिरकत

चुरू, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को चुरू जिले के सरदारशहर में भव्य रामनवमी शोभायात्रा में शामिल हुए। इस अवसर पर श्री शर्मा ने भव्य झांकियों के दर्शन किए और केसरिया पहने श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा कर रामनवमी की शुभकामनाएं दी। उन्होंने जय श्री राम के नारे लगाकर भगवा रैली में शामिल हजारों श्रद्धालुओं का उत्साहवर्धन भी किया।

मुख्यमंत्री ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि 500 साल बाद यह पहली रामनवमी आई है, जब रामलला अयोध्या में भव्य एवं दिव्य राममंदिर में विराजमान हैं। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि इस बार भी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रदेश की सभी 25 सीटें भारी मतों से जीतेगी और नरेन्द्र मोदी 400 से ज्यादा सीटों के साथ फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे।

शोभायात्रा में चुरू लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी देवेन्द्र झाझड़िया, श्री विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार, पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवां, पूर्व विधायक अशोक पींचा सहित गणमान्य एवं प्रबुद्धजन मौजूद थे। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने जयपुर स्थित निजी आवास पर चैत्र नवरात्रि के नवम दिवस महानवमी के शुभ अवसर पर कन्या पूजन कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि मां भगवती के नवरूपों की आराधना का यह पर्व नारी शक्ति और कन्याओं के सम्मान का भी पर्व है। उन्होंने शक्ति स्वरूपा जगदम्बा का आशीर्वाद प्रदेश के सभी परिव–ारजनों पर बने रहने की कामना की।

दिया कुमारी ने बाड़ी में किया रोड शो

धौलपुर 17 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बुधवार को धौलपुर–करौली लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी इंदु देवी जाटव के समर्थन में बाड़ी में रोड शो किया जिसमें जनसैलाब उमड़ पड़ा। रोड शो में श्रीमती दिया कुमारी का भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं तथा लोगों ने पुष्प वर्षा करके जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन स्वीकार करते हुए कहा रोड शो में भारी संख्या में पधारी देवतुल्य जनता का हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ। रोड शो में उमड़े जनसमूह से राजस्थान की सभी 25 सीटों पर कमल का फूल खिलना तय है।

उन्होंने कहा कि एक बार फिर से यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा अपने संकल्प अन्त्योदय की ओर अग्रसर है।

इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष सत्येंद्र पाराशर, पूर्व विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा, रोहिणी कुमारी, सुखराम कोली एवं रानी कोली सहित अन्य पार्टी नेता, पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में आमजन मौजूद थे।

अलवर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया रामनवमी का पर्व

अलवर 17 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले में रामनवमी का पर्व बुधवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिले में अनेक स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किये गये। मंदिरों में विशेष पूजा–अर्चना की गयी, मंदिरों को सजाया गया। मुख्य आयोजन अलवर शहर में आयोजित किया गया, जहां रथ यात्रा के मार्ग को फूल मालाओं से सजाया गया। बाजार में हनुमान जी और भगवान राम की भगवा झंडे लगाये गये।

सर्व हिंदू समाज की ओर से बुधवार को राम नवमी पर अलवर शहर के कृषि उपज मण्डी स्थित भगवान राम मंदिर से श्रीराम रथ यात्रा शुरू हुई, जो शहर के मुख्य बाजार भगत सिंह चैराहा रोड नंबर 2 काशीराम चैराहा, होप सर्कस, पंसारी बाजार,त्रिपोलिया, अशोका टॉकीज ,बस स्टैंड होती हुई कंपनी बाग पहुंची।

इस अवसर पर राजस्थान सरकार के मंत्री संजय शर्मा ने विधि–विधान से शस्त्र कीपूजा–अर्चना की और झंडी दिखाकर श्रीराम रथ यात्रा को रवाना किया। श्रीराम रथ यात्रा का सैकड़ों जगह पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया। वन मंत्री संजय शर्मा इस श्रीराम रथ यात्रा में पूरे रास्ते साथ रहे। इस रथ यात्रा में 5100 ध्वज साथ चल रहे थे। रथ यात्रा में कई झांकियां आकर्षण का केंद्र थी।

राजस्थान का साइबर ठग चढ़ा सिरसा पुलिस के हत्थे

सिरसा, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले की साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन टीम ने महत्वपूर्ण सुराग जुटाते हुए एक साइबर ठग को राजस्थान के नागौर से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन प्रभारी इंस्पेक्टर जसवीर सिंह ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान जितेंद्र कुमार पुत्र हरेंद्र कुमार निवासी गांव गोटन जिला नागौर, राजस्थान के रूप में हुई है।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी को तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है और रिमांड अवधि के दौरान उसके दो अन्य साथियों की भी पहचान कर ली गई है, जिनको भी शीघ्र गिरफ्तार किया जाएगा।

थाना प्रभारी ने बताया कि शहर सिरसा के सेक्टर 19 हुड्डा निवासी पवन कुमार को टेलीग्राम के माध्यम से जोड़कर स्काई स्कैनर ऐप पर टास्क पूरा करने तथा मोटे मुनाफे के नाम पर करीब 5,84 269 रुपए की ठगी की गई थी। थाना प्रभारी ने बताया कि टास्क पूरा करने के नाम पर पहले और दूसरे दिन करीब 6/7 हजार रुपए पवन कुमार के बैंक खाते में डाले गए। पवन कुमार लालच में आ गया और उसने गत दो फरवरी से लेकर पांच फरवरी के बीच की अवधि के दौरान करीब 5,84,269 रुपए बताए गए अलग–अलग बैंक खातों में डाल दिए।थाना प्रभारी ने बताया कि साइबर ठगों ने बाद में पीड़ित पवन कुमार से टेलीग्राम के माध्यम से मैसेज किया कि आपका टास्क पूरा नहीं हुआ है। इसलिए राशि प्राप्त करने के लिए 11 लाख रुपए और जमा करवाए।

स्कूल बस हादसा मामले में प्रिंसिपल व सचिव को कोर्ट ने भेजा जेल

महेंद्रगढ़, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। कनीना के उन्हानी बस हादसे में कनीना सिटी थाना पुलिस ने प्रिंसिपल दीप्ति यादव व सचिव होशियार सिंह को 5 दिन के पुलिस रिमांड के बाद दोबारा कोर्ट मे पेश किया। इन दोनों आरोपियों को 12 अप्रैल को गिरफ्तार कर 5 दिन के पुलिस रिमांड पर थे। कोर्ट ने दोनों आरोपियों को 26 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत मे भेज दिया है।

इस मामले मे पुलिस ने ड्राइवर धर्मेंद्र सहित उसके अन्य चार साथियो हरिश, संदीप, भूदेव व नरेश को भी गिरफ्तार कर लिया था। आरोपी ड्राइवर धर्मेंद्र के साथ घटना से एक घंटे पूर्व बस में शराब पी थी। कोर्ट ने 26 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत मे भेज दिया था।

डीएसपी महेन्द्र सिंह ने बताया की प्रिंसिपल दीप्ति यादव व सचिव होशियार से रिमांड के दौरान अहम दस्तावेज बरामद किए हैं। स्कूल के चेयरमैन राजेंद्र सिंह लोढ़ा व डायरेक्टर सुभाष यादव की गिरफतारी के लिए इनके बताए गए ठिकानो पर छापेमारी की गई। लेकिन संभावित ठिकानों पर आरोपी नहीं मिले।

इंडी गठबंधन अपनी जमानत बचाने के लिए फैला रहा झूठ : मेघवाल

जयपुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एससी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल ने इंडिया गठबंधन पर पूरी तरह हताश निराश होकर अंतर्कलह से जूझने का आरोप लगाते हुए कहा है कि देश के सबसे लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस बार 400 पार वाले नारे से घबराकर उसने एक झूठ फैलाना शुरू कर दिया है कि भाजपा सत्ता में आने के बाद संविधान को बदलकर आरक्षण खत्म करेगी।

श्री मेघवाल ने बुधवार को प्रेस वार्ता में यह आरोप लगाते हुए कहा कि इंडी गठबंधन अपनी जमानत बचाने के चक्कर में एससी–एसटी वर्ग को गुमराह कर रही है। देश की जनता को पता है कि पिछले दस सालों में श्री मोदी के नेतृत्व में दलितों के हित में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं वहीं श्री मोदी ने संसद में खुद यह कहा था कि जब तक भाजपा सत्ता में है आरक्षण से किसी प्रकार की छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं होगी।

श्री मेघवाल ने कहा कि कांग्रेस हमेशा दलित विरोधी और बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के खिलाफ रही है। संविधान निर्माण के समय जब बाबा साहब ने आरक्षण का प्रावधान लागू किया तो कांग्रेस ने आरक्षण का विरोध किया वहीं आरक्षण में दस साल बाद समाप्त करने और समीक्षा करने जैसे अडंगे लगाए। 27 जून 1961 को तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने देश के सभी मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर सरकारी भर्तियों में आरक्षण समाप्त करने की बात कही थी।

मुख्यमंत्रियों द्वारा विरोध करने पर उन्हें अपनी गलती का पता चला। इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ के लीडिंग केस के माध्यम से आरक्षण को कमजोर करने का प्रयास कांग्रेस सरकार के समय किया गया था लेकिन अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने तीन नये संशोधन करके एससी–एसटी और ओबीसी वर्ग के आरक्षण को मजबूत करने का काम किया।

कांग्रेस अपनी परंपरागत रायबरेली, अमेटी सीट से अभी तक प्रत्याशी घोषित नहीं कर पाई : यादव

अलवर 17 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में अलवर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लोकसभा प्रत्याशी एवं केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र सिंह यादव ने कहा है कि जो लोग भारत को बदलने की बात कहते हैं, वे अपनी परंपरागत रायबरेली और अमेठी की सीट पर प्रत्याशी भी घोषित नहीं कर पाये और दोनों सीटों की जनता को गांधी परिवार ने छोड़ दिया।

श्री यादव ने बुधवार को यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुये कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी वायनाड में चुनाव लड़ने गये कि वहां 50 फीसदी मुस्लिम हैं और सबसे बड़ी बात यह है कि जहां से वह चुनाव लड़ रहे हैं, वहां के लोग श्री गांधी की भाषा नहीं जानते और श्री गांधी उनकी भाषा नहीं जानते, इसलिये वह ऐसी परिस्थिति में सुरक्षित सीट मानते हुये वायनाड गये हैं। उन्होंने कहा कि कहा जाता है कि जो सच्चाई के मार्ग पर नहीं चलता है उसके रथ के पहिये भी रुक जाते हैं, और यही हाल अलवर में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के रोड शो में हुआ। उनके रोड शो में पहिये ही रुक गये, जिस रूट का रोड शो था, वह पूरा ही नहीं हुआ।

उन्होंने आम लोगों से सवाल किया कि कांग्रेस कहती है कि श्री यादव ने अलवर में क्या काम किया है। उन्होंने कहा कि जो लोग झूठ बोलते हैं, भरतरी बाबा उनके रथ के पहिये को भी रोक देती है।

भगवान राम के मंदिर का जिक्र करते हुये उन्होंने कहा कि ये कांग्रेस के नेता ही हैं, जो भगवान राम के अस्तित्व पर

सवाल उठाते हैं और उच्चतम न्यायालय में हलफनामा दाखिल करते हैं कि राम थे ही नहीं। उन्होंने कहा कि अब सब कुछ साफ हो गया है और भगवान राम को लाने वालों को देश की जनता ने सिर आंखों पर बैठा दिया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने जो 400 पार का नारा दिया है, इसका मतलब यह है की जितनी ज्यादा सीट होंगी, उतनी ज्यादा सेवा का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कहती है की इनकी 400 सीट अगर मिलीं तो यह संविधान बदल देंगे। उन्होंने 400 सीटों का जिक्र करते हुये कहा कि केरल, तेलंगाना, आंध्र सहित दक्षिण राज्यों में जब पार्टी का विस्तार होगा और वहां से सांसद जीतेंगे तो सीट बढ़ेगी या घटेंगी। संविधान बदलने के सवाल पर उन्होंने कहा कि जम्मू–कश्मीर में जब अनुच्छेद 370 था, तब वहां दलित, अन्य पिछड़ा वर्ग और अनुसूचित जनजाति का आरक्षण नहीं था। अनुच्छेद 370 हटाने के बाद दलित, आदिवासी और अन्य पिछड़े वर्ग को आरक्षण दिया जा रहा है। इसलिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा बिल्कुल साफ है कि वह आरक्षण को खत्म नहीं करेंगे।उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक का जिक्र करते हुये कहा कि कांग्रेस के पांच साल में पेपर ही लीक नहीं हुये, वहां की योजनायें भी लीक हुईं। विधायकों ने इतना दबाव बना दिया कि प्रशासन भी लीकेज में चला गया। अलवर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन काल में तिजारा के विधायक ने भिवाड़ी में फैक्ट्री का क्या हाल कर दिया।

इसी तरह बहरोड में भी निर्दलीय विधायक थे, उन्होंने भी बहरोड के इलाके का बुरा हाल कर दिया। उन्होंने कहा कि लोग सवाल करते हैं कि चुनाव जीतने के बाद उनकी प्राथमिकतायें क्या होगी। उन्होंने कहा, मेरी सबसे पहली प्राथमिकता होगी यहां के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर पानी की समस्या का स्थाई समाधान करना है।

सेवानिवृत्त फौजी की हत्या कर डीप फ्रीजर में डाला शव

सोनीपत, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले में नेशनल हाईवे–334बी के पास गांव रोहणा में शराब ठेके के पास कन्फेक्शनरी की दुकान चलाने वाले सेवानिवृत्त फौजी की हत्या करने के बाद उनका शव दुकान के अंदर ही डीप फ्रीजर में डालने का मामला सामने आया है। वह 13 अप्रैल से लापता थे और उनकी पत्नी ने 15 अप्रैल को उनकी गुमशुदगी का मुकदमा खरखौदा थाना में दर्ज कराया था। रात को उनका बेटा चाचा के साथ दुकान पर बाइक लेने गया तो मामले का पता लगा। जिस पर पुलिस को अवगत कराया। पुलिस ने देर रात शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल में भिजवाया। पुलिस ने मामले में हत्या की धारा जोड़ दी है। गांव रोहणा निवासी गीता ने 15 अप्रैल को अपने पति वीरेंद्र (50) की गुमशुदगी की शिकायत पुलिस को दी थी। उन्होंने बताया था कि उनके पति 13 अप्रैल को घर से एनएच–334बी के पास अपनी चाय–शीतलपेय की दुकान पर गए थे। जब वह वापस घर नहीं लौटे तो वह उन्हें देखने के लिए दुकान पर गए थे। वहां पहुंचने पर दुकान बंद मिली थी। जिसके बाद उन्होंने अपने स्तर पर आसपास तलाश की थी। कोई सुराग नहीं मिलने पर उन्होंने पुलिस को शिकायत दी थी।

बंद मकान का ताला तोड़कर साढ़े 6 लाख की नकदी चोरी

15 तोले सोना व आधा किलो चांदी पर किया हाथ साफ

भिवानी, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले के तोशाम से हिसार मार्ग पर ज्योति कूलर फैक्ट्री के पास बने मकान से चोरों ने ताला तोड़कर करीब साढे 6 लाख रुपये, 15 तोले सोने के जेवरात व आधा किलोग्राम चांदी चोरी कर ले गए। डॉग स्कवाईड व साइबर क्राइम की टीम भी मौके पर पहुंची। चोरों का सुराग लगाने के लिए फिंगर प्रिंट भी लिए गए। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, जिसमें संदिग्ध चोर दिखाई दे रहे हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार रात को नरेश का परिवार साथ वाले प्लॉट में सोया हुआ था।

मकान का ताला तोड़कर चोरों ने उसके मकान से ताला तोड़कर करीब साढे.6 लाख रुपये, 15 तोले सोने के जेवरात व आधा किलोग्राम चांदी चोरी कर ले गए। नरेश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि जब बुधवार सुबह उठकर देखा तो ताला टूटा हुआ था। घर में सामान बिखरा पड़ा था। घर में सामान बिखरा देखकर उनके होश उड़ गए।

भाजपा प्रत्याशी से ज्यादा सम्राट चौधरी की अग्निपरीक्षा, महागठबंधन अपने ही फैक्टर में फंसा

पटना / नवादा (एजेंसियां)।

लोक जनशक्ति पार्टी से लेकर भारतीय जनता पार्टी ने नवादा सीट पर अपना प्रत्याशी दिया, लेकिन मुद्दा वहीं का वहीं है। नवादा ने भाजपा से गिरिराज सिंह को कभी सांसद बनाया, फिर लोजपा के चंदन सिंह को। दोनों ही बाहरी थे।

इस बार विवेक सिंह के साथ भी यही बात प्रचारित हो रही है। लेकिन, नवादा की कहानी इतनी भी सहज नहीं है। नवादा में खेल बहुत रोचक हो गया है। महागठबंधन अपने संकटों में घिरा है और समाधान नहीं निकाल सका है। दूसरी तरफ, भाजपा सामने खड़े राष्ट्रीय जनता दल प्रत्याशी की जाति के वोटरों को साथ लाने में अबतक विफल नजर आ रही है। ऐसे ही कई कारण है, जिससे बहुत दूसरे तरह का रोमांचक मुकाबला बनता दिख रहा है नवादा में।

जैसे गिरिराज सिंह आए-गए, उसी तरह चंदन सिंह के बारे में विचार है। यही कारण है कि लोगों की जुबान पर उनके रहने या नहीं रहने की कोई बात नहीं होती सुनाई देती है। हां, भाजपा प्रत्याशी को जगह-जगह यह जरूर बताना पड़ता है कि वह क्यों बाहरी नहीं हैं और पिछले सांसद की किन खामियों का समाधान वह कैसे निकालेंगे।

राजद के विनोद यादव यहां दोनों प्रत्याशियों के मुकाबले कम चर्चा में नहीं हैं। यह चुनाव उनके जीने-मरने का सवाल बन गया है। उनके धुर विरोधी खेमे के श्रवण कुमार कुशवाहा को राजद ने टिकट दे दिया। वह पांच-सात करोड़ में राजद का टिकट बिकने की बात भी कह चुके हैं।

महागठबंधन भले कुछ दावा करे, लेकिन विनोद यादव ने राजद के वोट बैंक का ठीकठाक हिस्सा प्रभावित किया है।

यह भूमिहार बाहुल लोकसभा सीट है। इसलिए, एनडीए में अमूमन इसी जाति पर दांव खेला जाता है। इस बार विवेक ठाकुर भी इसी समूह से आए हैं। भाजपा से भूमिहारों की नाराजगी का असर इस कारण से तो यहां निष्प्रभावी दिखता ही है, एक और बात यह भी है कि राजद के प्रत्याशी श्रवण कुमार कुशवाहा को इस जाति के लोग पसंद नहीं करते हैं। मतलब, भाजपा के लिए यह सोने पर सुहागा वाली स्थिति है। वैसे, भोजपुरी सिंग गुंजन सिंह ने निर्दलीय उतरकर भाजपा के इस वोट बैंक को नुकसान पहुंचाने की भरपूर कोशिश की है।

भाजपा के लिए सबकुछ अच्छा है, यह कहना भी गलत है। यहां भाजपा कोटे से राज्य सरकार के उप मुख्यमंत्री और बिहार प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी की प्रतिष्ठा सीधे दांव पर है। कहा जा रहा है कि सम्राट चौधरी और उपेंद्र कुशवाहा के बावजूद श्रवण कुमार को लेकर कुशवाहा जाति के वोटर गोलबंदी की स्थिति में हैं।

नवादा लोकसभा सीट में इस जिले के पांच विधानसभा क्षेत्र हैं और शेखपुरा जिले का बरबीघा विधानसभा क्षेत्र भी है। छह में से चार विधानसभा सीटें महागठबंधन के पास हैं, जबकि दो एनडीए के पास। इनमें राजद नेता विनोद यादव की भाभी विभा देवी और पूर्व मंत्री राजवल्लभ यादव के समर्थक विधायक प्रकाश वीर का फायदा महागठबंधन को मिलने की उम्मीद नहीं है। विनोद यादव और राजवल्लभ फैक्टर को मैनेज करना अंतिम समय में राजद के लिए कितना संभव होता है, यही देखने वाली बात है।

जाति के हिसाब से सर्वाधिक प्रभावी भूमिहार वोट जहां छिटपुट बिखराव से इतर एकतरफा नजर आ रहा है, वहीं इसके बाद प्रभावी यादवों में ज्यादा टूट नजर आ रही है। महागठबंधन के लिए राहत की सबसे बड़ी बात मुस्लिम आबादी है, जो तीसरे नंबर पर मानी जाती है। महादलितों में पासी समुदाय राजद तो इससे टकराने वाली राजवंशी समाज भाजपा के साथ जाने की बात कह रहा है। रही बात पिछड़ों की तो इसे समेटने की कोशिश दोनों तरफ से हो रही है।

पिछले लोकसभा चुनाव में यहां राष्ट्रीय जनता दल ने विभा देवी को प्रत्याशी बनाया था और दावा किया था कि वह जीत हासिल करेंगी, लेकिन तब लोक जनशक्ति पार्टी के प्रत्याशी चंदन सिंह ने 2014 के मुकाबले ज्यादा बड़ अंतर से जीत हासिल की। बाहुबली सूरजभान सिंह के भाई चंदन सिंह ने पहली बार राजनीति में कदम रखा और यह जीत दर्ज की। चंदन सिंह को यहां 4.95 लाख से ज्यादा वोट आए, जबकि राजद की विभा देवी 3.47 लाख वोट ही हासिल कर सकीं। यहां करीब 35 हजार लोगों ने नोटा दबाया, फिर भी यहां एनडीए को 2014 के मुकाबले ज्यादा अंतर से जीत मिली। तब यहां गिरिराज सिंह ने राजद के पूर्व मंत्री राजवल्लभ यादव को हराया था। देखने वाली बात यह है कि इस बार राजवल्लभ के समर्थकों ने राजद के मौजूदा प्रत्याशी के खिलाफ स्टैंड ले रखा है।

हैवानियत की हदें पार, पापी पिता ने पांच साल की बेटी के साथ की दरिंदगी

बच्ची की हालत गंभीर

पटना (एजेंसियां)।

बेतिया में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। एक पिता ने दरिंदगी की सारी हदें पार कर दी है। पिता और पुत्री के रिश्ते को तार-तार करते हुए अपनी ही पांच वर्षीय बेटी को हवस का शिकार बना लिया है। बच्ची की हालत गंभीर है। उसका इलाज चल रहा है। इधर, घटना की जानकारी परिजनों को मिली तो पत्नी ने पुलिस में शिकायत कर उसे जेल भिजवा दिया है। घटना जिले लौरिया थाना के एक गांव की है। जहां पीड़िता के बताने पर उसकी मां ने पहले पति की जमकर धुनाई की फिर अपने भाइयों को बुलाकर आरोपी पति को पुलिस के हवाले कर दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी पिता अपने कमरे में सोया था। उसी कमरे में उसकी पांच वर्षीय बेटी भी सोई थी। इसी बीच उसकी दरिंदगी जाग उठी और उसने अपनी बेटी के साथ ही मुंह काला कर लिया। पीड़िता की मां ने जब बेटी को रोते-बिलखते हुए देखा और पूछताछ की तो उसने जो बताया वह रोंगटे खड़े करने वाला था।

आरोपी पिता जम्मू काश्मीर में रहकर बढ़ई का काम करता है। वह होली के अवसर पर अपने घर आया था। ग्रामीणों का कहना है कि उसे गांजा पीने की आदत थी। नशे की हालत में उसने ऐसी वारदात को अंजाम दिया होगा। नशेड़ी पिता के इस काली करतूत की चर्चा अगल-बगल के क्षेत्रों में जोरों पर है। जितनी मुंह उतनी बातें सुनने को मिल रही है। बताया जाता है कि आरोपी पिता ने जिस बच्ची के साथ मुंह काला किया है वह उसकी बड़ी बेटी थी। उसे दो बेटी और दो बेटा है। थानेदार संतोष कुमार शर्मा ने बताया कि एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पीड़ित बच्ची को 164 के बयान और मेडिकल जांच के लिए बेतिया भेजा गया है। वहीं आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

फर्जी खाता खोल कर पेंशन राशि निकालने पर कार्रवाई

डिप्टी पोस्ट मास्टर समेत तीन पर मामला दर्ज

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर जिला के प्रधान डाकघर में एक फर्जी खाता खोलकर सीवान के एक पेंशन कर्मी की राशि ट्रांसफर करने के मामले में बड़ी कार्रवाई की गयी हैं। जिसके बाद अब पुलिसिया कार्रवाई तेज कर दी गई है और इस मामले में सहायक डाक अधीक्षक मनीष कुमार राव ने टाउन थाने में प्रधान डाकघर के एक तत्कालीन डिप्टी पोस्ट मास्टर दीनानाथ साह के अलावा सहायक डाकपाल बचत बैंक सुरेश कुमार और सहायक अरविंद कुमार को नामजद आरोपित बनाया गया है। मनीष कुमार राव ने प्राथमिकी में बताया है कि इन तीनों डाक कर्मी ने फर्जी तरीके से पैसा अपने खाते में ट्रांसफर किया और फिर उसे फिर दूसरे खाते में ट्रांसफर कर पैसा की निकासी कर ली। करीब 7 माह के विभागीय जांच में यह मामला सत्य पाया गया हैं, जिसमें की यह राशि दस लाख से अधिक थी।

मामले में 16 अगस्त 2023 को प्रधान डाकघर में वसीम अंसारी के नाम से बचत बैंक खाता खोला गया था और उसमें डाक विभाग के कर्मी की मिली भगत से तत्कालीन डाक विभाग के डिप्टी पोस्टमास्टर के आईडी का यूज कर एक खाता वसीम नाम के व्यक्ति पर खोल दिया गया और फिर उसी दिन खाते को प्रधान डाकघर सीवान जिला के मृत पेंशनधारी माखन राम के पेंशन खाते से अटैच करने के बाद से इसमें 4 लाख 97 हजार 800 की राशि को अवैध रूप से निकासी की गयी थी।

जिसके बाद फिर से 19 सितंबर 2023 को इस खाते में से 4 लाख 95 हजार 641 रुपये की राशि को ट्रांसफर कर उसी दिन 3 बार में एक्सिस बैंक के खाते में एनइएफटी के माध्यम से ट्रांसफर की गयी थी, जिस मामले में मोतीझील निवासी तुलसी नारायण की ओर से इस मामले की शिकायत डाक विभाग के वरीय डाक अधीक्षक डाक निदेशक, पोस्ट मास्टर जनरल से लेकर वहां डाक निदेशक, संचार मंत्री तक की गयी। इसके बाद वरीय डाक विभाग पदाधिकारी के निर्देश पर वरीय डाक अधीक्षक की ओर से सहायक डाक अधीक्षक पूर्वी अनुमंडल के नेतृत्व में एक जांच टीम गठित की गयी। जांच टीम ने अपनी जांच रिपोर्ट में लिखा कि 16 अगस्त को प्रधान डाकघर में डिप्टी पोस्ट मास्टर दीनानाथ की आइडी से खाता खोला गया था, जिसे सहायक डाकपाल बचत मधुबनी के डाकपाल का भी खू इस्तेमाल किया गया था और इस जांच में फर्जीवाड़ा सामने आने के बाद तीनों आरोपित कर्मियों को निलंबित कर दिया गया था, वहीं आरोपित दीनानाथ साह 31 अक्तूबर को रिटायर्ड हो चुके हैं।

सिर्फ पीएम मोदी के आने से मांझी की नैया पार होना मुश्किल, गया में जीतन राम का नाम चलेगा?

पटना (एजेंसियां)।

बिहार की गया (आरक्षित) सीट पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और महागठबंधन के बीच सीधा मुकाबला है। बाकी प्रत्याशी मैदान में क्या भूमिका निभाएंगे, वह बाद में पता चलेगा। फिलहाल ध्यान एनडीए और महागठबंधन पर ही है। दोनों के दिग्गज नेता अपने प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करने के लिए गया का दौरा पूर कर चुके हैं। मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी एनडीए के सहयोगी हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के प्रत्याशी जीतन राम मांझी को जिताने के लिए बहुत कुछ कह गए हैं। लेकिन, अब जब चुनाव प्रचार थमने वाला है तो यह देखने वाली बात होगी कि किसकी गाड़ी कहां भाग और कहां फंस सकती है।

यह अहम सवाल इसलिए है कि जीतन राम मांझी और कुमार सर्वजीत अपने जिले से लोकसभा चुनाव के प्रत्याशी हैं। अपने जिले, इस लिहाज से कि यहीं से विधायक हैं। इसमें कुमार सर्वजीत का पलड़ा भारी है, क्योंकि वह बोधगया के राजद विधायक हैं। यह विधानसभा क्षेत्र गया लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है। दूसरी तरफ, जीतन राम मांझी इमामगंज से विधायक हैं। इमामगंज विधानसभा औरंगाबाद लोकसभा क्षेत्र के अंदर है।

बिहार जातिगत जनगणना करा चुका है, हालांकि जनगणना के आंकड़े जिलावार नहीं जारी किए गए। इसलिए, सारी राजनीति जातियों की अनुमानित संख्या के आधार पर है। इस अनुमान के अनुसार सबसे बड़ी आबादी भुइयां (महादलित) की है। इससे जीतन राम मांझी आते हैं। मौजूदा जदयू सांसद विजय मांझी भी इसी जाति से हैं। वह विरोध में नहीं, इसका फायदा मांझी को मिल रहा है। संख्या के हिसाब से उसके बाद दुसाध, यानी पासवान बताए जाते हैं। इससे कुमार सर्वजीत हैं। मतलब, पीठ पर ही हैं। तीसरे नंबर पर राजपूतों की संख्या बताई जाती है। फिर मुस्लिम और पांचवें नंबर पर वैश्य-बनिया बताए जाते हैं। मतलब, अपनी जाति और भाजपा के पारंपरिक वोटरों की बड़ी आबादी के हिसाब से मांझी फायदे में दिखते हैं। कुमार सर्वजीत की जाति वही है, जो चिराग पासवान की है। स्थानीय राजनीति को समझने वाले इसी आधार पर कह रहे कि अगर चिराग पासवान और पशुपति कुमार पारस ने मिलकर मेहनत कर दी होती तो गारंटी की संभावना बन सकती थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अपने समर्थकों से बार-बार अपील की कि वह हर बूथ पर उन्हें जिताएं। उन्हें यह क्यों कहना पड़ा? इसे समझना बहुत मुश्किल नहीं है। इस सीट पर हम-से प्रत्याशी उतरे हैं और इस पार्टी के पास कार्यकर्ताओं का वैसा नेटवर्क नहीं है। एनडीए में भारतीय जनता पार्टी और जनता दल यूनाईटेड के पास ही नेटवर्क है। भाजपा को चूंकि बिहार की 40 में से 40 सीटों पर जीत की गारंटी चाहिए, इसलिए उसे कैडर की ताकत झोंकनी होगी। इसके अलावा जदयू से भी जमीनी सहयोग उसी तरह लेना होगा। इधर, महागठबंधन में राष्ट्रीय जनता दल और वामदलों के पास कैडर है। यह दोनों पूरी ताकत के साथ लगे हैं।

गया जिले में 10 विधानसभा सीटें हैं। इनमें से एक अतरी जहानाबाद लोकसभा और तीन- इमामगंज, गुरुआ और टिकारी सीटें औरंगाबाद लोकसभा सीट के मातहत हैं। बची छह सीटों में 1. बेलागंज से आठ बार के विधायक राजद कोटे के पूर्व मंत्री सुरेंद्र यादव हैं। 2. शेरघाटी में जदयू को हराकर राजद की मंजू अग्रवाल विधायक हैं। 3. गया शहरी सीट पर भाजपा के आठ बार के विधायक डॉ. प्रेम कुमार 2020 में जीते तो हैं, लेकिन पहले के मुकाबले अंतर कम रहा है। 4. बोधगया से राजद विधायक कुमार सर्वजीत ही लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। 5. वजीरगंज से भाजपा विधायक हैं। 6. बाराचट्टी से जीतन राम मांझी की समधन ज्योति मांझी विधायक हैं, लेकिन उनके क्षेत्र में भारी विरोध दिख रहा है। इसी के कारण जिला परिषद् के कई सदस्य राजद में आ चुके हैं।

रेड के बाद राजद कार्यकर्ताओं का हंगामा, बोले-

भाजपा के इशारे पर छापेमारी, जनता देगी जवाब

पटना (एजेंसियां)।

फ्लाईंग स्क्वायड टीम(एफएसटी) ने बुधवार को औरंगाबाद में एक होटल में चल रहे राजद उम्मीदवार अभय कुशवाहा के प्रधान चुनाव कार्यालय में छापेमारी की। इस दौरान टीम को राजद कार्यकर्ताओं का भारी आक्रोश झेलना पड़ा। विरोध के बीच छापेमारी में एफएसटी की टीम को कार्यालय से महज 50 हजार की नगदी और चुनाव प्रचार सामग्री मिली है। छापेमारी से राजद कार्यकर्ता बेहद आक्रोशित हैं। इसे विपक्षी कैंडिडेट के इशारे पर की गई कार्रवाई करार दे रहे हैं।

गोपालगंज से चंचल पासवान होंगे महागठबंधन के उम्मीदवार एनडीए प्रत्याशी डॉ. आलोक कुमार से होगा सामना

गोपालगंज (एजेंसियां)।

चंचल पासवान को वीआईपी ने गोपालगंज से टिकट दिया है। वीआइपी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बालगोबिन्द बिंद ने इस बात की जानकारी दी है। विकासशील इंसान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सहनी के परामर्श से लोकसभा चुनाव 2024 के लिए गोपालगंज से प्रेमनाथ चंचल उर्फ चंचल पासवान को वीआईपी ने अपना उम्मीदवार बनाया है। महागठबंधन ने चंचल पासवान को चुनाव के मैदान में उतारा है, जिनका सीधा मुकाबला एनडीए प्रत्याशी व सांसद डॉ. आलोक कुमार सुमन से होगा। प्रेमनाथ चंचल के महागठबंधन प्रत्याशी घोषित होते ही गोपालगंज की राजनीतिक हलचल तेज हो गई। प्रेमनाथ को जिले भर से बधाइयां मिलने लगी।

बता दें कि वीआइपी को इंडिया गठबंधन का घटक दल बनाए जाने के बाद राजद कोटे से तीन सीटें गोपालगंज, मोतिहारी व झंझारपुर मुकेश सहनी की पार्टी वीआईपी को दी गयी थी, लेकिन गोपालगंज में उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की गयी थी। गुरुवार की देर रात गोपालगंज में भी उम्मीदवार की घोषणा वीआईपी ने कर दी है ।

गोपालगंज जिले के थावे प्रखंड के बेदू टोला गांव निवासी सुदामा मांझी के पुत्र हैं प्रेमनाथ चंचल उर्फ चंचल पासवान। इन्होंने एमएससी तक की शिक्षा गोपालगंज से प्राप्त की है। प्रेमनाथ चंचल की गिनती जिले के बड़े व्यवसायियों में भी है। इनका जिले के कई प्रखंडों में गैस एजेंसी और पेट्रोलपंप का कारोबार है। प्रेमनाथ का अधिक परिचय इनके पिता सुदामा मांझी के नाम से ही है, क्योंकि वे पिछले 20 सालों जिले की राजनीति में सक्रिय है। सुदामा मांझी अभी वर्तमान में भाजपा अनुसूचित जाति के जिलाध्यक्ष हैं। इससे पूर्व सुदामा मांझी राजद में भी रह चुके हैं। राजद से निकल कर ही उन्होंने भाजपा ज्वाइन की थी।

वीआइपी के प्रत्याशी प्रेमनाथ चंचल के पिता हैं भाजपा नेता

वीआइपी के प्रत्याशी प्रेमनाथ चंचल के पिता इंजीनियर सुदामा मांझी भाजपा के सक्रिय नेता है। अभी वर्तमान में वे भाजपा अनुसूचित जाति के गोपालगंज जिलाध्यक्ष हैं। अब यह देखना दिलचस्प होगा की पिता पुत्र के खिलाफ चुनाव प्रचार करते हैं या भाजपा से त्यागपत्र देते हैं। हालांकि सूत्रों से खबर यह निकलकर सामने आ रही है की सुदामा मांझी बहुत जल्द भाजपा की सदस्यता से इस्तीफा देने वाले हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com